मत्ती न माण्डि परभु ईसु मसी की छोखी खबर

1

परभु ईसु का आगला-बड़ा क नाऊँ

1 इब्राहीम की ओलाद दाऊद की ओलाद, ईसु मसीह की पिढ़ीयां ई प्रकर छ। 2 इब्राहीम
को बेटो इसहाक छो; इसहाक को बेटो याकूब छो; अर याकूब सुँ यहूदा अर उंक भाई पॅदा
होयो। 3 यहूदा क बेटा छा फिरिस अर जोरह। (उंकी माँई को नाऊँ तामार छो।) फिरिस सुँ
हिस्रोन पॅदा होयो। अर हिस्रोन सुँ एराम पॅदा होयो। 4 अर एराम सुँ अम्मीनादाब पॅदा होयो।
; अर अम्मीनादाब सुँ नहशोन अर नहशोन सुँ सलमोन पॅदा होयो। 5 अर सलमोन अर राहब
सुँ बोअज पॅदा होयो। अर बोअज अर रूत सुँ ओबेद पॅदा होयो। ; अर ओबेद सुँ यिशै पॅदा
होयो। 6 अर यिशै सुँ दाऊद राजा पॅदा होयो।अर सुलैमान दाऊद को बेटो छो। ज्ये उ लुगाई सुँ
जन्मयो ज्ये फॅली उरिय्याह नाऊँ का एक आदमी की लुगाई छी। 7 अर सुलैमान सुँ रहबाम पॅदा
होयो। अर रहबाम सुँ अबिय्याह पॅदा होयो। अर अबिय्याह सुँ आसा पॅदा होयो। 8 अर आसा
सुँ यहोशफात पॅदा होयो।; अर यहोशाफात सुँ योराम पॅदा होयो।, अर योराम सुँ उज्जियाह पॅदा
होयो। 9 अर उज्जियाह सुँ योताम पॅदा होयो।; अर योताम सुँ आहाज पॅदा होयो।; अर आहाज सुँ
हिजकिय्याह पॅदा होयो। 10 अर हिजिकिय्याह सुँ मनश्शिह पॅदा होयो। अर मनश्शिह सुँ आमोन
पॅदा होयो।; अर आमोन सुँ योशिय्याह पॅदा होयो। 11 वां दनां मं बेबिलोन देस का राजा*न
इस्राएल क लोगाँ न जोरियाँ सुँ पकड़र बेबिलोन ले जाबा क बगत योशिय्याह सुँ यकुन्याह
अर उकॅ भाईयां पॅदा होयो। 12 जोरियाँ सुँ पकड़र बेबिलोन मं लेजाया क पाछॅ यकुन्याह सुँ
शालतिएल पॅदा होयो।अर शालतिएल सुँ जरूब्बाबिल पॅदा होयो। 13 अर जरूब्बाबिल सुँ
अबीहूद पॅदा होयो, अर अबीहूद सुँ इल्याकीम पॅदा होयो; अर इल्याकीम सुँ अजोर पॅदा होयो।
14 अर अजोर सुँ सदोक पॅदा होयो; अर सदोक सुँ अखीम पॅदा होयो ; अर अखीम सुँ इलीहूद
पॅदा होयो। 15 अर इलीहूद सुँ इलियाजार पॅदा होयो ; अर इलियाजर सुँ मत्तान पॅदा होयो; अर
मत्तान सुँ याकूब पॅदा होयो। 16 अर याकूब सुँ यूसुफ पॅदा होयो; ज्ये मरियम को आदमी (पति)
छो ।मरियम सुँ ईसु को जनम होयो ज्ये मसीह[a] कहलाव छ। 17 इ प्रकार इब्राहीम सुँ दाऊद तांई
चौदह पीढ़ियाँ होई। अर दाऊद सुँ ले'र बन्दी बणार बेबीलोन खन्दाबा तांई की चौदह पीढ़ि छी,
अर बन्दी बणार बेबीलोन खन्दाबा सुँ मसीह का जन्म ताईं चौदह पीढ़ि होई।

ईसु को जन्म

18 ईसु मसीह को जन्म अस्याँ होयो,क जद ऊँकी माँई मरियम की सगांई यूसुफ क लारां होई तो
दोनी को ब्याव होबा सुं पहली ही सुँ व्ह पवित्र आत्मा की शक्ति सुँ पेटसुँ हो गी छी। 19 तो उंको
होबाळो घर को धणी यूसुफ एक भलो मनख छो अर ऊ इ प्रकट कर'र लोग-दनीयां मं मरियम न
बदनाम करबा न्ह छावॅ छो,उन्ह छान सेक सगाई तोड़बा काण बच्यार कर्यो छो। 20 जद यूसुफ

इ बातां की सोच मं छो , तो सपना मं उकॅ सामॅ परभु को स्वर्गदूत प्रकट हो’र उसुँ खबा लाग्यो,
क“हे! यूसुफ,दाऊद की सन्तान, मरियम न थारी लुगाई बणार य्हाँ लाबा सुँ मत डरप क कस्यां
ज्ये बच्चो उँका पेट मं छ, वह परमेस्वर का पवित्र आत्मा क काढी सूँ कनायो छ। 21 व्ह एक
बेटो न जन्म देगी। तू ऊँका नाऊँ ईसु रखाणज्ये क कस्यां ऊँ अपणा लोगां न व्हांका खोटा-गुणा
सुँ छुटकारा करगो।” 22 ये सारी बातां ई लेखॅ होई क परभु न घणा साल पहली भविष्यबाणी
खबाळा क वाळ खी छी;व्ह बातां पूरी होई। 23 “सुणो, एक कुँवारी कन्या पेटसुँ होर एक बेटो
को जन्म देगी। ऊँको नाऊँ इम्मानुएल राख्यो जावगो।”b (जिंका मल्लब छ“परमेश्वर आपण लारां
छ।”) 24 जद यूसुफ नन्द्रा सुँ उठ’र प्रभु की स्वर्ग दूत की आज्ञा अनुसार व्ह मरियम क लारां
ब्याह कर’र अपणा घरां ल्याया। 25 अर ज्याँ तांई ऊँक बेटो पॅदा न्ह होयो तब तांई ऊ मरियम
क गोड़यां न्ह सोयो:अर यूसुफ न ऊ बेटो को नाऊँ ईसु राख्यो।

2

ज्योतिष्यां को आबो

1 राजा हेरोदेस जद राज करह छो, उ दनां मं यहूदियां का नगर बैतलहम मं ईसु को जन्म होयो
छो।तो कोई समय बाद मं कोई ज्योतिष्यां ज्ये तारा क बारां मं जाणकारी रखाणॅ छा, व उगणी
दसा सुँ यरूशलेम नगर मं आर बूजबा लाग्या। 2 क यहूदियां को राजो जिको जन्म होयो छ,
ऊ कठी छ? क कस्यां म्हानॅ उगणी दसा मं उको तारा न बादळा मं देख्यो छ अर म्हाँ ऊ बेटो
न ढोकबा आया छां । 3 जद राजा हेरोदेस न या सुणी तो व्ह घणो घबरा ग्यो अर ऊँका लारां
यरूशलेम नगर का दूसरा सारा लोग-दणी भी चन्ता करबा लाग्या। 4 अर उनॅ यहूदी समाज क
सारा प्रमुख याजकां अर यहुदियां का निम सखाबाळा न भेळा कर’र वा सुँ बूज्या क मसीह
को जन्म कठी हो सकॅ छ । 5 वानह हेरोदेस राजा सुँ खी यहूदिया जिला का बैतलहम मं
मसीह को प”दा होउगो।क कस्याँ भविष्यबाणी करबाळा क वाळ माण्डियो ग्यो छ क: 6 क
‘हे बैतलहम,ज्ये यहूदा क देस मं छ, तू कसी भी रीति सुँ यहूदा का अधिकारियां मं सब सुँ
छोटो कोई न्ह ; क कस्यां था मं सुँ एक अस्यो राजो प”दा होवगो ज्ये म्हारी प्रजा इस्राएल की
रखवाली करगा”। 7 जद हेरोदेस ज्योतिषियां न छान सेक बला’र वा सुँ बूजी, क व्ह तारा
कसी बगत मं दिखाई दियो छो। 8 हेरोदेस राजा न ज्योतिषियां सुँ या ख’र बैतलहम खन्नाया,
क जाओ ऊ बाळक क बारां मं छोखी तरह सुँ मालुम करो अर जद थानॅ ऊ मल जाव तो म्हारॅ
काण सम्चार दे दिज्ये ताकी म्हूँ भी आ’र ऊँको ढोक दे सकुं । 9 फेर व ऊ राजा की बात
सुण’र चलग्या, अर झाँको,ज्ये तारो वानह उगणी दसा मं देख्यो छो, ऊ तारो वांकॅ आग्ह आग्ह
चाल्यो, अर ज्याँ बाळक छो। उ ठोर क ऊपर पूग’र रुख्यो। 10 जद व ऊ तारा न देख’र घणो
राजी होयो। 11 वान्ह ऊ घर मं पुग’र ऊ बाळक न ऊँकी माँई मरियम क गोड़यां देख्यो अर व्ह
ज्योतिष्या न आडा पड़’र उकॅ ढोक दिया। फेर व अपणा-अपणा थेला खोलर ,ऊ मं सुँ बाळक
काण सुनो अर लोबाण अर गन्धरक(कपूर) की भेंट चढ़ाई। 12 पण सपना मं ज्योतिष्या काण
या चुणोती मल्ग्यो क राजा हेरोदेस क गोड़यां पाछॅ मत जाज्यो अर व दूस्रा गेला सुँ अपणा देस
मं खढ़ग्या।

मिस्र देस जाबो

13 जद व चलग्या तो जाँखो, परभु को एक दूत न सपना मं यूसुफ काण दर्साव दे'र खी, उठ;
उ बाळक अर उकी माई न ले'र मिस्र देस मं भाग जा; अर जद ताँई म्हूँ थसुँ कोई न्ह खूँ तब
ताँई ऊँठी रिज्यो; क कस्याँ हेरोदेस इ बाळक न मारबा काण हेरयो छ। 14 फेर यूसुफ उठ'र
उई रात मं ही बाळक अर उकी माई न ले'र मिस्र देस क आड़ी चाल पड़यो । 15 अर ज्याँ ताँई
राजा हेरोदेस कोन्ह मर्या वहाँ ताँई व मिस्र देस मं रिया; इ लेखँ उ बचन ज्ये परभु न भविष्यबाणी
करबाळा सुँ खी छी व्ह पूरी होई क म्हनॅ म्हारो छोरो मिस्र देस सुँ बलायो छ।

राजो हेरोदेस को खोटो काम

16 जद हेरोदेस न यह देखी, क ज्योतिष्या न ऊँकॅ लारां धोको कर्यो छ, तो ऊ रोस मं होग्यो; अर
मनख्यां न खन्नार क ज्योतिष्या सुँ छोखी तनॅ बुज्यो होयो बगत क अनुसार बैतलहम उर उकॅ
आस- पास की जग्ह(ठोर) प सारा छोरा ज्ये दो वर्ष का छ, वा वासुँ छोटा छा, मरवा गाल्या।
17 तब जे बचन भविष्यबाणी खबाळा यिर्मयाह क दुवारा ख ग्यो छो ऊ बचन पूरो होयो: 8 क
"रामाह मं बारा बिब्टा की ।आवाज सुणाई दी, आवाज रोबा की, घणी बाराबिब्टा की छी।
राहेल अपणा बाळक काण रो री छी कोन्ह छावॅ छी क कोई वानॅ छानी करॅ, क कस्यां उका
तो सारा छोरा-छोरी मर चुक्या छा ।"

मिस्र देस मं पाछॅ आबो

19 हेरोदेस राजा क मरबा क बाद मं,जाँखो, परभु को एक सरग दूत न मिस्र मं यूसुफ का सूपणा
मं परगट होर खी। 20 क उठ, बाळक अर उकी माई न लेर इस्राएल देस मं चल जा; क कस्यां
ज्ये बाळक न मारबो छाव छा,व मर ग्या ।

21 तो यूसुफ उठयो, अर बाळक अर उकी माई न लारां लेर इस्राएल देस मं आयो। 22 पण या
सुणर क अरखिलाउस अपणा पिता हेरोदेस की ठाम प यहूदिया मं राज कर्यो छो, ऊ ऊँठी जाबा
सुँ डरपग्यो फेर सूपणा मं परमेश्वर सुँ चुणोती पार व्ह गलील परदेस मं खड़ग्यो। 23 अर ऊँठी
नासरत नाऊँ का नगर मं रेबा लाग्या; ताकि ज्ये बचन भविष्यबाणी खबाळा क वाळ खयो ग्यो
छो, व्ह पूरा हो, क व्ह नासरीc(नासरी गाँव का रहबाळा) खलावगो।।

3

बत्तिसमा देबाळो यूहन्ना को प्रचार

1 वा दनां मं यूहन्ना बत्तिसमा देबाळो आर यहूदिया जिला क मरूथळ मं या प्रचार करबा लाग्या।
2 क अपणा मन न पाप का गेला सुँ बदल्यो क कस्यां स्वर्ग को राज गोड़ॅ आग्या छ 3 य्ह यूहन्ना
ऊई छ जींक बारां मं यसाया नाऊँ का परमेस्वर की भवीष्यबाणी खबाळा क वाळॅ खी गी छी
क मरूथळ मं एक हेलो पाड़्बाळा की या बात सुणाई दे री छ। क"परभु काण गडार त्यार करो,
अर ऊंकॅ लेखॅ गेला न छोखा करो" यशायाह 40:3 4 अर य्ह यूहन्ना ऊंटडा का बाळां सुँ बणायां
लत्ता फर्या छो।अर आपणी डूण्डी प चामडा को पट्टो बांध्या रह'व छो।अर ऊ टिड्डीयां अर

जंगळी म्हूआळ को रस ऊका भोजन छो 5 ऊ बगत यरोसलेम का अर सारा यहूदीया ईलाका
का अर एरदन नंदी का आस पास का सारा देस का लोग-दणी ऊंकॅ गोड्यां आर भेळा होया।
6 अर व्हानॅ खुद न अपणा अपणा पाप मानल्या।जिसुँ ऊ व्हांकॅ काण एरदन नंदी मं बत्तीस्मा
द्यो। 7 अर जद फरीसी नाऊँ की धार्मीक सभा का मनख अर सदुक्की नाऊँ का यहूदीयां क
एक झून्ड का मनख छा । व घणा सारां यूहन्ना क गोड़यां बत्तिस्मा लेबा काण आता देख्या तो
यूहन्ना न वासुँ खी,“हे जेरिला सांप का बच्चावो! थांसु कुणॅ ख’दी क आबाळा परमेस्वर का दण्ड
सुं बचबा क लेख भागां ? 8 ई लेखॅ खोटा कामां सुँ साच्चीयाँई मं मन बदलबा क लायक काम
करो (फल भी लाओd;) 9 अर थें आपणा आप मन मं य्हा मत सोचां, ‘क म्हां तो अब्राहाम की
ओलाद छां, (अर म्हां परमेश्वर का चुण्याग्या लोग छां)। क कस्यां परमेश्वर इ भाटा सुं अब्राहाम
काण ओलाद पैदा कर सकॅ छ 10 अर अबाणु कुराड़यो रूख्डो की जड़ प धर्यो छ,ई लेख ज्ये
ज्ये रूख्डो छोखा फल कोई न्ह लावॅ तो ऊ रूख्डो काटर आग मं फाक्यो जावगो। 11 म्हू तो,
मन फिराबा काण थांकॅ तांई पाणी सुं बत्तीस्मा द्युँ छूँ,पण व्ह म्हारॅ बाद मं एक मनख आबाळा
छ ज्ये म्हॅ सुं बडा महान अर घणो सकतीसाली छ।अर म्हूँ थाँ सुँ खर्यो छूँ,क एक हाळी ऊंका
धणी का मुडा का फीत्ता खोल सक्क छ पण म्हू ऊंका मुडा का फीत्ता बी खोल बा क लायक कोंई
न्ह,व्ह थांकतांई पबीत्र आतमा मं सुं अर आग सुं बत्तीस्मा देऊगो” । 12 ऊँका सूपड़ा(छाजळो)
ऊँका हाथ मं छ अर (वह मनखयां को न्याय करबा काण आ रियो छ), ठीक उई तरह सु जि
तरह सुं कास्तगार अपणा गहूँवां न सूपड़ा सुं फठकबा क द्वारा खाखला न न्हाळो करॅ छ । फेर
उ अपणी पटक बा की ठाम न छोखी तरह सु साफ करगो अर गेहूँ न कट्टा मं (अनाज को संभाल
कर इकट्ठा रखने की जगह) भरगो,अर खाखला न कदी भी न्ह बझबाळी आग मं बाळ देगो।

ईसु को बत्तिस्मा

13 उ बगत मं ईसु गलील ईलाका सूं एरदन नंदी क कराड़ प यूहन्ना क गोड़यां ऊ सुँ बत्तीस्मो
लेबा काण आया। 14 पण यूहन्ना या ख’र उनॅ रोकबा लाग्या, क म्हनॅ तो थारा हाथ सुँ बत्तिस्मा
लेबा की जुरत छ, फेर तू म्हारॅ गोड़यां बत्तिस्मा लेबा आया छ? 15 ईसु न उका काण यो ज्वाब
दियो, क अब तो अस्यां ही होबा दे, क कस्यां आपण इ रीति सुँ सब धामिर्कता न पूरो करबो
उचित छ, फेर यूहन्ना न उस्यां की होबा दीया। 16 अर जद ईसु बत्तिस्मा लेर हाथ्योहात पाणी मं
सूं बाहरॅ खड’र उपर आरिया छा।अर जाखो,उकाण एकदम स्वर्ग खुलग्यो अर उनॅ परमेस्वर का
आतमा कबूत्रा क रूप मं उतरतो अर अपणॅ उपर आतो दिख्यो। 17 अर जाँखो,ऊ बगत स्वर्ग
मं सूं आकासबाणी होई,”यो म्हारो लाड्लो बेटो छ, जीसुँ म्हूँ घणो राजी छूं”।

4

ईसु की परीक्षा

1 फेर ऊ बगत पवित्र आत्मा की अगुवाई सुं ईंसु (भर्यो होया) मरुथळ मं ले ग्या ताकी इब्लीस
(सेतान) ऊकॅ परक्ष्या ले सकॅ। 2 अर ऊंठी ईसु न चाळीस दनां अर चाळीस रात तांई भूखी बासी
रहबा क पाछॅ जद उनॅ भूख घणा सताबा लागी। 3 फेर परखबाळा नॅ पाप करवाबा काण ईसु क
गोड़यां आर व्हा सुं खी, अगर तू परमेश्वर का बेटा छ तो, (इ साबित कर!) क य्हे भाटो सुं ख,क

रोटीयां बण जावॅ।” 4 पण ईसु न ऊ सुँ खी, “कोई न्ह, क कस्यां (मुसा न परमेश्वर क) पवित्र शास्त्र मं अस्यां माण्डयो छ क मनख खाली रोटी सु ही जीवितो कोई न्ह रह’व छ।” पण हर एक बचन सुँ ज्ये परमेस्वर का मुण्डा सुँ खड़यो छ ऊसुँ जीवतो रहवगो।व्यवस्थाविवरण 8:3

5 फेर इब्लीस (सेतान) व्हांनॅ पवित्र नगर यरूशलेम मं ले ग्यो अर उ व्हानॅ मंदर की सारा सुं ऊंचि जग्ह प ले जा’र उबो करयो 6 अर ऊँ सुँ ख’बा लाग्यो , “अगर तू परमेश्वर को बेटो छ तो, य्हांई सुं तणॅ कूद जा। क कस्यां पवित्र शास्त्र मं मण्डि छ, क व्ह अपणा सरगदूतां काण हुकम देगो क व्ह थारि रक्षा करॅ। अर व थनॅ अपणा हाथां मं उठा लेंगा, ताकि थारा पांवा मं भाटो सुं ठोकर न्ह लागॅ,(थारॅ कोई चोट न्ह लागॅ)।” 7 ईसु न उकाण ज्वाब दियो, “पवित्र शास्त्र मं या भी मण्ढरी छ , क तू, प्रभु अपणा परमेश्वर की परीक्षा मत लिज्यो ” (यह देखने के लिये कि यदि मैं कोई मूर्खों जैसी हरकत करता हूँ, तो इसके बावजूद भी क्या सचमूच वह मेरी रक्षा करेगा?) 8 फेर सेतान ईसु न एक घणा ऊंचा डुंगर क उपर ले ग्यो अर जरा सीक देर मं व्हांकाण संसार को सारा राजपाट अर वाको जस (वैभव) दखाया 9 अर व्हासुं खी,, “म्हूँ य्ह सारो अधिकार अर इका जस (वैभव) थारॅ काण दियुँ ,अगर तू म्हारा आगॅ ढोकर म्हारी पुजा अरचना करॅ (दण्डवत् कर’र म्हारी उपासना करॅतो)।म्हूं, य्हे सारा न थारॅतांई दियुँ ” 10 फेर ईसु न ऊ सुँ खी, “हे सेतान दुर भाग जा!क कस्याँ पवित्र शास्त्र मं या मण्ढरी छ, “क तू प्रभु अपणा परमेश्वर क ही उपासना(प्रणाम) कर अर खाली उकी सेवा कर” 11 तब सेतान ईसु क गोड़याँ सुँ खड़ग्यो अर देखो,सरगदूत आ’र ऊँका सेवा करबा लाग्या।

गलिल मं ईसु की सेवकाई

12 जद ईसु न य्हा सुणी क बत्तीसमो देबाळा यूहन्ना न पकड्‘र काळ-कोटरी मं बुजया छ,तो ईसु गलील का इलाका मं चलग्या। 13 अर ईसु नासरत न छोड़’र कफरनहूम मं ज्ये झील क कराड़ जबूलून अर नपताली का देस मं छ जा’र रहबा लाग्या। 14 ताकी ज्ये यसाया नाऊँ का परमेस्वर की भवीष्यबाणी खबाळा न घणा साल क पहली खी छी,व्ह पूरा होवॅः। 15 “जबूलून अर नपताली क देस सागर का गेला सुँ , यर्दन नन्दी क फहलाड़ी मं, अन्यजातियों का देस गलील मं। 16 ज्ये मनख उन्धेरा मं जीवॅ छा वानॅ एक महान उजाळा देखी अर ज्ये मोत की छाया का देस मं रेवॅ छा वा प, उजाळौ दिखाई दियो)।” यशायाह 9:1-2 17 उ बगत सुँ ईसु प्रचार करबा लाग्यो अर य्हा ख’बा लाग्यो क थें पाप क गेला सुँ मन बदल्यो।क कस्याँ सरग (परमेस्वर) का राज गोड़ॅयाँ आग्या छ ।”

ईसु को पहलो चेलो

18 एक दन, जद ईसु गलील की झील क कराडॅ- कराड़ॅ जार्या छा, व्हांनॅ दो भाईयाँ मल्लब समोन ज्ये पतरस ख’वॅ छ अर ऊको भाई अन्द्रियास मछ्छीयां पकड्बा क तांई झील मं ज्याळ पटकतो देख्यो,क कस्यां व बोई(मछवारा) छा। 19 अर ईसु न वा सूं खी,”म्हारॅ पाछॅ

आजाओ अर म्हारा चेला बणजाओ।तो थां जस्यां अबाणु मछ्छीयां पकड्बाळा छ,अस्यां म्हूँ
थांनॅ परमेस्वर क तांई मनख्यां न लाबाळा बणाऊं।" 20 तो हात्युहाथ व अपणी ज्याळ न छोड्'र
ईसु क पाछॅ चालदर्या। 21 व्हांनॅ जातां-जातां थोड़ा सांक आगॅ,ईसु न ओर दो भाईयां मल्लब
जबदी का बेटा याकूब अर ऊंको भाई यूहन्ना न अपणा भाईजी क लारां नाव प अपणा ज्याळ
सुळ जारिया देख्या। ईसु न व दिखतांई खी,"चालो,महारा चेला होजाओ" 22 तो व हात्युहाथ
नाव अर अपना भाईजी न छोड़'र ईसु क पाछ होग्या।

घणी सारी भीड़ ईसु क पाछॅ होगी

23 अर ईसु न सारा गलील ईलाका मं घुमतो-फेरतो होयो यहूदीयां की भेळी होबाळी सभा क
घर मं उपदेस करता अर परमेस्वर का राज्य को परचार करता अर लोग-दणि काण हर तरॅ की
बिमारयां न छोखी करता अर कमजोरियों को दूर करता रयो। 24 सारा सीरिया देस मं उकी जस
फैल गी। इ लेखॅ लोग-दणी अस्याँ सभी मनख को ज्ये बीमारायां सुँ पड़या छा , या तरह तरह
की बीमारियां अर दुख मं सुँ पड़या छा, जिकॅ गन्दी सक्ती लाग री छी, ज्यां क मिर्गी आव छी
अर ज्ये लकवा का रोगी हो रयो छा, ईसु क गोड़याँ लाया अर वानॅ व्ह रोगी छोखा कर्या। 25
ई लेखॅ गलील जिला अर दस नगर(दिकापुलिस) अर यरूशलेम नगर अर यहूदिया जिला अर
यर्दन नन्दी पार का मनख्याँ की बड़ी बड़ी भीड़ उका पाछॅ हो ली।

5

ईसु का परबचन

1 ईसु न य्ह बड़ी भीड़ देख'र, व्ह एक डूंगर प चड़ग्यो अर जद ईसु बॅठ्ग्या तो ऊँका चेला ऊँकॅ
गोड़यां आया। 2 अर ईसु ऊँठी य्हा खर सखाबा लाग्यो :

साँची राजी-खुसी

3 "भला छ व ज्ये मन सुँ दीन छ,

स्वर्ग को राज वांकॅ लेखॅ छ ।

4 भला छ व ज्ये शोक करह छ ,

क कस्यां परमेश्वर वांकॅ सान्ती देवॅ छ

5 भला छ व ज्ये सीधा मन का (नम्र) छ

क कस्यां य्ह धरती का हकदार होवगो।

6 भला छ व ज्ये धरम का भुखा- तसाया छ !

क कस्यां परमेश्वर वांकॅ संतोष देगा

7 भला छ व ज्ये द्या करॅ छ

क कस्यां उ पर भी द्या करी जावगी ।

8 भला छ व ज्यांक मन साफ(काळो कोई न्ह) छ

क कस्यां व परमेस्वर न देखगा।

9 भला छ व ज्ये मेळजोळ करावॅ छ।

क कस्यां व परमेश्वर का बच्चा-बच्ची खुवावगा।

10 भला छ व ज्ये धर्म क कारण सताया जावॅ छ

क कस्यां सरग को राज वांको छ।

11 भला छ थां जद मनख थानॅ म्हारॅ कारण थांकी चुगली करॅ छ अर म्हारॅ कारण सताया जावॅ छ अर झूठ बोलर थांका बरोध मं सब तरह की बरी बातां ख छ,बस ई लेखॅ क थें म्हारा साथिड़ा छ 12 तब तू आनन्दित अर राजी खुसी मं रहज्यो क कस्यां सरग मं थांकॅ काण बड़ा फल(इनाम) मलगो ।य्ह अस्यां ही छ जस्यां थां सुँ फेली की भविष्यबाणी खबाळा लोगां न सताया छा।

लूण अर उजाळो

13 थां ई धरती मं सारा मनख्याँ क लेखॅ लूण हो, पण अगर लूण मं सूं लूण को स्वाद बगड़ जावॅ तो ऊंको कसी चिझ सु फेर स्वाद करया जावगो?" फेर ऊ लूण कांई भी काम मं न्ह आवॅ,केवल उनॅ लोग-दणी ब्हार फकायो जावॅ ज्ये मनख्यां क पगां तणॅ गुन्दयो जावॅ छ । 14 थें जगत काण उज्याळा हो;एक अस्यां नगर ज्ये डूंगर की चोटी प बसा मल्ये छ,ऊ छिपयो कोई न्ह रह सकॅ छ। 15 अर कोई भी मनख दीपक न जळा'र उनॅ खाट क तणॅ कोई न्ह धरॅ पण उनॅ आळया मं धर छ जी सु ऊ घर का सारा मनख्याँ काण उज्जाळो मल्लॅ छ। 16 थांका भला कामां दिया का उजाळा क जस्याँ दूसरा मनख्याँ क सामॅ चमकणा छायजे ज्यानॅ देखर व थांका पिता ज्ये सरग मं छ,ऊकी बड़ाई करॅ।

यहुदियां की धर्म-निम

17 थें या मत सोचो क म्हूँ मूसा का धर्म-निमा ज्ये परमेस्वर न घणा साल फेली दियो छो या भविष्यबाणी बोलबाळा न माण्डि पोथ्यां न नास करबाकाण आयो छूँ। म्हूँ वानॅ नास करबा काण कोई न्ह आया पण वांकी बातां न पुरी करबा काण आयो छूँ। 18 क कस्यां म्हूँ थासुँ साँची कर्यो छूँ क जद ताँई आकाश अर धरती टळ न्ह जावॅ, व्हाँ ताँई मूसा का निम का एक एक मात्रा अर एक एक अक्षर बना रहगा, व्हा तब ताँई बना रहगा जद ताँई व्ह पूरा न्ह हो लेता । 19 "ई लेखॅ ज्ये कोई ई आदेशों मं सुँ कोई छोटा सुँ छोटा न भी तोड़ॅ छ अर लोगों को भी उस्याँई ही करबा काण सखावॅ छ, व्ह स्वर्ग का राज्य मं सब सुँ छोटा खुवावगो। पण ज्ये कोई ऊ प चालॅ छ अर औरां काण भी उ प चालबा काण उपदेश देवॅ छ, व्ह स्वर्ग का राज्य

मं महान खुवावगो। 20 क कस्यां म्हूँ थासुँ खर्यो छूँ,क अगर थारा धामिर्कता यहूदियां की निम सखाबाळा अर फरिसी नाऊँ की धर्मी सभा की मनख्यां सुँ बढ़’र न्ह होवॅ,तो थें स्वर्ग का राज्य ज्यां परमेस्वर राज करॅ छ ,ऊ मं कदी भी कोन्ह उळॅ सकगा।।

रोस अर हत्या

21 थाँ सुण चुक्या छ क आपणा आगलॅ-बड़ा सुँ खी गी छी क ‘हत्या मत करो अर यदि कोई हत्या करॅ छ तो ऊ अदालत मं दण्ड का योग्य होगो। 22 पण म्हूँ थांसुँ य्हा खर्यो छूँ ,क ज्ये कोई आपणा भाई-बहन प रोस करगो, ऊ अदालत मं दण्ड का योग्य होवगो अर ज्ये कोई अपणा भाई-बहन न निकम्यो ख’गो व्ह महासभा मं दण्ड का योग्य होऊगा अर ज्ये कोई अपणा भाई-बहन सुँ ख “अरे मूर्ख” व्ह नरक की आग क दण्ड का योग्य होऊगा। 23 ई लेखॅ अगर तू यज्ञ कुण्ढ मं भेट चढ़ा रियो छ, अर ऊँठी थाँनॅ याद आई,क थारा भाई-बहन क मन मं थारा बारां मं कोई बरोध छ। 24 तो थारी भेट न ऊँठी यज्ञ कुण्ढ प छोड़ दॅ अर फेली अपणा भाई-बहन सुँ मेळ-मिलाप करलॅ।तब आ’र आपणी भेंट न चढ़ा। 25 जद ताँई तू अपणा बेरी क लारां गेला मं ई छ ऊ सुँ बेगा साक मेल मिलाप करलॅ क अस्यां न्ह होजावॅ क वो बेरी थनॅ न्याय करबाळा का हाथा मं सुप दे अर न्याय करबाळो थनॅ सपायां का हाथा मं सुंप दे अर सपायां थनॅ काळ-कोठड़ी मं पटक्यो जावॅ। 26 म्हूँ थासुँ साँची खूँ छूँ क ज्याँ ताँई तू कौड़ी कौड़ी भर न्ह दॅ तब ताँई ऊँठी सुँ छूट न्ह सकॅगो।

खराब बच्यार

27 थाँ सुण चुक्या छ क आपणा आगलॅ-बड़ा सुँ खी गी छो क व्यभिचार मत करज्ये 28 पण ज्ये कोई कसी भी बाईर न बुरी नजर सुँ देखॅ छ। तो ऊ अपणा मन मं ऊ सुँ व्यभिचार कर चुक्यो। 29 ई लेखॅ अगर थारी जिवणी आँख थनॅ खोटा-गुनाह करवाव तो उन खाड़ द। क कस्यां थारॅ लेखॅ य्हा छोखा छ क थारी डील क अंग मं सुँ एक नष्ट हो जावॅ अर थारी सारी डील नरक मं न्ह पटक दिया जावॅ। 30 अगर थारो जिवाँ हाथ थनॅ खोटा-गुनाह करवाव तो उनॅ काट’र फक्का द। क कस्यां थारॅ लेखॅ य्हा छोखा छ क थारी डील मं सुँ एक अंग नष्ट हो जावॅ अर थारी सारी डील नरक मं न्ह पटक दिया जावॅ।

तलाक

31 य्हा भी खी गी छी, ‘ज्ये कोई अपणी लुगाई न छोड़बा छावॅ तो ऊँक काण कागद मं माण्डया रूप मं तलाक को कागद देर छोड़ सकॅ । 32 पण म्हूँ थांसुँ या खुऊँ छूँ क ज्ये कोई अपणी लुगाई न छोड़बा छावॅ छ।अगर व्यभिचार क अलावा दूस्रा कारण सुँ छोड़ दे, तो वो उंसु व्यभिचार करवावॅ छ अर ज्ये उ छोड़ी होयी लुहाई सु बियाऊ करॅ वो भी व्यभिचार करॅ छ। 33 “फेर थे यां भी सुण मल्या छो क पेल्या का जमाना मं मनख्या सु खिया छा क तू सोगन मत तोड़ पण परभु सुँ कर्यो होयो बचन(कोल) न पूरा करज्यो। 34 पण म्हूँ थासुँ कर्यो छूँ क कदी भी सोगन मत खाज्यो।सरग की सोगन मत खाज्यो क कस्यां व्ह परमेस्वर को सिंगासन छ। 35 धरती की सोगन मत खाज्यो क कस्यां परमेस्वर का पांव धरबा की जग्ह छ। यरूशलेम सहर की सोगन मत खाज्यो व्ह महाराजा को नगर छ। 36 अपणा माथा की भी सोगन मत खाज्यो

क कस्यां तू थारां एक बाळ न भी धोळो अर कालो न्ह कर सकॅ छ। 37 अगर तू थारी बात हाँ
छावॅ छ तो केवल ‘हाँ’ ख अर ‘न्ह छावॅ छ तो केवल ‘न्ह’ क कस्यां ई सुँ ज्ये कोई जादा होवॅ
छ व्ह बुराई सुँ होवॅ छ।

बदलो मत लिज्ये

38 थां सुणरिया छ ;ख गी छी ‘आँख क साटॅ आँख अर दाँत क साटॅ दाँत।’ 39 पण म्हूँ थाँसुँ
य्हा खयो छूँ क कस्यो भी बराई मनख को भी विरोध मत कर।अगर कोई मनख थाका जिवां
गाळ प थप्पड़ मारॅ तो, थें दुसरा गाल न भी उकाड़ी फेर द्यो। 40 कोई थाकॅ उपर दोष लगार
थांकी कमीज न लेबो छावॅ तो तु उनॅ थारो कोट भी लेल्याबा दॅ। 41 अगर ज्ये कोई सपाही
ऊका थेला न एक कोस ताँई ले जाबा काण थसुँ जोरी(जबरजस्त) करॅ,तो तू ऊंकॅ थेला न दो
कोस लेर चल जा। 42 ज्ये कोई थाक गोड़यां छ, अगर उनॅ कोई भी था सु मांगॅ तो उ चिज न
उक तांई दे दॅ। अर ज्ये थांसु उधार लेबा छावॅ,ऊ सुँ मत नटो।

सन्दाई सुँ प्रेम राखो

43 थां सुण मली छ, क खी गी छी क अपणा पड़ोसी सुँ प्रेम राखो अर थारां बेरी सुँ बैर रखाण।
44 पण म्हूँ थाँ सुँ ख रियो छूँ ,क अपणा बेरी सु भी प्रेम राखो। अर ज्ये थां काण दुःख देवॅ छ
, उका लेख भी पराथना करो। 45 जिसुँ थां थांका सरग मं रहबाळा पिता की ओलाद बण
सकॅ।क कस्यां ऊ भला मनख्यां अर बरां मनख्यां , सारा प सूरज का उजाळा चमकॅ छ। धर्मियां
अर पापियां , सारा प बरखां बरसावॅ छ। 46 या म्हूँ इ लेखॅ खु छूँ क अगर तू वासुँ प्रेम करगा
ज्ये थांसुँ प्रेम करॅ छ तो थांकॅताँई कांई फल मलगा। कांई अस्यां तो कर वसूल करबाळा भी
कोई न्ह कर छ क? 47 अगर तू अपणा भाई -बहन का ही नौवरा करगा तो तू औरों सुँ कस्यो
बड़ो काम कर्या छ ? कांई अस्यां तो परमेस्वर प बसवास न्ह करबाळा मनख भी कोई न्ह कर्यो
छ क? 48 ई लेखॅ थें खरा मनख बणो जस्यां थांकॅ सरग-पिता खरा छ।

6

दान देबो

1 “समळर रिज्यो! परमेश्वर छावॅ छ, थें मनख्यां क सामॅ दिखाबा काण अपणा धर्म को काम
मत करो न्ह तो थें अपणा परम-पिता सुँ, ज्ये स्वर्ग मं छ, उका प्रतिफळ कोई न्ह पावगा। 2 “इ
लेखॅ जद थां कोई भी दीन-दुःखी काण दान देव तो उका ढिण्डोरो मत पिटो, जस्यां क यहूदीयां
क भेळा होबाळी सभा क घर मं अर गलियां मं कपटी लोग औरां सुँ आदर पाबा काण करॅ छ।
म्हूँ थांसु साची खुँ छूँ क वांकॅ तो य्हांको पूरो फल फहली ही मल चुक्या छ 3 पण जद थें दीन
दुःखी काण दान देवॅ तो थारा काण्डयो हाथ न तोल न्ह पड़ॅ क थारा जींवां हाथ कांई कर्या छ।
4 ताकी थारो दान छानॅ रह अर जद थारो सरग पिता ज्ये थनॅ छानॅ सेक देखॅ छ,व्ह थारॅ काण
फल देवगो।

प्रार्थना करबो

5 “जद थें प्रार्थना करो तो कपटियां क नाईं मत करो। क कस्यां व यहूदीयां क भेळा होबाळी
सभा क घर मं अर गळयाँ का कुण्यां मं उबो होर प्रार्थना करबा व्हानॅ छोखी लागॅ छ ताकि
लोग-दणी वानॅ देख सक्कॅ। म्हूँ थासुँ साची खु छूँ क वांकॅ तो उका फल(इनाम) फहली ही मल
चुक्या छ । 6 पण जद तु प्रार्थना कर तो अपणा कोटड़ी मं जा’र कुवाण्ड जुड़’र अपणा सरग्य
पिता सुँ छानॅ सेक प्रार्थना करो,ऊ बगत सरग मं रहबाळा थारा परम-पिता ज्ये थनॅ छानॅ सेक
देखॅ छ,व्ह थारॅ काण प्रतिफळ(इनाम) देवगो। 7 प्राथना करबा की बगत ओरां ज्ये परबेस्वर
न जाणु कोई न्ह,वांक नाईं बसावडा मत कर क कस्यां व समझॅ छ क जादा बोलबा सुँ वांकी
सुणी जावगी। 8 ई सुँ थां वाँकी नाईं मत बणो क कस्यां थांको परम-पिता तू माँगबा क फहली
सुँ जाणॅ छ क थारॅ काण काई काई छावॅ छ। 9 सो तू ई प्रकार प्रार्थना करो:

हे सरग मं रहबाळा म्हांका पिता,

थांक नाऊँ पबित्र मान्य जावॅ

10 जगत मं थांको राज्य आवॅ

थांकी अच्या जस्यां सरग मं पूरी होवॅ छ अस्यां ई धरती प भी होवॅ।

11 म्हांका दन भर की रोटी नथकई म्हां काण दॅ

12 अर म्हांका पापां न माफ कर,जि प्रकार सु म्हां उनॅ माफ करॅ छ ज्ये म्हांका बरोध्द मं पाप करॅ छ।

13 म्हांन पाप करबा का लालच मं मत पढ़बा दॅ

पण बराई सुँ बचा।

क कस्यां राज्य अर बड़ा महान काम अर महिमा सदा थारी ही होती रह’वॅ।” आमीन।

14 ई लेखॅ अगर थें मनख्यां का अपराधां न माफ करॅ तो थांका अपराधां न थाका सरग मं रहबाळा पिता थानॅ माफ करगो। 15 अगर थें मनख्यां का अपराधां न माफ कोई न्ह करॅ तो थांका अपराधां न थाका सरग मं रहबाळा पिता भी थाँका पाप न माफ कोई न्ह करगो।

बरत की बात

16 जद थां बरत करॅ तो कपटियां(ढोंगियाँ) क नाईं थांक मुण्डा लटकार बरत मत करज्ये,क
कस्यां व अपणा मुण्डा बणायो रखाण छ ताकि लोग-दणी वानॅ जाणॅ क ऊ बरत रह रिया छा।म्हूँ
थांसुँ साची खुँ छूँ वांक तो फेली ही वांको प्रतिफळ पा ग्या। 17 पण जद थें बरत करॅ तो आपणा
माथा प तेल लगार अपणा मुण्डा धो दॅ 18 ताकि लोग-दणी य्हा जाणॅ कोई न्ह क तू बरत रह
रिया छा ।पण सरग मं रहबाळा थांरो परम-पिता ज्ये थनॅ गुपत मं देख रियो छ ऊ थारा बरत
जाणॅगो ई सु थांरा पिता ज्ये गुपत मं देख रियो छ,व्ह थारॅ काण फल देवगो।

सरग मं धन की बात

19 थां आपण काण धरती प धन भेळो मत करो ;ज्यां कीडा अर जंग बगाड़ॅ छ। चोर ध्यान
लगार चोरी कर लेवॅ छ। 20 पण अपण लेखॅ सरग मं धन इकट्ठा करो! ज्यां कीडा अर जंग
बगाड़ॅ कोन्ह छ।चोर भी ऊँठी ध्यान लगार उनॅ चोरी को न्ह कर लेवॅ छ। 21 क कस्यां याद
राखो जठी थांको धन छ,ऊठी थांको मन भी लाग्यो रह'गो। 22 ई डील को दीया आँख्याँ
छ।ई लेखॅ अगर थाकी आँख छोखी छ, तो सारो डील उजियाळा मं रेवगा, 23 पण,अगर थांरी
आंख्याँ बरी हो जाव तो थारो सारो डिल उन्धेरा मं हो जावॅगो।इ कारण व्ह उज्जियाला ज्ये
थारी भीतर छ अगर अंधकारमय हो जाव तो ऊ उंधेरा कतनोक भयंकर होवगो। 24 कोई भी
मनख एक बगत मं दो मालिकां की सेवा कोई न्ह कर सकॅ छ । अगर अस्यां करॅ, तो उ एक
सुं नफ़रत करगो, अर दूसरा सुं प्रेम करगो, या कोई एक का लारां ईमानदार रहवगो, अर दूसरा
का लारां बेईमानी करगो। उस्यांई थें परमेश्वर अर धन की एक लारां सेवा कोई न्ह कर सकॅ।"

चंता मत करो

25 ई लेखॅ म्हूँ थां सुं खरियो छूँ,नथ्कई अपणा प्राण क लेख चन्ता मत करो,क म्हां कांई
खाऊँ?अर कांई पीऊँ?;अर अपणा शरीर की चन्ता मत करो क म्हां कांई पहरगां? काँई भोजन
सुं प्राण अर लत्ता सुं डील मुल्य कोन्ह छ क?। 26 य्हे आकाश क पक्षियों को देखो। य्हांनॅ न्ह
बाभा की जुरत छ,अर न्ह काटबा की, अर व भंडारां मं अर कोठा मं अनाज भरबा की जुरत
कोई न्ह छ। फेर भी व्हानॅ थाका सरग्य पिता खुवावॅ छ। पण थां तो परमेश्वर काण य्ह पक्षि-
पखेरयां सुं घणा मुल्य कोई न्ह छ क? 27 थां मं सुं अस्यां कुण छ, ज्ये चन्ता करबा सुं अपणी
आयु(जीन्दगी) मं एक घड़ी भी बड़ा सकॅ छ क?। 28 अर लत्ता काण खामी चन्ता कर्यो छ ?थां
जंगली सोसना का फुल का पौधा का आड़ी ध्यान दियो,क व्ह कस्यां बड़ा होवॅ छ,व्ह तो कोई
म्हनत न्ह करँ,अर न्ह अपण काण लत्ता बणवाव छ। 29 तोभी म्हूँ थासुँ खुं छूँ क राजा सुलैमान
न अपणा सारा राज मं,उ फुलां क नांई का सुन्दर लत्ता कोन्ह पहरिया होया छो 30 ई लेख
परमेश्वर अतनी अद्‌भुत रीति सुं इ चोगान की घास की, ज्ये आज छ अर काल आग मं बाळ
दि जावगी,अस्याँ लत्ता पहनावॅ छ, अरे औ कम बस्वास करबाळा,कांई व्ह थांकॅ तांई कस्यां
ऊ सुँ जादा न्ह पहनावगा? 31 ई लेखॅ थां ई बातां की चन्ता कर'र या न्ह बोलो क म्हाँ कांई
खाऊगा अर कांई पीऊगा अर कांई पहरंगा? 32 क कस्यां संसार का लोग-दणी ज्ये परमेस्वर
प बस्वास कोई न्ह करॅ छ,व ई सारा चीजां का पाछॅ दौड़ रिया छ पण थांको सरग मं रहबाळा
पिता तो जाणॅ ही छ क थांक काण य्हे सारा चिजां की जुरत छ । 33 पण थां तो सब सूँ फहली
परमेस्वर की राज्य अर ऊँकी धर्म की बाताँ मँ मन राखो,तो परमेस्वर थांकी सारी जुरतां न पुरी
करगा। 34 सो काल क लेख चन्ता मत करो, क कस्यां काल को दन अपनी चन्ता अपणा आप
कर लेगो; आज काण आज को दुख घणो छ ।

7

दोस मत लगावो

1 ओरां प दोष मत लगावो , तो परमेस्वर थांपॅ भी दोष न्ह लगावगा । 2 क कस्यां जि तरॅ सुँ

थां ओरां प दोस लगाव छ,ऊ तरॅ सुँ परमेस्वर थाँ प भी दोस लगावगो। अर जि नाप सु थां
नापॅ छ, (परमेश्वर) उ नाप सु थाक तांई नापयो जावगो।” 3 तू अपणा भाई बन्दा की आंख्यां मं
पड़या तिनका की चिंता खाइमी कर छ , जद थारी खुद की आंख्यां मं लट्ठा (लाख्डी)पड़यो छ
थनॅ न्ह सुजरियो क? 4 जद थां अपणी खुद की आंख्यां मं पड़या लट्ठा घुस मल्यो छ,तो थारा
भाई सुँ कस्यां ख सकॅ छ, क ‘हे भाई, डट जा, म्हूं थारी आंख्यां मं सु तिनका न खाढ़ दुयु ? 5
हे कपटी, फेली अपणी आंख्यां मं सु लट्ठा न खाढ़ लॅ, फेर तू छोखी तरॅ सु देख पावगो। अर तू
अपणा भाई क आंख्यां मं पड़या तिनका खाड़ सकॅ छ। 6 पबित्र चीजां न गण्डगडो काण मत
दियो अर सुडां क आगॅ अपणा मोती मत बखेरो।अस्यां न्ह होज्या क व्ह मोती न पगां क तणॅ
गुन्द गालॅ।अर गण्डगडा पलट’र थानॅ भी फाड़ गालॅ।

परमेस्वर सुँ माँगो

7 परमेस्वर सु मांगतारयो,तो, थांक तांई दिया जावगा,।हेरतां रह,तो थांनॅ पावगा।खटखटाओ,तो
थांक लेखॅ कुवाण्ड एड़या जावगा। 8 क कस्यां ज्ये कोई परमेस्वर सु माँगतोई रवॅ छ ऊँक
काण मल जावॅ छ; अर ज्ये कोई हे’र छ,व्ह पावॅ छ;अर ज्ये कोई खटखटावॅ ही रेवॅ छ,उक
लेख कुवाण्ड हेड़ दिया जावॅ छ ।9 था मं सु अस्यां कुण पिता होवगो, अगर थांकॅ बच्चा-बच्ची
थां सु रोटी मांगॅ तो रोटी क साटॅ भाटो देगा 10 या फेर जद वो थासुँ मच्छी मांगॅ तो मच्छी क
साटॅ ऊँकाण सांप देगा? कतेई अस्यां न्ह देगा। 11 सो जद थां बरा होर भी अपणा बेटा-बेटी
काण बडिया चिज देबो जाणॅ छ, तो ऊ सरग मं रहबाळा थांको परम- पिता अपणा मांगबाळा
क तांई बड़िया चिज कस्यां न्ह देगो। 12 ई लेखॅ जस्यां क थां छावॅ छ,क मनख थांकॅ लारां
करॅ थां भी वांका काण अस्यां ई करो,क कस्यां सास्त्र का निम अर भविष्यबाणी खबाळा की
शिझा य्हा ई छ।

सरग अर नरक का गेला

13 सकड़ो कुवाण्ड(बाण्णा) सुँ उळ जावो, क कस्यां चौंडा छ व्ह कुवाण्ड अर बड़ा छ व्ह
गेला ज्ये नास होबा क आड़ी लेजावॅ छ। घणा लोग-दणी ज्ये ऊ मं उळॅ छ। 14 पण कतनो
सकड़ो छ व्ह कुवाण्ड अर सकड़ो छ व्ह गेला ज्ये जीवन क आड़ी लेजावॅ छ। अर थोड़ासाक
लोग-दणी ज्ये ऊ मं उळॅ छ।

जस्यो रूकडो अस्यो फल

15 झुठा भविष्यबाणी खबाळा सुँ समळर रिज्ये!ज्ये गाड़रा का भेस मं थांक गोड़यां आवॅ छ
पण असलित मं व्ह फाड़’र खाबाळा लाळीयाँ छ। 16 थें वांका कर्म सुँ वानॅ पहचाण लेवगा।
अर कांटादार झाडियां मं अंगूर उगॅ छ क? या,गोखरु मं अंजीर तोड़ॅ छ क? 17 ई लेखॅ छोखा
रूख्डो छोखा फळ देवगो अर बरो रूख्डो बरा फळ देवगो। 18 छोखो फळ देबाळो रुख्डो
बरा फळ न्ह दे सकॅ छ, अस्यां बरो फळ देबाळो रुखड़ो छोखा फळ न्ह दे सकॅ छ। 19 ज्ये ज्ये
रूकडो छोखो फळ न्ह लाव छ,ऊनॅ काट’र आग मं पटक्यो जावॅ छ। 20 अर थां वांका फळां
सुँ वानॅ पहचाण लेवगा। 21 ज्ये म्ह सुँ,हे प्रभु,हे प्रभु ख छ,हर एक मनख स्वर्ग का राज्य मं कोई
न्ह जा सकॅगा पण ज्ये स्वर्ग मं रहबाळा म्हारा परम पिता की अच्यां प चालॅ छ, व्ह ऊ मं उळ

सकॅगा। 22 ऊ न्याय का दन मं घणा लोग-दणी म्हं सुँ ख’गा, प्रभु! हे प्रभु! कांई म्हांनॅ थांका
नाऊँ सुँ भविष्यबाणी न्ह खी क ?कांई म्हांनॅ थांका नाऊँ सुँ भुतां न न्ह खाढ़ दिया क अर कांई
म्हांनॅ थांका नाऊँ सुँ घणा अचम्भव काम कोई न्ह कर्या छ क ? 23 तब म्हूँ वासुँ साफ-साफ
खदिऊँ,क म्हूँ थनॅ कदी कोई न्ह जाणु छूँ ,हे बरा काम करबाळाओ,थें सारांई म्हं सुं दूर हो जा।

बुद्धिमान अर मूर्ख

24 ज्ये कोई म्हार गोड़यां आव छ अर म्हारी बातां न सुण’र व्हानॅ मानॅ छ , तो म्हूँ थाकाण
बतारियो छूं क व्ह किकॅ नांई छ । व्ह उ मनख क नांई छ , क जिनॅ अपणो घर चुणबा की
बगत मं धरति मं गहरी ऊण्डी खोद’र तणॅ मजबूत भाटा (बछी चट्टान) प नीम भर’र बणायो छ।
25 जद बरखा आई,अर बाढ़ आई,आंधी चालबा लागी, तो उ घर सु टकराबा लागी, पण उ
घर न हला न्ह सक्या; क कस्यां ऊंकी नीम भटा प बण्यो छो । 26 पण ज्ये कोई म्हारी बातां न
सुण’र व्हानॅ न्ह मानॅ छ, व्ह उ मुर्ख मनख क नांई छ जिनॅ अपणो घर चुणबा की बगत मं गार
प बना नीम भरयां घर चुण्यो। 27 जद बरखा होई,बाढ़ आई तो आँधी चालबा लागी,तो उ घर
सु टकराबा लागी,तो उ घर हाथ्योहात गर पड़यो(ढस्यो) अर उको सत्यानास होग्यो!” 28 जद
ईसु या बातां ख चुक्या, तो अस्यां होया क भीड़ उकॅ उपदेश न सुण’र अचम्भव करबा लागी।
29 क कस्यां व्ह बातां न यहुदियां की निम सखाबाळा क नाईं न्ह सखाया पण एक अधिकारी
क नाईं जिंक गोड़यां घणा अधिकार छ,ऊंक नाईं उपदेश दे रियो छो ।

8

ईसु न एक कोढ़ियां मनख छोखो कर्बो

1 जद ईसु ऊ डूंगर प सुं तणॅ उतरयो तो एक घणी बडी भीड़ ऊँकॅ पाछॅ चालबा लागी 2 अर
जाखो,ईसु क गोड़यां एक मनख आयो, जिंकॅ कोढ़ होरी छी जद ऊ ईसु न देख’र आगॅ हाथ
जोड़’र घोढा टेकर ढोक देर अरज करबा लाग्यो अर खी,”हे परभू, अगर थां छावॅ तो म्हनॅ कोढ़
की बिमारी सुँ छोखा कर सकॅ छ”। 3 तो ईसु न उ कोढियां मनख क आड़ि हाथ बढ़ा’र ऊँ प
अड़सर खी’ म्हूं छावॅ छूं, क तू कोढ़ की बेमारी सुं छोखो होजावॅ।अर हात्योहाथ ऊंकी कोढ़
की बेमारी मटगी,अर ऊं बढिया छोखो मजाको होग्यो। 4 फेर ईसु न उसुं जता’र खी,”झांक!
तू ईं बात क बारॅ मं कोई सुं कांई मत खीज्ये पण याजक क गोड़यां जा’र खुद न दिखाज्ये,अर
जस्यां जी बगत फेली परमेस्वर की भविस्यबाणी खबाळा मूसा सु काईदा मल्या छा अस्यां तू
याजक क वाळ परमेस्वर क तांई बली चढ़ादीज्ये, ईं सु सारा मनख जाणॅ बा लागॅ जाव, क तु
छोखो होग्यो।

बस्वास की थाकत

5 जद ईसु कफ़रनहूम गाँव मं आया।तो ऊँठी एक रोमी सरकार को एक सेनानायक छो,ऊ ईसु
क गोड़यां आ’र ऊसुं अरज करबा लाग्यो। 6 क हे परभु, म्हारा एक नोकर क लक्क्वो मार ग्यो
अर ऊ घरां पड़यो छ। अर घणी पीड़ा मं तडप रियो छ ।” 7 ईसु न ऊ सेनानायक सु खी,म्हूँ
आ’र उनॅ छोखा करूँ। 8 सेनानायक न ऊ काण ज्वाब दियो ‘हे प्रभु, म्हारॅ घरां तांई आबा का

फोड़ा मत पावॅ, क कस्यां म्हुं ई कॅ (सम्मान) लायक कोई न्हॅं, पण खाली एक शब्द ई ख'द
, तो म्हारो नोकर(हाळी) छोखो हो जावगो 9 क कस्यां म्हूं भी खुद कोई अधिकारी क नीचॅ
काम करबाळा मनख छूँ अर म्हारॅ नीचॅ भी कोई सपाहियां छ (अर महारा सपाहियां प म्हारो
भी अधिकार छ।) अगर म्हूँ खाली उनॅ जाबा काण खुँ, तो व जाव छ;अर आबा काण खुँ,
तो व आ'वॅ छ। अगर म्हूँ अपणा नोखरा(हाळी) सुं खु छूँ , 'य्हो कर', तो'व्ह उई करॅ छ ।"
10 जद ईसु न य्हे बातां सुणी तो व्ह घणो अच्चुमभव होया। ज्ये लोग-दणी उकॅ पाछॅ आरिया
छा, व्हांक आड़ी मुड़'र ईसु न खी , "म्हूँ थां सुं साँची खु छूं क सारा इस्राएल मं भी अस्यां
को बस्वास कोई मं भी न्ह देख्या!" 11 म्हूँ थाँ सुँ खरियो छूँ क उगणी दसा अर आथणी दसा
सुँ घणा लोग-दणी आ'र व भोज मं इब्राहीम, इसाक अर याकूब क लारां स्वर्ग क राज्य मं
जिम्बा बठगा (आपण-अपण स्थान ग्रहण करगा)। 12 पण ज्ये परमेस्वर प बस्वास न्ह करगा
व्ह अन्धेरा मं फका दिया जावगा ,ऊँठी रोबो अर दांत चाबो होवगी क कस्यां ऊ पीडा़ क
स्थान छ (नरक)। 13 अर ईसु न ऊ सेननायक सुँ खी,जस्यां थारो बस्वास छ अस्यां थारॅ लेखॅ
होवॅ,अर ऊ सेनानायक को नोकर ऊ घड़ी छोखो होग्यो।

ईसु न घणा बिमारी मनख छोखो करबो

14 अर जद ईसु पतरस क घराँ आग्या। अर व्हाँई पतरस की सासु तेज बुखार सुं बीमार होर
खाट प पडि देखी। 15 तो ईसु न ऊ प अपणा हाथ सुँ अडस्ल्यो अर हाथ्योहात उकी बुखार
उतर गी। व्ह उठ'र उबी होगी, अर ईसु अर उका साथिड़ा काण रोटियां त्यार करबा लागी ।
16 तो उ दन बुड़यां क पाछॅ ,ऊ जग्ह का लोग, ज्यांकॅ भूत लागरिया छा, व वानॅ ऊंकॅ गोड़यां
ल्याया। अर खाली आपणा बचन सुँ ईसु उ भूतां न खाढ़द्या।अर ज्ये भी बेमारीयां सुं दुख मं
छा , व्हां ईसु न छोखा कर दिया। 17 य्ह इ लेखॅ होया ताकि परमेश्वर न भविष्यबाणी खबाळा
यसाया क वाळ माण्डी होई बातां पूरी होवॅ: क "उन्ह खुद म्हांकी कमजोरयाँ न ले ल्या अर
म्हांकी बेमारीयां न अपण ऊपर उठा ल्या " यशायाह 53:4

चेला बणाबा की मनसा

18 जद ईसु न अपणा च्यारूमेर घणी सारी भीड़ देखी तो उनॅ अपणा साथिड़ा काण आज्ञा
दी क व झील क फहलाड़ी चल जाज्ये। 19 उ बगत यहुदियां क निम सखाबाळा एक मनख
ऊकॅ गोड़यां आ'र खी,हे गरुजी ज्यांह-ज्यांह तू जावगो म्हूँ थांकॅ पाछॅ-पाछॅ आऊं।" 20 ईसु
न व्हा सुं खी,सुवाळयां क रह'बा काण पोलां छ अर बादळा मं उढबाळापक्षियां -पखेरु क
भी घुसाळां छ पण म्हूँ,मनख को बेटा काण सिर धर'र सोबा काण जग्ह कोई न्ह छ। 21 अर
ऊँकॅ एक चेला न खी,हे परभु,म्हनॅ जाबा दॅ क अपणा पिताजी न गाड़ दियुं। 22 पण ईसु न उ
सुं खी,"तू म्हारो चेलो होजावो" अर आतमा मं पाप क कारण मरया होया मनख्याँ वाकॅ बिचा
मं मरया होया ओरा न गाड़बा द (पण तू जा'र परमेस्वर का राज्य की बात बतावो)

ईसु न आँधी थाँम दी

23 उ दन मं एक दन जद ईसु एक नाव प जार बठ्यो, ऊँकॅ साथिड़ा भी ऊँकॅ लारां छां।
24 अर देखो,व झील मं चाल दर्या छा उ बगत मं एक भारी आंधी आई जोर सूं रूछाड़बा

लागी।अर झील मं पाणी हलोळा लेबा लाग्यो अर नाव क पछाड़ा मारबा लाग्यो अर नाव मं
पाणी भरबा लाग्यो पण ईसु सुतया छा । 25 तो ऊंका चेला न ऊकॅ गोड़याँ आर उनॅ जगाया अर
जोर सु हेलोपाड'र खी," हे परभु,म्हांनॅ बचावो, म्हां तो नास होबाळा छां 26 तो ईसु न ऊँ सुँ
खी,हे बस्वास मं कमजोर लोग,क थां कांई काण अतना डरप ग्या? क हाल तांई थांक बस्वास
कोई न्ह क म्हूँ थांनॅ सम्भाळँ छूँ? फेर ईसु न उठ'र आंधी अर पाणी न दकाल दी अर च्यारु मेर
सान्ति छागी । 27 अर व सारां अचमचबो कर'र एक दूसरा सु ख'बा लाग्या, अरे, "यो कुण छ?
जींकी बात न आंधी अर पाणी बी मान लेवॅ छ।"

ईसु न भूतां सुँ छुटकारा करबो

28 फेर ईसु अर ऊंका चेला झील क पार गिरासेनियों का देस मं पुग्या। ईसु जद नाव मं सूं उतर्या
तो हाथ्युहात ऊंठी दो मनख मसाणा मं सूं खड़'र, ईसु क गोड़यां आया जींका भूत लागरीया छा।
व अतना भयंकर छा क कोई मनख ऊ गेला सुँ न्ह खड़ सकॅ छो । 29 अर झाको, उ भुतां न
बार्हा पाड़'र खी,"हे परम पिता परमेस्वर को बेटो, थांको म्हां सु काँई काम छ? काँई तू य्हाँई
निश्चित समय सुँ फली ही म्हांका दंड देबा काण आया छ क?" 30 अर उ बगत मं ऊंठी थोड़ा
सोक दूर मं घणा सारा सूडा़ का झुण्ड चर रहया छो। 31 तो उ भूतां न ईसु सूं घणी अरज करबा
लाग्या," म्हांनॅ ई देस सूं बाहर मत खाढ़।", "म्हांनॅ थां उ सूडा क झुण्ड मं जाबा द्यो क म्हां
व्हांक भीतर उळज्यावां।" 32 तो ईसु न खी,जाओ,अर भूतां उ मनख मं सूं खड़'र ऊ सूडा़ का
झुण्ड मं जा'र भीतर उळग्या।व्ह सूडा कराड़ क उपर सुँ तणॅ गुळ-गण्डी खा'र झील मं जा पड़या
अर सारा सुड़ा पाणी मं डुब'र मरग्या। 33 व्ह झुण्ड का गुवाळयां ज्ये सूडा न चरारीया छा वानॅ
भाग'र नगर मं जा'र य सारी बातां अर जिका भूत लागरिया छा,ऊका ज्ये काँई होया छा, हाल
सुणाया। 34 अर देखो, सारा नगर क लोग-दणी ईसु सुं मलबा काण खड़र आया अर जद वान्ह
देख्यो तो साराँई ऊ सुँ अरज करबा लाग्या क "तू य्हां सूं कठी ओर चल जा।

9

ईसु न एक लकवो रोगी को छोखो करबो

1 फेर ईसु एक नाव प चढ़र झील क पार अपणा नगर मं आ ग्या। 2 अर 'झांको', तो उ बगत
मं कोई मनख एक लकको मारीयो बेमार मनख न खाट प उठार ईसु क गोड़यां लाया।ईसु
न वांका बस्वास को काम देख'र ईसु न लकवो मारीयो बेमार मनख सु खी,"हे बेटा,हिम्मत
राख,ज्ये पाप थनॅ कर्या छा । व्ह पाप माफ होग्या!" 3 तो ई बातां न सुण'र यहूदियां का निम
सखाबाळा कोई मनख अपणा -आप मन मं बच्यार करबा लाग्या,"यो मनख अस्यांकी बात
खामी ख छ,?यो तो परमेस्वर को सम्मान समझ'र ऊँका अपमान कर्यो छ।खाली परमेस्वर क
अलावा मनख्यां का पाप न कुण माफ कर सकॅ छ?" 4 ईसु न हाथ्योहात अपणा मन मं जाण'र
क वांक-वांक मन मं अस्यां काई बच्यार कर रिया छ।अर ईसु न वां सु खी,थें,थांका मन मं
खामी अस्यां का बरा बच्यार कर रीया छ। 5 कोनसी बात ख बो आसान छ?"ई लक्वो मारयो
बेमार मनख सुँ या खबो क थारा पाप माफ होग्या" य्ह खणी ,न्हातो "बेटा,उठ,थारी खाट ले'र
घरां चाल पड"? 6 पण जि सुँ थें जाणॅ जावॅ ,क मनख को बेटो ई धरती प सारा मनख्यां का पाप

न माफ करबा को अधीकार छ।फेर ईसु न उ लकवो मारया बेमार मनख सुं खी। “तु उठ! अर थारी खाट न उठा’र थारॅ घरां चल जा”। 7 अर ऊ झट सु उठ’र,अपणी खाट ले’र घरां चलग्यो 8 ।य्ह देख’र सारा लोग-दणी डरप ग्या ।व सारांई परमेस्वर की महमा कर’र खबा लाग्या,”ज्यां न मनख्यां काण अस्यो आधिकार दियो छ॥।

ईसु न लेवी चेलो बणाबा काण बलायो

9 फेर इकॅ बाद, जद ईसु नगर सुं ब्हार जा रिया छ, तो वहांन मत्ती नाऊँ का एक मनख न चुंगी लेबाळो चुंगी की चौकी प बठयो देख’र ईसु न उ सुं खी,म्हारो पाछॅ (चेलो) होजावो, ।” तो व्ह उठ’र ईसु क पाछॅ होग्यो। 10 अर मत्ती न अपणा घरां व्हांक लेख एक बड़ा भोज दिया, उ भोज मं ऊँठी चुंगी लेबाळा अर ज्यानॅ सारा मनख पापी समझॅ छा, व्हां बी ईसु अर चेला क लारां जिम्बा लाग्या छा । 11 पण फरीसी नाऊँ की धार्मीक सभा का मनख न या देख’र ईसु का चेला सुं बुझबा लाग्या,क थारा गरूजी चुंगी लेबाळा अर पापी मनखयां क भेळॅ खाइमी खावॅ पीवॅ छ?। 12 ईसु व्हांकी बातां सुण’र व्हां सु एक खावत सुँ ज्वाब दीयो,क छोखा-भला मनखयां काण बैध न्ह छाव पण बेमार मनखयां क तांई छाव छ। 13 ई लेख थें लोग जाओ अर समझ लॅ क सास्तर मं इ बचन को अर्थ काँई छ , ‘म्हूं बलिदान कोई न्ह छावॅ पण दया छाव छूँ।’ क कस्यां, म्हूँ,ज्ये लोग धर्मी मनख क नांई मन मं सोच (घमण्ड) रखबाळा न बलाबा कोई न्ह आया पण ज्ये लोग मन मं पाप समझ छ व्हांको मन बदलबा काण बलाबा आया छूँ ।

ब्रत(उवास) रह’बा को सवाल

14 फेर बत्तीसमा देबाळा यूहन्ना का चेला न ईसु क गोड़यां आ’र बुझ्या,क म्हाँ अर परीसीयां बार बार बरत रह’रीया छां पण थारा चेला कस्यां बरत न्ह रह’रिया?”। 15 तो ईसु न वा काण ढास्टान सुँ ज्वाब द्यो,काँई बराती, ज्यातांई लाड़ो व्हांका लारां छ व शोक कर सकॅ छ क?। पण व्ह दन आवगा, जद लाडो वा सुं न्हाळो हो जावगो ऊ बगत मं व बरत रह’र सोक करगा अर दिखगा क व दुःख मं छ। 16 म्हूँ थां सुं ओर एक ढास्टान खुँ,कोई बी कस्यां नया लत्ता सुँ पराणा लत्ता प बारो बन्द करबा क तांई न्ह सीऊँगा। अगर व अस्यां करॅ तो ये नया लत्ता धोबा क बाद मं समट जावगा अर पूरो लत्तो फाटजाऊगो अर पहलीयां का बारो सुँ ज्यादा बारो पड़जाऊगो। 17 अस्यां कोई बी नया अंगूर का रस न पराणा चामडा का बणियां दीऊडो मं कोई न्ह भर्यो जावॅ।अगर व अस्यां करॅ तो अंगूर को रस जद पराणा चामडा को बणियां दीऊडो फूलजाऊगो तब उ अंगुर को रस दीऊडा क पोल पाड़’’र तणॅ ढुळ जावॅगो, अर दीऊडो अर अंगुर को रस दोनी नष्ट हो जाऊगा। ई सुँ नया अंगुर को रस नया चामडा का दीऊडा मं भर्यो जाणी छावॅ छ।

ईसु न मरी छोरी जिन्दा करबो

18 ईसु न ऊ लोग दणीयां काण जद ये बातां बतारियो छो,तब यहुदियां की भेळी होबाळी सभा क घर को एक मुख्यो(खास) मनख ऊँकॅ गोड़याँ आयो, अर ऊं ईसु का पगा मं पड़’र अरज कर’र बोल्यो,” ,क म्हारी छोरी अबार मरी छी! पण अगर थां आ’र थांको हाथ म्हारी छोरी प धर द तो व्हा पाछॅ जीवती होजावगी। 19 तो ईसु उठ’र अपणा चेला क लारां ऊंक पाछॅ

हो लिया। 20 अर झांको,ऊँठी एक लुगाई छी जिंक बाराह साल सूं खुन बहबा की बीमारी
छी।व्हा ईसु क पाछॅ सूं आई अर ऊंका लत्ता क आंचल न अड़सगी 21 क कस्यां व्ह मन मं
खी छी,अगर म्हूँ खाली ऊँका लत्ता क अड़स जाऊँ तो म्हूँ छोखी हो जाऊँ। 2 अर ईसु न पाछ
मुड़'र व्हा देख्ती होर खी,हे बेटी" हिम्मत राख;क थारा बस्वास न तु छोखी करी छ,अर व्ह
लुगांई हाथ्योहात ऊ घड़ी मं छोखी होगी। 23 जद ईसु ऊ यहुदियां की भेळी होबाळी सभा क
घर को मुख्यो(खास) मनख याईर क घरां पुग्गया तो उनॅ बांसुरी बजाबाळा अर लोग-दणीयां
बसावड़ा करतो देखी। 24 तो ईसु न ऊँठी का मनख्यां सूं खी,अठी सुँ बाहर खढ़ जा। छोरी
तो मरी कोई न्ह पण सूती छ। पण जद व या बातां न सुण'र लोग ऊंकी मजा़क उडार हाँसबा
लाग्या। 25 पण जद भीड़ न घर क बारह खाड दिया ग्या तो ईसु न मॅलाड़ी जि मं छोरी की लास
पडी छी,ऊँठी जा'र छोरी को हाँथ पकडयो ,तो व्हा जी ऊठी ।" 26 अर ई बात ऊँठी सारा
इलाका मं फॅलग्यो।

ईसु न दो आंधा को छोखा करबो

27 जद ईसु ऊँठी सुँ जाबा लाग्या तो दो आंधा मनख ऊँकॅ पाछॅ य्हा पुकारते होयो आ रिया
छा,क हे राजा दाऊद की सन्तान म्हां प दया कर 28 जद ईसु घर क मॅलाड़ी पुग्गया तो व्ह दो
आंधा ईसु क गोड़यां आया अर ईसु न वांसुँ खी"कांई थांक बस्वास छ क,थांक तांई फेर म्हूँ
आंख्याँ दे सकुँ छूँ?वानॅ ज्वाब दिया;हां परभु!"

29 तब ईसु न व्हांकी आंख्यां प हाथ अड़सार खी,थांका बस्वास क अनुसार थांकतांई होव।
30 अर व्हांकी आंख्यां खुल गी अर ईसु न वांसुँ जतार खी;समळर रह' काँई ई बात क बारां
मं कोई न्ह जाणॅ। 31 पण वानॅ ऊँठी सुँ जा'र ई समसार को ऊ इलाका मं च्यारां और फॅलादि।

ईसु न काल्ला मनख को छोखो करबो

32 जद ईसु अर ऊँका साथीड़ा ऊँठी सुँ जा रिया छा, तो झांको,लोग दणी एक काल्ला(गुंगा)
मनख न जिंकॅ गन्दीसक्ती लागरी छी,उनॅ ईसु क गोड़यां लाया। 33 जद ईसु न गन्दीसक्ती खाड़
दीयो ग्यो तो व्ह काल्ला मनख,ज्ये फेली काँई भी न्ह बोल सक्क छो,अबाणु बोलबा लाग्यो।ई सुँ
सारी भीड़ क लोग-दणी न अचम्बो होर खी, "इस्राएल मं अस्यो काम फेली कदी भी न्ह देख्यो
।" 34 पण फरीसी न खी,"यो तो गन्दीसक्ती का सरदार की सहायता सुँ गन्दीसक्ती न खाड़ॅ छ।

महन्तीयां की जुरत

35 अर ईसु सारा नगरां अर गांवडा मं फरतो रियो अर यहुदियां की भेळी होबाळी सभा क घर
मं परमेस्वर को राज्य की छोखी खबर बताव छो अर हर तरॅ की बेमारीयां अर कमजोरीयां न
मनख्यां मं सुँ दूर कर छो। 36 जद ईसु न भीड़ देखी तो वानॅ लोग-दणीयां प दया आई,क कस्यां
व ऊ गाडरा क नाईं छा ज्यांको कोई चराबाळा गुवाळयां कोई न्ह छो,व्याकुल अर भटका हुया
छा। 37 तब ईसु न अपणा चेला सुँ खी," फसल तो घणी पाक्की छ पण काट बाळा कम छ। 38
इ सुं खेत का धणी परभु सुं अरज करो क व्ह अपणी फसल काटबा काण महनथीयां खन्ना दॅ।

10

ईसु को बाराह चेला चुण्बो

1 फेर ईसु न अपणा बारह चेला अपणा गोड़यां बलाया,अर वांकाण गन्दीसक्ती न मनख्यां
मं सु बाहर खाढ़बा काण अर हर तरह की बिमारी सुँ मनख्यां न छोखा करबा काण अर
कमजोरियां न दूर करबा काण अधिकार दिया। 2 व्ह बारह चेला का नाऊँ अस्यां छां, पहलो
समोन जिंको नाऊँ पतरस कहलाव छ, अर उको भाई अन्दर्यास अर जबदि का बेटा याकूब
अर ऊका भाई यूहन्ना 3 अर फिलीप्पुस अर बरतूल्मै, अर थोमा अर महसुल लेबाळा मत्ती अर
हलफई को बेटा याकूब अर तधे 4 अर समोन (जेलोतेस ख'व छ) अर यहूदा इसकरियोती,
जीन ईसु पकड़वावाया छा। 5 ईसु न ये बारह चेला काण या आज्ञा देर खन्नाया," "ग़ैर यहूदियों
का इलाका मं मत जाओ अर कोई भी सामरी नगर मं मत जाज्ये । 6 पण इस्राएल का घराना
की गमी होई गाडरा क गोड़यां जा ज्ये। 7 अर चालता-चालता यो प्रचार करो,"सरग को
राज गोड़याँ आग्या छ"। 8 बेमारां न चंगा करो,मर्या होया न जीवता करो,कोढ़ियां न छोखो
करो,गन्दीसक्ती न खाड़ो थानॅ परमेस्वर सुँ ये अधिकार सीतमात मल्यो छ तो सीतमात दियो।
9 अपणा बटवा मं सोना,चाँदी अर ताँबा मत रखाणो। 10 थां गेला क काण न्ह झोळी, न्ह दुस्रा
लत्ता,न्ह मुडा अर लाठी मत राखो क कस्यां महन्थियां क ताँई ऊकी रोटी मलणी छावॅ छ"
11 ज्ये कोई नगर अर गाँव मं थां जावॅ, तो तोल पाडो क वहांई परमेसवर की छोखी खबर
न सुणबा क लायक कुण छ।तब ताँई ऊँठी ठहरॅ तो ज्यां तांई थां व्हाँ सुं बदा न्ह होज्यो । 12
जद थें कोई क घर-बार मं उळॅ तो परिवार का लोगां क तांई पहली शान्ती का आसीस दॅ। 13
अगर ऊ घर का मनख लायक होवतो थाका आसिस वांका लारां लाराँ रहवगा अर अगर ऊ
घर का मनख लायक कोई न्ह होवतो थाका आसिस थांक गोड़यां पाछँ आजावगो। 14 अगर
कोई मनख थांका न्होरा न्ह करॅ छ अर थांकी बातां न न्ह सुणॅ छ तो जद थां ऊ घर अर ऊ सहर
न छोड़र जावॅ तो थांक पांव की धूळ बी ऊंठी सुँ झाड़ लीज्यो। 15 म्हूं थां सु साची खुँ छूँ क
परमेस्वर का न्याय क दन मं सदोम जो दुष्ट नगर छो ,ऊ सदोम का खराब मनख्या सुँ ई नगर
का मनख ज्यादा दण्ड पावगा।

आबाळो संकट

16 समळर रीज्ये,म्हूँ थानॅ अस्यां ही बाहरॅ खन्नारीया छूँ,जस्यां गाड़रा न लाळीयां का बीचा मं
म्हूँ थानॅ खन्नाऊँ,ई सुँ साँपां क नाईं चतुर अर कबुतरां क नाईं भोळा बणो। 17 पण लोगां सुँ
समळर रीज्ये,क कस्यां थानॅ बंदी बणा'र यहुदीयां की धर्म सभा मं सुपॅगा अर व थानॅ अपणा
भेळी होबाळी सभा क घर की कोठडी मं कोड़ा सुँ कुठॅगा। 18 व थानॅ म्हारा चेला होबा क
कारण राजा अर हाकीम क आग्ह खड़ा कर दिया जावगा जिसूँ थां म्हारा बारा मं व्हाँक आग्ह
अर अबस्वासीयां क लेखॅ ग्वाई बता सकॅ । 19 अर जद व थानॅ पकड़वाएगा तो थां ईंक लेख
अपणा मन मं चिन्ता मत करज्यो क महां कसी रीती सुं;या म्हां कांई बोलां? पण उ बगत मं
बोल्बा काण परमेस्वर थाक तांई सही बात बता दियो जावगो। 20 क कस्यां बताबाळा थां
कोई न्ह पण थांका परम पीता की आतमा थां सुँ बोलगी। 21 अर ज्ये बडो भाई बना बस्वासी
छ व्हो अपणा बस्वासी भाई न मारगालबा काण पकड़वादेगा,अस्यां ही बाप अपणा छोरा-

छोरीयां न मारगालबा काण पकड़वादेगा अर छोरा-छोरीयां अपणा मांई-बाप क खिलाफ हो’र
वांनॅ मरवागालॅगा। 22 अर सारा मनख थां सूँ बैर राखगा क कस्यां थां म्हारा नाऊँ प बस्वास
करबा क कारण पण ज्ये मनख अपणा जीवन होबा ताँई धीरप धरे रहगा,व्हांनॅ परमेस्वर
बचाऊगा। 23 जद थानॅ एक नगर मं सताव तो दूस्रा मं भाग जावॅ।म्हूँ थासुँ साची खुँ छूँ,क थें
इस्राएल देस का सारा नगरां मं चक्कर पूरा कोई न्ह करगा,ऊ सुँ फेली मनख को बेटो दुबारा
आ जावगो। 24 चेला अपणा गरू सुँ बड़ा कोई न्ह; अर हाळी अपणा धणी सुँ बड़ा कोई न्ह
होव। 25 चेला न अपणा गरू क बराबर अर हाळी अपणा धणी क बराबर होबा मं ही सबर
रखाण्णी चायजे। जद वानॅ घर का धणी न बालजबुल ख तो ऊँका घर का मनख्यां सुँ और भी
बरा व्यवहार खामी न्ह करगा?!

कु सुँ डरपां

26 ई लेखॅ वासुँ मत डरपो क कस्यां व्हा बगत आरी छ जद सारी छपी होई बातां न खोल’र
बताई जावगी; अर ज्ये कोई गुप्त मं छ उन लोगां का सामॅ बताई जावगी। 27 अर ज्ये कोई बातां
थानॅ उन्धेरा मं खी छ , व्ह उजाळा मं सुणाई जावगी, अर ज्ये कोई बातां थानॅ कमरा मं जुडया
कुवाण्ड क पाछॅ छानमुन कोई का कान मं खी छ, व्ह बातां न छत प उबो हो’र ऊंची आवाज
सुं सुणाई जावगी , ताकि सारा लोग-दणी उनॅ सुण सकां! 28 व्हा सुं मत डरपो ज्ये थांका डील
न मार सकॅ छ । व खाली थांका डील न मार सकॅ छ;पण थाकी आतमा न नास न्ह कर सकॅ।
ज्ये थारा डील अर थारा आतमा न नरक मं पटकर नास कर सकॅ छ ,सिरफ ऊ सुं (परमेश्वर
सुं) डरो। 29 “कांई एक पीसा मं दो चड़ियां न्ह बकॅ छ क? फेर भी थांका पीता की अच्छया
क बना वामं सुँ एक भी जमीन पॅ न्ह गर सकॅ छ। 30 अर थांका माथा का एक एक बाळ भी
गण्या होया छ । 31 ई लेखॅ डरप मत; क कस्यां थां परमेश्वर की नजर मं चडियां का पूरा झुण्ड
सुं ज्यादा मुल्यवान छ।

ईसु प बस्वास

32 ज्ये कोई मनख म्हनॅ लोग-दणीयां क सामॅ मान लेगो तो म्हूँ,मनख को बेटा भी म्हारो सरग्य
पीता का सामॅ मान लेऊँ। 33 पण ज्ये कोई मनख म्हनॅ लोग-दणीयां क सामॅ नटगां ,तो म्हूँ,मनख
को बेटा भी म्हारो सरग्य पीता का सामॅ नटुँ।

ईसु क लारां असहमति

34 कांई थें या मत सोचॅ क म्हूं ई दुनिया प मल-जुलर शान्ती देबा काण आया छूँ। म्हूँ,मल-जुलर
शान्ती देबा काण न्ह आया पण तलवार चलवाबा (न्हाळा-न्हाळा करबा) काण आया छूँ। 35
म्हूँ या करबा काण आया छूँ: बेटा ,पिता का बरोध मं, अर बेटी, माँ का बरोध मं, अर बहू, सास
का बरोध मं हो जावगी 36 मनख्यां का बेरी ,ऊँका अपणा घर का लोग ही रह छ । 37 अगर
ज्ये कोई म्ह सुँ साऊटो अपणा माँई- बाप सुँ प्रेम करॅ छ,व्ह म्हारा चेला बणाबा का लायक कोई
न्ह ।अर ज्ये कोई अपणा छोरा-छोरीया क म्ह सुँ ज्यादा प्रेम करॅ छ,व्ह म्हारा चेला बणाबा का
लायक कोई न्ह । 38 अगर ज्ये कोई अपणो क्रूस उठा’र म्हारॅ पाछॅ कोई न्ह चालॅ,व्ह भी म्हारो
चेलो कोई न्ह हो सकॅ छ। 39 अर ज्ये कोई मनख अपणी जान(ज्यान) न बचाबो छावगो, ऊ

कदी भी खतम न्ह होबाळा जिवन (अमर जीवन) न गमा देगा अर ज्ये कोई म्हार काण अपणा जिवन देबा काण त्यार होवगा,उनॅ कदी भी खतम न्ह होबाळा जिवन(अमर जिवन) मलॅगा।

इनाम

40 “ज्ये कोई थानॅ अपणाव छ ,तो ऊ म्हनॅ बी अपणाव छ अर ज्ये कोई म्हनॅ अपणाव छ ,व्ह म्हनॅ य्हां (दुनिया) खन्नाबाळा न अपणाव छ।” 41 ज्ये कोई भविष्यबाणी खबाळा न ई लेखॅ अपनाव छ क व्ह भविष्यबाणी खाबाळा छ,ऊका व्ह प्रतिफळ मलगा ज्ये भविष्यबषणी खबाळा काण मल्ल छ।अगर थें ज्ये कोई भला मनख न ई लेखॅ नोवरा करॅ छ,क व्ह भला मनख छ,ऊक ताँई सचमुच ऊई प्रतीफळ मलगा,ज्ये कोई भला मनख्यां काण मल्बा छावॅ छ । 42 अगर ज्ये कोई ई छोटा मं सुँ एक न म्हारा चेला जाण’र खाली एक लोटड्यो ठंडा पाणी पुवाव तो म्हूँ थां सूँ साँची साँची खुऊँ छूँ क व्हांको फळ कस्सी बी रीत सूँ न्ह खोवगा,परमेस्वर व्हांक काण फळ जरूर देवगा।

11

ईसु अर बत्तिसमा देबाळो यूहन्ना

1 जद ईसु अपणा बारह चेला काण या आज्ञा दियां पाछॅ ईसु ऊठी सुँ चाल पड़्या अर गलील प्रदेश का नगरां मं उपदेश अर परमेस्वर की छोखी खबर को प्रचार करबा लागया। 2 बत्तिस्मा देबाळा युहन्ना न कोठडी मं मसीह का ये कामां का बारां मं सुण्या तो अपण चेला ऊ सुँ या बुझबा खन्नाया। 3 ,क”कांई थां मसीह छ जिंकी म्हां बाट-नाळरिया छां या फेर ओर कोई दूसरां की बाट-नाळां? 4 फेर ईसु न जुवाब दिया,क यूहन्ना क गोडयाँ पाछा जावो अर ज्ये कांई थांनॅ देख्यो अर सुण्यो छ, वो सारा ऊँकाण बतावो 5 क आन्धा देखबा लाग्या,लंगडा चालबा फरबा लाग्या,अर कोढ़ियां छोखा कर्या जावॅ छ,अर ब्हरॅ सुणबा लाग्या छ,मरया जिनदा हो जावॅ छ,अर कंगालां काण परमेस्वर की छोखी खबर सुणाई जावॅ छ।” 6 अर व्हा सु य्हा भी खी,भलो छ उ मनख ज्ये म्हप बस्वास रखाणबा काण ठोकर न्ह खावॅ”। 7 जद बत्तिसमा देबाळो यूहन्ना का चेला ईसु क गोड़यां सु चलग्या,तो ईसु बत्तिसमा देबाळो यूहन्ना क बारां मं लोग-दणीयां सु खबा लाग्यो,थां सुणसान जग्ह मं काँई देखबा ग्या छा? कांई थांनॅ ऊठी एक पट्टेरिया क नांई को कमजोर मनख देख्यो छ क?, ज्ये बाळ क हर झोका मं हालतो रह छ 8 फेर थें कांई देखबा ग्या छा?कांई घणा छोखा लत्ता फहरयां कोई मनख न देखबा ग्या छा क? न्ह,क कस्यां ज्ये घणा छोखा लत्ता फॅहरॅ छ अर सुख भोग सु रह’व छ ,व्ह राज महलां मं रह’वॅ छ। 9 तो फेर काँई देखबा ग्या छा?कांई थां कोई भविषयबाणी खबाळा न देखबा ग्या छा क?हां,म्हूँ थां सुं खरियो छूँ, व्ह(यूहन्ना) भविषयबाणी खबाळा सु भी बड़ो छ। 10 बत्तिसमा देबाळो यूहन्ना व्ही छ जिका बारां मं पबित्र सास्त्र मं मण्डि छ: “झांक,म्हूं ,म्हारा खबरी न थारॅ फेली खन्नारियो छूँ , क कस्यां ऊ थांरॅ आगॅ जा’र ,थां आबा काण मनखयां क मन न त्यार करॅगो” 11 म्हूँ थां सुं साँची ख’रियो छूँ क हाल तांई कसी भी बाईर सु जन्मया होया मं सु यूहन्ना सु महान् कोई भी कोई न्ह छ। पण फेर भी सरग का राज्य मं छोटा सुं छोटा मनख भी उ सुं बड़ो छ ।” 12 युहन्ना

बत्तिस्मा देबाळा क दन सुँ लेर अबार ताँई सरग का राज्य प जोर होता रिया छ,अर बलवान
मनख वानॅ छीन लेवॅ छ। 13 युहन्ना क आबा क पहली सारा भविष्यबष्बाणी खबाळा अर मुसा
की निम सखाबाळा भविष्यबाणी करता रिया। 14 अगर थां ई बात न मानबो छाव तो मानल्यो
क एलिय्याह ज्ये आबाळा छ,व्ह युहन्ना छ। 15 जींक सुणबा का कान छ,व्ह सुण ले।

16 ईसु न फेर बुझी,म्हूँ ई जुग का मनखयां की तुलना किसुँ करूः? क कस्यां व उ बाळका क
नांई छ ज्ये बजारां मं बठया होया एक दूसरा सु ख छ, 17 क म्हांनॅ थांकाण बांसुरी बजाई पण
थां नाच्या कोई न्ह अर म्हांनॅ थांकाण शोक-गीत गाया पण थां रोया कोई न्ह। 18 क कस्यां
बत्तिसमा देबाळा यूहन्ना न औरा क नांई न्ह खाया अर औरा क नांई अंगुर को रस न्ह पीया, पण
थां खरिया छ,क उ मं गन्दीसक्ति छ। 19 फेर म्हूं,मनख को बेटा ज्ये सरग सुँ आया, ओरां क
नाईं खावॅ-पीवॅ छूं,तो थां खरिया छ,क ई मनख न देखो ,यो पेटू छ अर पियक्कड छ,अर यो चुंगी
लेबाळा अर पापीयां को भाइलो छ पण ज्ये परमेस्वर का ज्ञान क पाछॅ चालॅ छ व्हांका जीवना
क दुवारा ज्ञान साच्चो ठहरायो जावॅ छ।

बस्वास न्ह करबाळा काण ईसु की चेतावनी

20 फेर ईसु न ऊ नगरां काण दुतकारयो देबा लाग्यो, ज्यामं वानॅ घणा सारां अच्मभव काम कर्या
छ क कस्यां वानॅ पाप सुँ मन न्ह बदल्या। 21 हाय !खुराजीन का लोगांओ! हाय बैतसैदा का
लोगांओ! कस्यो संकट थार काण बाट-नाळरियो छ क कस्यां ज्ये चमतकार का काम म्हनॅ था
मं कर्या छ,अगर म्हूं उई चमतकारां न सूर अर सैदा जस्यां खराब नगर मं करतो , तो उ नगरां
का लोग-दणी बोरियां सु बण्या लत्ता फहर’र अपणा डील प बानी लपेटर कदेक को ई पाप सु
परमेस्वर क आड़ी मन बदल्यो होतो। 22 हां, परमेस्वर का न्याय क दन मं सुर अर सैदा नगरां
की दण्ड सुँ थारा दण्ड ज्यादा पावगा। 23 अर थां कफरनहूम क लोग-दणीयांओ,कांई थांनॅ
सरग तांई ऊंचा उठाया जावगा? न्ह,थां तो नीचॅ नरक मं उतारया जावगा।क कस्यां ज्ये अच्म्बा
काम थ सुँ कर्या ग्या छ, अगर व्ह सदोम नगर ज्ये परमेस्वर न पाप क कारण नास करदिया,ऊ
नगर मं करतो तो,ऊ आज ताँई बण्या रहता। 24 म्हूं थां सु खरियो छूँ क परमेस्वर का न्याय क
दन मं सदोम ज्ये दुष्ट नगर छो ,ऊ सदोम का खराब मनख्या सुँ ई नगर का मनख ज्यादा दण्ड
पावगा।

ईसु की परम पिता सुं पराथना

25 उ घड़ी ईसु न ख’बा लाग्या,’’ हे पिता,सरग अर धरती का परभु,म्हूँ थांक तांई धन्यबाद
कर्यो छूँ,क थानॅ व्ह लोगा-दणीयां सु य्हा साचीयाई को छपा राख्या ज्ये अपणा-आप न ज्ञानि
अर बुध्दिमान समझॅ छ,अर ज्ये बाळकां क नाईं छ व्हांका य्हे बातां बताई: 26 हां, हे सरग्य
पिता,थांनॅ अस्यां ही करबो छोको लाग्यो। 27 फेर ईसु न अपणा चेला सु खी,म्हारा पिता न म्हारॅ
काण सारा सुपा दिया छ अर वास्तव मं (परमेस्वर के) पुत्र न (म्हनॅ) कोई न्ह जाणॅ पुत्र कुण
छ,खाली पिता ही जाणॅ छ अर पिता न (परमेस्वर) कोई न्ह जाणॅ,खाली पुत्र ही जाणॅ छ अर व्ह
लोग भी ज्यां प पिता परमेस्वर न प्रगट करबा काण पुत्र छाव छ।” 28 “हे थाकयो होया अर
बोझ सुँ दब्या होया लोगां,म्हारॅ गोड़यां आजावो,म्हूँ थाक ताँई सुख चैन दियुँ। 29 म्हार जुआ न
अपणा ऊपर उठाल्यो अर म्ह सुँ सीखो क कस्यां म्हूँ नम्र छूँ अर म्हारा मन कोमल(भोळा-भळा)

छ।अर थानॅ भी अपणा लेख सुख -सान्ती मलगा। 30 क कस्या व्ह जुआ ज्ये म्हूँ थाकाण दे रिये छूँ ऊ सिधो छ। अर व्ह बोझ् ज्ये म्हूँ था प पटक रियो छूँ,ऊ फोरो छ ।

12

ईसु न आराम हाळो दन को भी परभु छ

1 फेर उ बगत यहुदियां का आराम हाळो दन मं ईसु अर ऊंका चेला अनाज का खेत मं होर
जारीया छा।ऊंका चेला क भुख लागी तो व धंगीयां तोड़'र खाबा लाग्या। 2 पण कोई परीसि
मनखयां न देख्या क ईसु का चेला कांई करया छ।तो परीसि मनखयां न खी,,देख,थां य्हो काम
कांई काण आज करया छ?, आराम हाळो दन का निम क अनुसर य्हो काम (फसल काटबो)
करबा उचित कोई न्ह।" 3 फेर ईसु न वां काण ज्वाब दियो ,क कांई थां न कदी बी पबित्र सास्त्र
मं य्हा न्ह पढ़ी छी क राजा दाऊद न घणा साल फेली कांई करी छी? जद राजा दाऊद अर
ऊंका साथीडा भुखा छा 4 दाऊद न परमेस्वर का मन्दर मं जा'र ज्ये परमेस्वर का नाऊं सुँ दान
की रोटीयां चढ़ा मल्ली छी।व्ह रोटियां खाई,व्ह दान की रोटीयां याजकां न छोड़'र कोई काण
बी खाबा को निम कोई न्ह छो।पण राजा दाऊद न व्ह रोटीयां खाई अर ऊंक साथीडा काण
बी दी,तो परमेस्वर न उ काम काण वां नॅ अपराधी न्ह समझीया" 5 या पबित्र सास्त्र मं य्हा न्ह
पढ़ी छी क याजक आराम हाळो दन मन्दर मं आराम हाळो दन का निम न तोड़बा प भी निर्दोष
ठहरॅ छ। 6 पण म्हूँ थासुँ खरियो छूँ,अठी ऊ छ ज्ये मन्दर सुँ भी बड़ा छ। 7 अगर थें समझ लॅ
क पबित्र सास्त्र मं इ बचन को अर्थ काँई छ , 'म्हूं बलिदान कोई न्ह छावॅ पण दया छाव छूँ।'
तो थें निर्दोस क दोषी कोई न्ह ठहराता। । 8 फेर ईसु न वां सु खी,म्हूँ, मनख को बेटा आराम
हाळो दन को बी परभु छूँ

आराम हाळो दन मं ईसु का चमतकार

9 फेर ऊँठी सुँ खड़र ईसु यहूदीयां की भेळी होबाळी सभा क घर मं ग्या। 10 तो ऊंठी एक
मनख छो जींको एक हाथ सुखर्यो छो अर ऊंठी कोई परीसि मनख ईसु प दोस लगाबा काण ऊ
सुँ बुझी,क आराम हाळो दन मं कोई क चंगा करबा यहुदियां क आराम हाळो दन का निम क
अनुसार उचित छ क? 11 ईसु न वाकाण ज्वाब दिया,"मानो,थां मं सुँ कोई क गोड़यां एक ही
गाडरो छ,अर व्ह गाड़रो आराम हाळो दन मं कोई खाड़ा मं गर पड़ॅ तो, काँई थें उनॅ पकड़'र
बाहर कोई न्ह खाडगा क? 12 फेर मनख तो एक गाड़रो सुँ घणो अन-मोल छ।ई लेखॅ,आराम
हाळो दन मं भलाई करबा काण "परमेस्वर का दास मुसा का निम मं अनुमति दिया छ।" तो
ईसु न ऊ सुखा हाथाळा मनख सु खी,"थारो हाथ न आगॅ कर"। 13 अर ऊ हाथ न आगॅ कर्यो
अर ऊंको हाथ दूस्रा हाथ क नाईं एक दम छोखो होग्यो। 14 ईं काम न देख'र फरीसी मनख
यहूदीयां की भेळा होबाळी सभा क घर न छोड'र बाहर जा'र ईसु क बरोध मं सल्ल्हा कर'र
जुगाड़ बणाबा लाग्या,क कसी तरॅ सुँ ईसु न मार गालां।

परमेस्वर का चुण्या होया सेवक

15 या जाण'र ईसु ऊँठी सुँ खड़ग्या।अर घणा लोग-दणी ईसु क पाछॅ होग्या अर वानॅ सारा बेमार

मनख छोखा कर्या। 16 अर वाँनॅ जताया,क ऊका बारां मं लोगां सुँ काँई भी मत खीज्ये। 17 क
ज्ये बात परमेस्वर न घणा साल फहली अपणा भवीष्यबाणी खबाळा यसाया क वाळ खी ग्यो
छो, व्ह पूरी होवॅ: 18 “देखो,या म्हारा सेवक छ। ज्ये म्हनॅ थरप्यो छ। या म्हारा लाडलो छ,
जी सुँ म्हारो मन राजी खुशी छ। म्हूँ ऊपॅ अपणी आतमा राखुँ अर सारा देस का सारा लोगां को
न्याय की घोषणा करगा। 19 य्ह कदी भी न्ह चीखेगा अर न्ह झगड़ेगा अर बाजारां मं कोई ऊका
बार्हा पाड़या कोई न्ह सुणगा। 20 या झुका होया पटोरिया न्ह तोड़गो या दमदमाती चमनी न
कोई न्ह बझावगा जद ताँई न्याय क बिजय न्ह होवॅ। 21 धरती का सारी ज्याती का लोग-दणी
ऊका नाम प आशा राखगा

ईसु मं परमेश्वर की शक्ति

22 फेर एक दन कोई लोग एक आंधा-काल्ला न जिंकॅ भूत लागरियो छो वानॅ ईसु क गोड़यां
लाया अर ऊ मनख मं सुँ भूत खाड़’र उ छोखो कर्यो ,ई लेखॅ उ बोल्बा अर देख्बा लाग्यो। 23
य्हा देख’र सारा लोग-दणी सोच मं पड़र खबा लाग्या,”कांई यो मनख दाऊद की सन्तान का
हो सकॅ छ क?” 24 पण फरीसियां न य्ह सुण’र खी,य्ह तो बैल्ज़ाबुल नाऊँ की गंदी सक्ती का
सरदार की मदद सुं गन्दी सक्ती न खाड़ छ। 25 पण ईसु न व्हांका मन की बात जाण ली अर
वां सु खी,अगर कोई राज पाट मं फूट पड़ज्या तो ऊ राज पाट उजड़ जाव छ । अगर कोई नगर
अर घर का मनखयां मं फुट पड़ जावॅ तो ऊ नगर अर कुठम भी बण्यो न्ह रहवगो। 26 अगर
सेतान,सेतान न खाढ़ह तो ऊ अपणा ही बरोधी होग्यो छ। फेर ऊका राज्य कस्यां बण्यो रहगो।
27 भला,अगर म्हूँ बैल्ज़ाबुल की मदद (सक्ति) सुं गन्दि सक्ति न खाड़ॅ छूँ, तो थारॅ खुद की
सनतान कुकी मदद सु गन्दीसक्ती न खाड़ॅ छ? व भी तो गन्दीसक्ती न खाड़ॅ छ, तो थां ज्ये खी
छ, उ कारण व थाकॅ न्याय करगा 28 पण अगर म्हूँ परमेस्वर की सक्ती सुं गन्दी सक्ति न खाड़ॅ
छूँ,तो परमेस्वर को राज्य थांक गोड़यां आ पुग्यो छ। 29 फेर ज्ये कोई मनख कोई तगड़ो मनख
का घर - बारा न लूटबो छावॅ तो सब सुँ पहली उ तगड़ो मनख बाँधणो पड़ॅगो।जिंकॅ बाद मं ही
ऊंका घर- बार लूठया जा सकॅ छ। 30 ज्ये कोई म्हारॅ लारां कोई न्ह छ, व्ह म्हारा बरोध मं छ
,अर ज्ये कोई म्हारॅ लारां काम न्ह कर छ,व्ह वास्तव मं म्हारॅ बरोध मं काम करॅ छ । 31 ई
लेख म्हूँ थां सु खुँ छूँ,क मनख्यां का सारा पाप अर अगर ज्ये कोई अपमानी बातां परमेस्वर क
बारां मं ख’व तो,व्हांन बी परमेस्वर माफ कर सकॅ छ। पण जद कोई मनख पबित्र आतमा क
बरोध मं बदनामी करॅ तो व्ह पाप ऊंका कदी बी माफ न्ह हो सकॅ छ। 32 ज्ये कोई मनख का
बेटा का बरोध मं कोई बात ख’गो,ऊको यो अपराध माफ कर्यो जावगो पण जद कोई मनख
पबित्र आतमा क बरोध मं बदनामी करॅ तो व्ह पाप ऊंका कदी बी माफ न्ह हो सकॅ छ। अस्यां
को पाप करॅ तो ऊका पाप न ई जुग मं अर अबाळा जुग(परलोक) मं माफ कोई न्ह हो जावगा।

रुखड़ो अर उको फळ

33। अगर रूखड़ो न छोखो खो,तो ऊका फळ न भी छोखो खो;या रुख्डो न बरो खो;,तो ऊका
फळ न भी बरो खो ।क कस्यां रूखडो अपणा फळ सुँ ई पचाण्यो जावॅ छ। 34 “हे जेरिला सांप
का बच्चावो!थें बरा होर कस्यां छोखी ख सकॅ छो?क कस्यां ज्ये कांई थारा मन मं भरयो होयो
छ उई थारा मुण्डा प आव छ ।35 भला मनख का भला मन सु भली बातां ही खढ़ॅ छ , अर बरा

मनख क बरा मन सु बरा बातां ई खढ़' छ। 36 अर म्हूँ थां सुँ खरियो छूँ क ज्ये-ज्ये बरी बातां
मनख ख'गा,परमेस्वर का न्याय क दन मं हर एक ऊ बात को हिसाब देणी पड़गो। 37 क कस्यां
थारी बातां क आधार प ही तु निर्दोष अर थारी बातां क आधार प ही तु दोषी ठहराया जावगा।"

सरग की निसाणी मांगी

38 फेर एक दन कोई यहुदियां की निम सखाबाळा मनख अर कोई फरीसी मनख ईसु क
गोड़यां आ'र व ईसु सूँ खी,हे गरूजी, म्हांनॅ था सुँ सरग की एक निसाणी देखबो छावॅ छां। 39
ईसु वांकी ई बात न सुण'र वासूँ बोल्यो,"ई जुग का बरा अर व्यभिचारी लोग निसाणी देख्बा
छावॅ छ? पण पराणा जमाना मं परमेस्वर की भविषयबाणी खबाळा योना का चिन्ह क अलावा
ओर कोई नसाणी न्ह दिया जावगा। 40 क कस्यां जस्यां योना तीन दन अर तीन रात ताँई उस
समुद्री जीव मछ्छी क पेट मं रियो छो , अस्यां ही मनख को बेटा भी तीन दन अर तीन रात ताँई
धरती क महलाड़ी रहगो। 41 जद परमेस्वर का न्याय क दन, नीनवे महा नगर का लोग-दणी
भी इ पीढ़ी का बरोध्द मं उठगा अर वानॅ दोषी ठहरावगा, क कस्यां योना का प्रचार न सुण'र
वानॅ पच्ताव करया। पण अबार अठी व्ह छ ज्ये योना सु भी बड़ा छ। 42 न्याय क दन, शेबा
की (दक्षिण की) रानी इ पीढ़ी क लोगां क बरोध मं उठ'र वानॅ दोषी ठहरावगी, क कस्यां व्हा
सुलैमान का ज्ञान न सुणबा काण घणी दूर सु आई छी। अर अबाणु देखो, तो अठी व्ह छ ज्ये
सुलैमान सु भी बड़ा छ;

खाली व्यक्ति

43 जद कोई मनख मं सु गन्दि सक्ति खड़ॅ जावॅ छ,तो सुखी जग्ह मं आराम हेरती फरॅ छ;अर
पावॅ कोई न्ह । 44 तो व्ह ख छ,क म्हूँ अपणा उई घर मं ज्यां सु खड़ छी व्हांई मं पाछॅ जावगी
अर पाछॅ जा'र व्ह पराणा घरां न छोखी तरॅ सु झाड़यो-बुहारयो अर सज्यो सजायो पाव छ। 45
फेर व्ह जा'र अपणा सु भी ज्यादा बरी सात गन्दी सक्तियां न व्हांई ओर लावॅ छ।फेर व उमं
जा'र रह'बा लागॅ जावॅ छ।अर ई प्रकार उ मनख की दसा पहली सु ज्यादा बरी हो जावॅ छ।आज
की ई बरी पीढ़ी का लोगां की दसा भी अस्यां ही होवगी।

ईसु की साँची माँई अर भाई

46 जद ईसु भीड़ सुँ बातां कर रियो छो,तो झांको, ऊँका माँई अर भाई ऊंठी आया,अर व घर क
बाहर ऊबा छा।अर व ईसु सुँ बातां करबा छावॅ छा। 47 तो कोई मनख न ईसु सु खी,झांको,थारी
माँई अर थारा भाई ब्हारॅ उबा छ,अर व थां सूँ बातां करबा छावॅ छ। 48 या सुणर ईसु ऊँकाण
ज्वाब दिया,कुण छ म्हारी माँई ? 49 अर कुण छ म्हारा भाई ?। अर ईसू अपणा चेला क आड़ी
अपणा हाथ बढा'र खी,,"झाँको,म्हारी माँई अर म्हारा भाई ये छ। 50 क कस्यां ज्ये कोई म्हारा
सरग्य पीता की अच्छया पर चालॅ छ,व्ह तो म्हारा भाई, बहण अर माँई छ"।

13

बीज बाभाळा का बारा मं ढास्टान

1 ईंक बाद ऊ दन मं ईसु घरां सुँ खढ़र गलील की झील क कराड़ा प मनख्यां क तांई उपदेस
देबा काण जार बठयो। 2 तो ऊंकॅ च्यारूमेर अतनी घणी सारी भीड़ भेळी होगी ।ई लेखॅ व्ह
झील मं खड़ी एक नाव प चढ'र ऊमं बठग्या अर सारी भीड़ झील क कराड़ा प उबी रियो। 3
अर ईसु न व्हांकतांई ढास्टान सुँ घणी सारी बातां सखाबा लाग्या।अर ईसु न अपणा उपदेस
मं व्हां सुं अस्यां खी ,सुणो,एक बगत एक खास्तगार बीज बाभा काण ऊँका खेत मं ग्यो 4 तो
अस्यां होई,क जद ऊं बीज बाभा लाग्यो,तब कोई बीज गेला क सायरॅ पड़या अर चड़ीचुडंगला
न आ'र व्ह चुगलिया 5 अर दूस्रो कोई बीज कांकरेली जमीन प गरपड़या ,ज्यां व्हानॅ जादा गार
न्ह मली, तो जादा गार न्ह होबा क कारण उ बीज बेग साक उग्या आया अर बढ़बा लाग्या। 6
पण जद सूरज उग्यो तो तावडा मं बीज बळग्या क कस्यां ऊंकी जड़ धस न्ह पाई। 7 अर कोई
बीज झाड़यां मं जा पड़या,अर व्ह झाड़ीयां न बड़ी होर व्ह बीज दाबगाल्या। 8 अर कोई बीज
छोखी जमीन प गरपड़या,ज्यां छोखा सुं उग्या अर बड़ताग्या जि सुँ खूब पनप्या,अर उमई सुं
कोई सौ गुणा,कोई स्याठ गुणा,कोई तीस गुणा फसल प'दा होई। 9 फेर ईसु न खी,क ज्ये कोई
समझॅबो छावॅ तो ज्ये बातां म्हूँ थां सुँ खर्यो छूँ व्ह बातां न छोखा ध्यान सुँ सुणलीज्यो।

ढास्टान खबा को कारण

10 फेर चेला न ईसु क गोड़यां आर ऊ सुं बुझी,"तू वा सुँ ढास्टान मं खाईमी बातां करॅ छ?"
11 ईसु न ज्वाब दियो, थांक तांई तो सरग का राज्य क भेदां की समझॅ दी गी छ, पण वांक
ताँई न्ह दी।(ज्ये कोई म्ह प बस्वास न्ह करॅ,व्ह मनख्यां क तांई तो सारी बातां न ढास्टान क
दुवारा बतावॅ छूँ) 12 ज्ये कोई म्हारा बचन न सुण'र जीवन मं मानॅबो छावॅ छ ऊंक काण
परमेस्वर ओर जादा देवॅगा;अर ऊँक गोड़याँ घणो होजावगो पण जिंक गोड़यां काँई भी कोई
न्ह तो परमेस्वर ऊंक गोड़यां पहली सुँ ज्ये कांई छ, ऊ बी लेल्यो जाऊगो,ज्ये कोई म्हारा बचन
न सुण'र जीवन मं मानबो न्ह छावॅ। 13 म्हूँ वा सुँ ढास्टान मं ई लेख बातां करू छूँ,क,"जद
व म्हारा कामां न देखता होयो छ तोभी व्हांनॅ वास्तव मं सुझॅ कोई न्ह छ,अर व म्हारी बात
न सुणता होयो छ तोभी न्ह सुणॅ अर व्हांकॅ समझ मं न्ह आवॅ छ, "। 14 अर वांका बारां मं
परमेसवर की भविष्यबाणी खबाळा यसाया का या भविष्यबाणी पूरी होवॅ छ,क ,थां काना सुँ तो
सुणगा पण समझगा कोई न्ह,अर आंख्यां सुँ तो देख्गा पण थांनॅ सुझॅ कोई न्ह (यशायाह 6:9)।
15 क कस्यां ये लोग-दणीयां को मन खॅडो हो ग्या छ। अर व अपणा कान बन्द कर राख्या छ
अर अपणी आख्यां मीच राख मली छ ताकि व अपणी आँख्यां सुँ काँई भी न्ह देखॅ अर व कान
सुँ काँई न्ह सुण पाया छा क अपणा मन सुँ कदी भी न्ह सम्झया अर कदी भी म्हार आड़ी मुड़'र
न्ह आया अर जिसुँ म्हूँ वाको छुटकारा करुँ।' 16 पण थांकी आख्याँ अर थांका कान भला छ
क कस्यां व्ह देख अर सुण सक्क छ। 17 म्हूँ थासुँ साँची खरियो छूँ, घणा भविष्यबाणी खबाळा
अर धर्मियां ज्ये बातां न देखबा छाव छा,ज्ये थें देखरिया छो,व वानॅ कोई न्ह देख सक्या।अर
ज्ये बातां न व सुणबा छाव छा,ज्ये थें सुणरिया छो।व वानॅ कोई न्ह सुण सक्या।

बीज बाभाळा की ढास्टान को अर्थ

18 अबाणु थें बीज बाभाळा की ढास्टान को अर्थ सुणो। 19 अर कोई मनख ज्ये परमेस्वर को राज्य क बचन सुणॅ छ पण व्हे समझ्या तो सेतान आ'र ऊ बचन न बिसरा देवॅ छ। जीनॅ ऊका मन मं पहली बायो ग्यो छो सुणल्या छा;यो ऊई बीज क नांई छ ज्ये गेला क सायरॅ मं पड़यो छो। 20 अर कांकरेली जमीन प पड़या बीज ऊई छ,ज्ये परमेस्वर का बचन सुणॅ छ,तो व्हे हाथ्युहात आनंद क लारां अपणा लेवॅ छ। 21 पण व्हांको बस्वास अतनो मजबूत न्ह होवॅ छ क व्हे अस्या पौधा क नांई छ जींकी जड़ जमीन प छोखी न्ह धस्सी,ईं सुं व्हे घणा दना तांई न्ह रह'व छ,अर जद बचन क कारण व्हां प दुख अर परेसान्यां आवॅ छ तो व्हे अपणा बस्वास न छोड़देवॅ छ। 22 अर कोई मनख छ ज्ये कोई बीज झाड़यां मं जा'र पड़या बीज क नांई छ, व तो परमेस्वर का बचन सुणॅ छ। पण व्हे नथकई जीबा क बारा मं चन्ता करॅ छ,धन-समपत्ती अर मो-माया को लालच ये परमेस्वर का बचन न दाब देवॅ छ,जस्यां झांडीयां बीज न दाब देवॅ छ, ई कारण परमेस्वर को बचन उ मं सूं खराब हो जावॅ छ,ईं सु ऊ बीज बी फळ कोई न्ह लावॅ। 23 पण कोई मनख तो अस्यांका बीज क नांई छ ज्ये कोई बीज छोखी जमीन प पड़या छा,व परमेस्वर का बचन सुण'र समझॅ छ,अर फळ लावॅ छ कोई सौ गुणा , कोई स्याठ गुणा, कोई तीस गुणा।

जंगळी बीज का बारां मं ढास्टान

24 ईसु न वासुँ एक ओर ढास्टान खी:सरग को राज्य ऊ मनख क नाईं छ जीनॅ अपणा खेत मं छोखो बीज बोयो छो। 25 पण जद लोग-दणी सुता छा तो ऊका बेरी आर गेवां का बीजा मं जंगळी बीज बोर चलग्या। 26 जद कुपळ खड़ी अर दंग्या आई तो जंगळी दाणा का पोधा भी दिखाई दिया। 27 तब खेत का दणी क गोड़यां आर ऊका नोकरा न खी,"हे मालिक,थानॅ तो खेत मं छोखा बीज बोया छा? फेर जंगळी दाण का पोधा ऊ मं कठी सुँ आया? 28 दणी न ऊका नोकरा सुँ खी" 'यो कोई बॅरी का काम छ।' नोकरा न ऊसुँ खी" कांई थाकी अच्छया छ क म्हां जार वानॅ उपाड़ गालां? 29 दणी न वांसुँ खी,अस्यां कोई न्ह,क कस्यां जद थें जंगळी दाणा का पोधा न उपाडॅगा तो वांक लारां गेंहुँवां न भी उपाड़ॅ लेगा। 30 काटबा क ताँई दोन्यां न लारां बढबा दियो अर काटबा की बगत मं म्हूँ काटबाळा सुँ खुं,क फहली जंगळी दाणा का पोधा न उपाड़र बाळबा काण गट्ठे बांध लॅ अर गेहूँ न म्हारा खलाण मं एकट्टा करो।

राई का दान क बारा मं एक ढास्टान

31 ईसु न वांक काण एक ओर ढास्टान दियो; क सरग का राज्य ऊ एक राई का दान क नांई होवॅ छ।ज्यान कोई मनख लेर अपणा खेत मं बादियो। 32 ऊ सारा बीज्जा मँ सु सारा सुँ छोटो छ पण जद बढ़ जावॅ छ तब सब साग पात सुँ बड़ा होवॅ छ, अर अस्याँ पेड़ हो जावॅ छ,क आकास क चडी चुडंग्ला ऊंकी डाळयाँ मं घुसाळा बणावॅ छ।

खमीर को ढास्टान

33 ईसु न वांक काण एक ओर ढास्टान सुणाई 'सरग को राज्य खमीर क नांई छ,ज्ये कोई लुगाई न रोटी बणाबा क तांई तीन पचेरी चून मं उनॅ मलायो फेर होता-होता सारो चुन खमीर हो ग्यो।

ढास्टान को उपयोग

34 ये सारी बातां ईसु न ढास्टान मं लोग-दणीयां सुँ खी,वास्तव मं व्ह बना ढास्टान क दुवारा वांसुँ काँई भी न्ह ख छो। 35 क ज्ये बचन परमेस्वर की भविष्यबाणी खबाळा क दुवारा खयो ग्यो छ ऊ पुरी होवॅ “ म्हूँ ढास्टान खबा काण अपणो मुंडो खोलूऊँ म्हूँ व्ह बातां न खुँ ज्ये जगत की उत्पत्ति सुँ गुप्त छ,वानॅ उजाकर करूँ।”

जंगळी(काकड़) बीज का ढास्टान को अरथ

36 फेर ईसु उ भीड़ न वदा कर’र घरन आयो। तब ऊँका चेला न ऊक गोड़यां आर ऊसुं खी, “खेत का जंगळी दाणा की दास्टान म्हां काण समझा दॅ।” 37 ईसु न वांक काण ज्वाबदिया,ज्यांनॅ छोखा बीज न बाया छो,व्ह मनख को बेटो छ। 38 अर खेत य्ह संसार छ। छोखो बीज को मल्लब छ, सरग को राज्य क लोग। जंगळी बीज का मल्लब छ, व्ह मनख ज्ये सेतान की सन्तान छ। 39 व्ह बॅरी जिनॅ ऊ जंजळी बीज बोया छो, ऊ सेतान छ अर काटबा क समय छ, इ जगत क अंत छ अर काटबाळा सरगदूत छ। 40 “ जस्यां जंगळी दाणा न बीण्या जावॅ छ अर बाळयो जावॅ छ , अस्यां ई जगत का अन्त मं होवगो। 41 मनख को बेटा अपणा दूतां न खन्नावगो अर व ऊका राज्य मं सुँ सब ज्ये पाप करबा काण उकसावॅ छ अर ज्ये परमेस्वर की बातां न कोन्ह मानॅ छ,वानॅ एकट्टा करगा 42 अर वानॅ एकट्ठा कर’र आग का कुण्ड मं पटकगा,ऊँठी रोबो अर दाँत चाबबो होवगो क कस्यां ऊँठी घणा दुख होवगो। 43 ऊ बगत धर्मी अपणा परम पिता का राज्य मं सूरज क नाईं चमकगा। जींकॅ सुणबा क कान होवॅ व धयान सुँ सुण लॅ!

छप्पा होया खजाना को ढास्टान

44 सरग को राज खेत मं छप्पा होया धन क नाईं छ ज्ये कोई मनख न पायो अर उनॅ व्हां घुसाड़ दियो।व्ह अत्ना राजी खुशी होर क वानॅ ज्ये कोई ऊको गोड़यां छो,जा’र बेच दियो अर व्ह खेत मोल ले ल्यो। 45 फेर सरग को राज्य एक बोफारी(व्यापारी) क नाईं छ ज्ये छोखा मोत्या की हेर मं छो। 46 जद उनॅ एक अनमोल मोती मल्यो तो जा’र ज्ये कोई ऊको गोड़यां छो,ऊ बेच दियो अर व्ह मोती मोल ले ल्यो।

ज्याळ को ढास्टान

47 फेर सरग को राज मछ्छीयां पकड़बा काण समुंद्र मं पटकयो ग्यो एक बड़ा ज्याळ क नाईं छ।जीमं हर प्रकार क मछ्छीयां समेट लायो। 48 अर जद व्ह ज्याळ पूरा भर ग्यो तो बोई उनॅ कराड़ मं खींच लाया।अर ऊँठी बठ’र छोखी-छोखी मछ्छीयां छाँट’र ठांगळीयां मं भर ली गी पण खराब-खराब मछ्छीयां फका दी गी। 49 अस्यां संसार का अन्त मं होवगी।सरगदुत न आर धर्मीयां न पापीयां सुँ न्हाळा करगा। 50 अर वानॅ आग का कुण्ड मं पटकगा,ऊँठी रोबो अर दाँत चाबबो होवगो क कस्यां ऊँठी घणा दुख होवगो।” 51 काँई थानॅ ये सारी बातां समझी?”वानॅ ईसु सुँ खी,”हाँ!” 52 ईसु न अपणा चेला सुँ खी,”झांको,ई लेखॅ हर एक निम सखाबाळा मनख ज्ये सरग क राज्य को जाणु छ,व एक अस्यां भण्डारी क नाईं छ ज्ये अपणा भण्डार मं सुँ नई अर पराणी चीजां खाड़ॅ छ।

नासरत गाँव मं ईसु को निरादर

53 जद ईसु न ये सारा ढास्टान ख' चुक्या छा तो ऊँठी सुँ खड़ ग्या। 54 अर अपणा गाँव नासरेत
मं आया अर जद यहूदीयां का आराम हाळो दन ईसु यहुदीयां की भेळा होबाळी सभा मं ग्या
अर ऊंठी मनख्यां क ताँई उपदेस सुणबा लाग्या।तो ईसु की उपदेस न सुण'र लोग-दणी सोच
मं पडग्या अर व एक दूसरा सूं बुझबा लाग्या,"ईनॅ या ज्ञान अर बड़ा-बड़ा चमतकार करबा
की शक्ती कठी सूं मली छ? 55 काँई यो ऊ खाती को बेटो कोई न्ह क? काँई ईंकी माँई को
नाऊँ मरियम कोई न्ह क? अर ईको भाईयां क नाऊँ याकूब,योसेस,यहूदा,अर समौन कोई न्ह
क? 56 काँई ईकी सारी बहणयां आपणा बीच मं न्ह रह छी क?"फेर ई काण यो सारा कठी सुँ
मल्या? 57 ई सूं वानॅ ईसु को निरादर कर्यो । तो ईसु न वां सुँ खी ,क"परमेस्वर की भविष्यवाणी
खबाळा न सारा मनख्यां सुं आदर पावॅ छ पण खाली अपणा खुद की नगरी अर कुठुम्ब सुं
आदर न्ह पावॅ।" 58 अर ईसु ऊंठी कोई चमतकार का काम कोई न्ह कर सकॅयो।क कस्यां
व्हानॅ व्हांकी बातां प बस्वास न्ह कर्यो।

14

बतिस्मा देबाळो यूहन्ना की हत्या

1 ऊ बगत गलील प्रदेस(जिल्ला) मं राज करबाळा राजा हेरोदेस न ईसु ज्ये कोई चमतकार कर्या
उंका बारॅ मं सुण्या। 2 अर उनॅ अपणा सेवकां सुँ खी' यो बत्तीस्मा देबाळो यूहन्ना छ ,ज्ये मरया
होया मं सु पाछा जीवता होग्या छ।अर ई लेखॅ ऊ सुँ चमतकार करबा काण शक्ती प्रगट होवॅ
छ। 3-4 या ऊ हेरोदेस छो,ज्यांन युहन्ना को बंदी बनार,स्याकळयां मं सुँ बाँधर कोठडी मं पटक
दियो,क कस्यां कोई समय पहली हेरोदेस न अस्यां करद्या,क ऊ खुद का भाई फिलीप्पुस
की घरहाळी जींक नाऊँ हिरोदियास छो ऊं सु ब्याव कर ल्यो। ऊनॅ ऊंको ब्याव करदीयो जद
फिलिप्पुस ऊंको लोग रह छो। ई सु यूहन्ना न हेरोदेस सु खी छी," थनॅ ज्ये अस्यां को काम कर्यो
छ ओ यहुदियां का निम क अनुसार उचित कोई न्ह छ।क थनॅ थारा भाई की लुगाई अपणी
घरहाळी बणाली छ ।य्हो तो पाप छ" । 5 ई लेखॅ राजा हेरोदेस उनॅ मारगाळबो छावॅ छो पण
लोग-दणीयां सुँ डरपॅ छो क कस्यां व उनॅ परमेस्वर की भविष्यबाणी खबाळो मानॅ छो। 6 पण
जद हेरोदेस को जनम दन आयो तो उ बगत मं हेरोदियास की छोरी ऊंठी आई अर ऊंका फावणा
क सामॅ नाच'र राजा हेरोदेस न घणी राजी कर दिया। 7 ई लेख राजा न ऊ छोरी सुँ सोगन्द खार
बचन दिया," क तू ज्ये छावॅ छ म्ह सूं माँग,म्हूँ थाँरॅ काण दिऊँ"। 8 अर व्ह छोरी अपणी माँई
क गोड़यां जा'र बुझबा लागी,म्हूँ काँई माँगुं ज्ये तू छावॅ छ?तो ऊंकी माँई ऊ सूं बोली,यूहन्ना
बतिस्मा देबाळो को माथो" माँग। अर व्हा उतावळी सीक भाग'र राजा क गोड़यां आ'र व्हा
राजा सूँ बोली,म्हनॅ यूहन्ना बतिस्मा देबाळो को माथो कटवा'र थाळी मं धर'र अबाणु म्हार
काण दे दिज्ये। 9 ई बात न सुण'र राजो घणो दुखी होयो।पण अपणा बचन क कारण अर लारां
बठबाळां क कारण ऊ छोरी सुं मना न्ह कर सकॅयो। 10 अर राजा न एक सिपाही काण हुकम
दे'र खन्नाद्यो क यूहन्ना को माथो काट'र ल्यावो। 11 अर उ सपाही एक तलवार सूं यूहन्ना को
माथो काट'र उनॅ एक थाळी मं धर'र उ छोरी क ताँई द्यो।अर ऊ छोरी न यूहन्ना को माथो ऊंकी
माँई क गोड़याँ लेगी। 12 अर यूहन्ना का चेला न जद ई बात क बारा मं सुणी तो व ऊंठी सूँ उ

लास न ले'र आया अर व्हाँनँ एक कबर मं गाढ़ दी अर जार ईसु काण समचार दिया।

ईसु को पाँच हजा़र लोगां काण रोटी खुवाबो

13 जद ईसु न या सुणी तो ऊ नाव मं चढ़र ऊठी सुँ सुनसान जग्ह मं एकान्त मं खड़ग्यो।पण
जद भीड़ न या सुणर लोग-दणी गाँवाँ-गाँवां मं सुँ खड़र पगा-पगा ऊकँ पाछँ होग्या। 14 जद ईसु
नाव मं सूँ तणँ उतर्या तो व्हांई एक घणी बड़ी भीड़ देखी अर वा प तरस खायो।अर उनँ वाकां
बेमार मनख छोखा कर्या 15 अर जद दन बुड़बा लाग्यो,तो ईसु का चेला व्हांकँ गोड़यां आ'र
ख'बा लाग्या; य्हा तो सुनी जग्ह छ अर मोड़ा बी घणा होग्या,ई लेखँ थां ये मनख्यां न बदा कर
द्यो जीसुँ व च्यारू और गाँव बस्तियां मं जा'र खुद क ताँई रोटीयां मोल ले सकँ। 16 पण ईसु
न चेला सूँ खी,वांकँ जाबा की जुरत कोई न्ह! क थाँ ही य्हांक ताँई खाबा काण द्यो। 17 चेला
न ईसु सूँ खी;म्हाकँ गोड़यां पाँच रोटीयां अर दो मछीयां न छोड़'र कांई भी कोई न्ह।" 18 ईसु न
खी,वानँ म्हारँ गोड़यां ल्यावो। 19 तो ईसु न सारा मनख न घास प पंगत मं बठाबा की खी,अर
ईसु पाँच रोटीयां अर दो मछीयां न हाथ मं ले'र स्वर्ग क आड़ी झाँक'र पराथना कर'र परमेस्वर
काण धन्यबाद द्यो,अर ईंक बाद मं व्ह रोटीयां ले'र ऊ रोटीयां का टुकडा-टुकडा कर'र चेला
काण दिया,चेला न सारा क ताँई बाट दी। 20 अर सारा मनख खा'र धापग्या। ईंक बाद मं व्ह
रोटीयां अर मछीयां बचगी ।फेर चेला न बची रोटियां अर मछ्छीयां सुँ भरी बाराह ठांगलीयां
उठाई। 21 अर रोटीयां अर मच्छीयां खाबाळा मं छोरा-छोरी अर लुगांई न छोड़र खाली लोग
पाँच हजार छा।

ईसु पाणी प पगां चाल्या

22 तो हाथ्युहात ये चमतकार क बाद मं ईसु न अपणा चेला नाव मं चढाया अर ज्या ताँई
भीड़ न बदा करँ,वा सुँ गलील की झील क दूसरी आड़ी म्ह सूँ आगँ चल जाबा काण खी। 23
व्ह भीड़ न बदा करँर, पराथना करबा काण एकलो एक डूँगर प चढ़'ग्यो,अर दन बुडयां की
बगत मं ऊँठी एकलो छो। 24 अर ऊ बगत मं नाव झील क बीचा-बीच मं हलोला सुँ डगमगा
री छी,क कस्यां सामँ की एक बड़ी भारी आँधी चालरी छी। 25 अर दन उग्बा क पहली तीन
बज्यां सीक ईसु झील मं पाणी क ऊपर पगां-पगां चालता होया चेला क गोड़यां आया। 26 पण
व उनँ झील का पाणी प चालतो देख'र घबराग्या,अर खबा लाग्या"औ तो भूत छ"अर व बार्हां
पाड़बा लाग्या। क कस्यां व सारा उन्ह देख'र डरपग्या। 27 पण ईसु हाथ्युहात वासूँ बाताँ कर्यो
अर बोल्यो,हिम्मत राखो,म्हूँ छूँ,डरपो मत"। 28 पतरस न ऊकाण ज्वाबदियो,है परभु,अगर तू
छ,तो म्हनँ पाणी प पगा चालर थाकँ गोड़याँ आबा की आज्ञा दँ। 29 ईसु न खी,"आजावो",तब
पतरस नाव मं सुँ उतर ईसु क गोड़यां जाबा काण पाणी प चालबा लाग्यो। 30 पण बाळ न
देखर डरपग्यो अर व्ह डूबबा लाग्यो तो बार्हां पाड़र खी,"है परभु म्हनँ बचावो!" 31 अर ईसु
न हाथ्योहात उको हाथ पकड़र ऊ थाम लियो अर ऊ सुँ खी," हे अल्प-विश्वासी,थनँ काँई काण
सक करदिया छ? " 32 फेर ईसु अर पतरस नाव प चढ़ग्या अर आँधी थमगी। 33 ई प वानँ
ज्ये नाव मं छा वानँ डोक देर खी;"चचमुच तू परमेस्वर को बेटो छ।"

गन्नेसरेत मं बेमारां न छोखो करबो

34 तो ईसु अर ऊंका चेला गलील की झील पार कर’र गन्नेसरेत का ईलाका मं पुग्या। 35 अर
नाव सूँ उतर ताँई ऊँठी रहबाळा लोग-दणीयां न ईसु पचाणल्या। तो वानॅ ईसु क आबा क बारां
मं सारा आस-पास ईलाका की सारी बस्तियाँ मं बताबा काण खन्नाया,जी सुँ लोग ज्ये बेमार
छा,व सारा न ईसु क गोड़यां लाया।क कस्यां व्ह वांनॅ छोखा कर देवॅ छ। 36 अर व ईसु सूं
अरज करॅबा लाग्या,क अगर बेमार मनख न अपणा लत्ता की खाली कोर क अड़सलिया बा दे
तो छोखा होजावगा।अर ज्ये कोई न व्हांका लत्ता अड़सलिया,व सारा अपणी बेमारी सूँ छोखा
होग्या।

15

रिती-रीवाज

1 फेर एक दन कोई फरीसीयां अर यहुदियां का निम सखाबाळा ज्ये यरुशलेम सहर सूँ आया छा
अर व सन्दाईं मल’र ईसु क गोड़यां आग्या 2 व्ह फरीसीयां अर यहुदियां का निम सखाबाळा न
ईसु सूँ बुझी क,”थारा चेला कांई काण आगला-बडा की रिती-रीवाज न कोन्ह मानरिया छ,अर
बना हाथ धोयां रोटी खाव छ?” 3 फेर ईसु न व्हांक तांई ज्वाब द्या, क थैं भी अपणा आगला-
बडा का रीती -रीवाज क कारण परमेस्वर का निम न टाळ छो? 4 क कस्यां परमेस्वर न अपणा
दास मूसा क द्वारा हुकम दिया छा।क थां अपणी माँई अर बाप की आदर करो,अर ज्ये कोई
अपणा माँई अर बाप को बरो करॅ, उनॅ जरूर मार देणो छावॅ छ । 5 पण थां अस्यां सखार्या छ
,क जद थारा माँई-बाप थां सुं कोई चिज माँग तो थें वासूं ख छ,क वा तो परमेस्वर काण भेंट
चढ़ादी छ।ई लेख थांक काण मदद न्ह कर सक्क।(अस्यां बोल’र थां थारा माँई -बापा की सेवा
करबा सूँ बरा छ)। 6 तो उनॅ अपणा माँई-बाप की सेवा अर आदर करबा की जुरत कोई न्ह ,ई
तरॅ सुँ थैं अपणा अगला-बडा का रीती -रीवाज क कारण परमेस्वर का निम न टाळ छो । 7 हे
कपटी मनखयांओ, यसाया नाऊँ का परमेस्वर की भविस्यबाणी खबाळा न घणा साल क पहली
परमेस्वर का बचन मं थांकॅ नांई कपटी मनखयां क लेख छोखा सुं माण्डया छा।अस्यां माण्डया
छ। 8 क “औ लोग खाली अपणा मुण्डा सूँ आदर करॅ छ पण व्हांको मन तो म्ह सूँ घणा दूर
छ”। 9 व्ह बनाफाल्तु म्हारी उपासना करॅ छ, क कस्यां मनख का निम न परमेस्वर को निम
बणा’र सखाव छ। यशायाह 29:13, 10 फेर ईसु भीड़ न ऊंक गोड़यां बला’र वा सूँ बोल्यो,”थां
सन्दांई म्हारी बात सुणलियो अर समझालियो। 11 ज्ये कोई मुण्डा सुं जावॅ छ(भोजन न मनख
खाव छ),ऊ उनॅ सुगलो न्ह करॅ छ, पण ज्ये कोई मनख क मुण्डा मं सूँ खड़ छ व्ह ही उन्ह
सुगलो करॅ छ। 12 तब चेला न आर ईसु सुँ खी,कांई थें जाणॅ छ क फरीसीयां न ये बचन सुणर
ठोकर खाई?” 13 ईसु न ज्वाब दियो,हर एक पोधो ज्ये म्हारा सरग मं रहबाळा पिता न कोन्ह
लगायो,ऊ ऊखाड़ दियो जावगो 14 वानॅ छोड़ दॅ,“व तो आन्धां क आन्धा नेता छ,अर अगर
एक आन्धो मनख दूसरा आन्धा क तांई गेलो बतावगो, तो दोनी आन्धा गड्ढा मं गर पड़गा।
15 या सुणर पतरस न ईसु सुँ खी,या ढास्टान को मत्लब म्हांक ताईं समझा दॅ । 16 तो ईसु न वा
सूँ खी,”कांई थांक हालतांई काई बी समझ मं न्ह आई क? 17 क थांनॅ न्ह जाणॅ क ज्ये कोई
चीज मुण्डा सूँ मनख क भीतर जाव छ व्ह ऊंका पेट मं जावगी अर हाथ-मुण्डा धोबा मं खड़

जाव छ?। 18 पण ज्ये कोई मनख क मुण्डा सूँ खड़ह छ,क कस्यां व्ह चिज मनख का मन मं
सूँ खड़ह छ, वा ही मनख न परमेस्वर की नजर मं सूगलो कर छ। 19 क कस्यां ज्ये चिज मनख
का मन मं सूँ खड़ह छ,क खराब बच्यार,मनख न मारबो,दूसरा की लुगाई न देखबो,व्यबीचार
,चोरी,झुठी गवाई अर कोई की चुगली करबो,ये सारी खराब बातां मनख का मन मं सूँ खड़
छ 20 अर व्ही उनँ सुगलो बणादेवँ छ।"पण बणा हाथ धोया रोटी खाबो मनख न सुगलो कोई
न्ह करँ ।

एक बायर को बस्वास

21 तो ईसु अर ऊंक चेला उ जग्ह न छोड़'र तीरु अर सीदोन नाऊँ का ईलाका मं चल ग्या। 22
अर झांको,ऊ ईलाका सुँ एक कनानी लुगाई आई,अर बार्हारा पाडर खबा लागी,हे परभु,राजा
दाऊद की सन्तान ,म्ह पँ दया कर,म्हारी छोरी न गन्दी सक्ती घणा सता रियो छ। 23 ईसु न
ऊ लुगाई काण काँई ज्वाब कोन्ह दिया,अर ऊँका चेला न ऊकँ गोडयां आर अरज करबा
लागया,ईनँ बदा कर क कस्यां वां आपणँ पाछँ बहारीं पाडती होई आरी छ। 24 ईसु न ऊ काण
ज्वाब दियो,म्हूँ खाली इस्राएल क लोगां ज्ये गमी होई गाड़रा क नाईं छ,व्हाकी मदद करबा
काण खन्नायो ग्यो छूँ। 25 पण व्ह लुगाई ईसु क सामँ ढोक देर ख'बा लागी,,"है परभू,म्हारी
मदद कर।" 26 ईसु न ऊ लुगाई सूँ खी, बच्चा की रोटयां न कुसकँार गण्ड़कड़ा क बच्चा(भुच्रया)
क आगँ फक्का देबो छोखो कोई न्ह । 27 तो ऊ लुगाई न ईसु काण ज्वाब द्यो,"है परभू थां
साँची ख छ; तोबी बच्चा की रोटी मेज क तणँ गर्या टूकड़ा न गण्डकडा़ क बच्चा(भुच्रया)ही तो
खाव छ।" 28 ईसु न ऊंकी बात सुण'र ऊसूँ खी,हे नारी, थारी बस्वास बड़ा छ,जस्यां तु छाव
छ,अस्यां थारँ काण होवँ। अर ऊ घडी सूँ भूत खढ़ग्यो अर व्हा छोरी छोखी होगी।

ईसु न घणा बेमार मनख छोखो करबो

29 फेर ईसु अपणा चेला क लारां तीरु अर सीदोन ईलाका न छोड़'र गलील की झील क गोड़यां
आग्या। अर ऊठी एक डूंगर प चढ़र बठग्यो। 30 तब भीड़ की भीड़ ऊँक गोड़यां आई अर व
आपणा लारां लँगड़ा-लूलां, अंधां, अपाहिजों, बहरां-काल्लां अर अस्यां ही घणा सारा रोगियां न
लेर ऊक गोड़यां आबा लागी।अर व ईसु को पगा मं पटक दिया अर ईसु न व्ह चंगा कर दियो।
31 जद लोग-दणीयां न देख्यो क काल्ला बोलँ छ अर लूला छोखा होवँ छ अर लंगड़ा चालँ छ
अर आन्धा देखँ छ तो लोग-दणीयां अचम्भबो करर इस्राएल का परमेश्वर की बडाई करबा
लाग्या।

च्यार हजा़र मनख्यां क ताँई खुवाबो

32 ईसु न अपणा चेला बला'र वा सु खी, म्हनँ ई भीड़ प दया आरी छ क कस्यां य मनख तीन
दन सुँ म्हारँ लारां छ अर व्हांक गोड़यां खाबा काण कांई बी कोई न्ह। अगर अबाणु म्हूँ वानँ
भुखा पेट सु घरां खन्नाऊँ तो व गेला मं ही थाकर ऊंठी ही गोडा टेक देगा।(क कस्यां यां मं सुँ
कोई कोई घणा दूर सूं आया छ।) 33 तो ऊंका चेला न ईसु सुं खी,ई सुनी जग्ह मं अतना मनख
न धापर खुवाबा काण म्हां कठी सु रोटयां लावां? 34 ईसु न चेला सूं बुझी"थांक गोड़यां कत्री
रोटियां छ?"व बोल्या,म्हांक गोड़यां सात रोटयां अर थोडी सी मछ्छीयां छ।" 35 फेर ईसु न

भीड़ँ सूं खी,थ पंगत बणर धरती मं बठ जाबा काण आज्ञा दी। । 36 अर ईंक बाद ईसु व सात
रोटयां न हाथ मं ले'र परमेस्वर काण धन्यवाद देर व रोट्यां का टुकड़ा-टुकडा़ कर'र अपणा
चेला काण देतो ग्यो अर चेला भीड़ काण परोसता ग्या। 37 व सारां खा'र धापग्या अर चेला न
बच्यी रोट्यां सुँ सात ठांगल्यां भर'र उठाई । 38 ऊंठी खाबाळा मं लुगायां अर बाळकां न छोड़र
करीब च्यार हजा़र लोग छा। 39 जिंक बाद मं ईसु न व्ह लोग-दणी ऊंठी सूं बदा कर्या। अर व्ह
अपणा चेला क लारां नाव प चढ़र मगदन नाऊँ का ईलाका क आड़ी चलग्या।

16

फरीसीयां न ईसु सूँ सरग की निसाणी माँगी

1 फेर फरीसीयां अर सदुकियां न ईसु क गोड़यां आ'र व ईसु न परखबा काण ऊ सुँ खी, म्हां
काण सरग की कोई निसाणी दिखा।(क कस्यां व ईसु न फसाबो छाव छा)। 2 ईसु न वांका
काण ज्वाब दियो,दन बुडियां प थें ख'व छो,क आज मोसम बडिया रहगो क कस्यां बादळो
रातो छ। 3 अर दन ऊग्या ख' छो,क आज आंधी आवगी क कस्यां बादळो रातो अर धुंधळा
छ;थां आकास क लखणा (लक्षणों)न पहचाणबो तो जाणॅ छो पण अपणा समय की लखणा न
न्ह पहचाण सक्कया? 4 ईसु न खी, ई जुग का बरा अर व्यभिचारी लोग नसाणी हेरॅ छ पण पराणा
जमाना मं परमेस्वर की भविषयबाणी खबाळा योना का नसाणी क अलावा ओर कोई नसाणी
न्ह दिया जावगा,अर ईसु वानॅ छोड़र खड़ग्यो।

फरीसीयां अर सदुकियां का खमीर

5 ईसु का चेला नाव मं चढ़र झील क फेलाडी पुग्या पण व वांकॅ लारां रोटी लाबो बिसर ग्या
छा। 6 अर ईसु वासुं जतार बोल्यो,क देखो,फरीसीयां अर सदुकियां का खमीर सूँ समळर
रहो" 7 ईसु का चेला अपणा-आप बच्यार करबा लाग्या,क ईसु या बात ई लेख बोल्यो छ, क
कस्यां आपण गोड़यां रोटीयां कोई न्ह ल्याया? 8 या जाण'र ईसु न वांसूं खी,हे अल्पविश्वासियां
थां काई काण अपणा-आप बच्यार कर्या छ , क आपण गोड़यां रोटीयां कोई न्ह? 9 कांई थां
हालताँई कस्यां न्ह समझया?अर पाँच हजार मनख्याँ काण पाँच रोठयां थानॅ याद कोन्ह काई?
अर ऊ बगत थांनॅ रोटयां का टुकड़ा सूं भर'र कत्नी ठांगलियां उठाई छी? 10 "अर जद च्यार
हजा़र मनख्यां क ताँई सात रोठ्यां सूं धपाया छा ऊ बगत मं थांनॅ रोटयां का टूकड़ा सूं भर'र
कत्नी ठांगलियां उठाई छी?" 11 काँई थां कस्यां न्ह समझ्या क म्हनॅ थासुँ रोटियां क बारां
मं न्ह खि? पण फरीसीयां अर सदुकियां का खमीर सूँ समळर रहो" 12 तब वांक समझ मं
आया,क ऊ रोटीयां क खमीर सुँ कोई न्ह, पण फरीसीयां अर सदुकियां का शिक्षाओं सूँ समळर
रहोबा काण खी छी।" पतरस बोल्यो ईसु ही मसीह छ (मरकुस 8:27-30; लूका 9:18-21)
13 फेर ईसु अर ऊंका चेला कैसरिया फिलीप्पी का ईलाका मं आया,तो ईसु न ऊंका चेला
सूँ बुझी,म्हारा बारा मं लोग-दणी कांई ख'रिया छ," क म्हूँ कुण छूं?।" 14 चेला न ऊंकताँई
ज्वाब द्या,कोई लोग खवॅ छ,क थां बत्तीस्मा देबाळो यूहन्ना छ;कोई खवॅ छ,क थां परमेस्वर की
भविस्यवाणी खबाळा एलिया छ। अर कोई मनख खव छ,थें यिर्मयाह छ अर कोई मनख खव
छ,क थें,घणा साल क पहली परमेस्वर की भविस्यवाणी खबाळा मं सु एक छ " 15 फेर ईसु

न वां सूं बुझी,क थां म्हनॅ काई खवॅ छ, म्हूँ कुण छूं?" 16 तो शमोन पतरस न ज्वाब द्यो,' क
तु जीवता परमेश्वर को बेटो मसीह छ ' 17 ईसु न व्हां सुँ खी," हे शमौन!,योना को बेटो,तू भलो
छ क कस्यांक थांक ई बात कोई मनख सुँ न्ह,पण म्हारा पीता ज्ये सोरग मं छ,या बात थाप
प्रगट करी छ। 18 अर म्हूँ थाँसुँ खरियो छूँ ,क तु पतरस छ(जिंका मल्लब छ भाटो)।अर ई भाटा
प अपणी कलीसिया(बस्वास्यां की टोळी)बणाऊं।कोई भी बेरी अर मरण भी उ प हावी (प्रबल)
न्ह होवगी । 19 म्हूँ थारॅ काण सरग क राज की कुंजियां दे रियो छूँ।ताकी ज्ये काँई तु धरती प
बांधॅगो ऊ सरग मं परमेस्वर क वाळ बांधयो जावगो अर ज्ये कोई तु धरती प खोलगो ऊ सरग
मं परमेस्वर क वाळ खोलयो दियो जावगो। 20 ईसु न चेला सुँ जतार खी," क थां ई बात क
बारा मं कोई सूं मत खीज्यो ज्ये थांनॅ बताया छ,क म्हूँ मसीह छूं।"

(ईसु अपणा) मरबा क बारॅ मं भवीस्यबाणी

21 फेर ईसु अपणा चेला काण बताबा लाग्या,या तो जरूर छ,क म्हूँ यरूशलेम मं जाऊँ,छ, क
म्हूँ मनख को बेटो छूँ ज्ये घणा दु:ख उठावगो अर यहुदीयां का मुख्य मनख,प्रधान याजकां अर
यहुदियां क निम खबाळा वांको न्याय कर'र दोसी बताऊगा अर उनॅ मार गालगा पण मनख को
बेटो तीन दन मं मरया होया मं सूं पाछो जिन्दो हो जावगो। 22 पण पतरस या बातां न सुणर ईसु
न न्हाळो ले जा'र व्हानॅ पटकारबा लाग्यो,हे परभु,परमेसवर न्ह करॅ,थांक लारां अस्यं कदी भी
न्ह होवगी। 23 पण ईसु पाछॅ मुड़र पतरस न दकाल'र बोल्यो,"हे,सेतान, म्हारॅ सामॅ सूँ खड़
जा।क कस्यां परमेस्वर की बात मं थारो मन कोई न्ह,पण मनख्यां की बात मं मन लगाव छ।"
24 फेर ईसु न अपणा चेला सुं खी,अगर ज्ये कोई मनख म्हारो चेलो बणबो छावॅ छ उ ऊंका
सारा मन की बात न म्हारी ईच्छा क ऊपर छोड़णो पड़गो अर "उनॅ अपणा कुरुस उठा'र म्हारॅ
लारां हो जाव "। 25 क कस्यां ज्ये कोई अपणो जीवन बचाबो छाव छ ऊ उनॅ गमाऊगो,पण ज्ये
कोई म्हारॅ काण अपणा जीवन देवॅ तो उ उनॅ बचाउगो। 26 अगर ज्ये कोई मनख सारा जगत की
समपतियां प्राप्त करॅ लेव पण परमेस्वर क लारां रह'बा काण अमर जीवन प्राप्त न्ह करॅ तो,ऊंक
कांई फायदो छ क? कांई ज्ये कोई अमर जीवन पाबा काण परमेस्वर क तांई कोई चिज दे सकॅ
छ क ? 27 मनख को बेटो अपणा सरग का दूतां क लारां,अपणा पीता की महमा मं आऊगो,ऊ
बगत मं हर एक मनख क वांका कामां क अनुसार प्रतिफळ देवगो। 28 फेर ईसु न वासूँ खी,म्हूँ
थां सूँ साँची खर्यो छूँ,सुण! क ज्ये य्हां ऊबा मनखयां मं सूँ कोई-कोई तो अस्यां का छ, क व
ज्यांताँई मनख को बेटो न ऊकॅ राज्य मं आतो होयो कोन्ह देखॅगा तबताँई मोत कोन्ह होवगी।

17

ईसु को रुप बदलबो

1 छ:दन क बाद ईसु अपणा तीन चेला पतरस,याकूब अर ऊका भाई यूहन्ना न लारां ले'र एक
ऊँचा डूँगर प ग्या ज्यां व एकला रिया। 2 ऊंठी व्हाँक सामॅ ईसु को रूप बदल ग्यो, अर ऊको
मुण्डो सुरज क नाईं चमक्यो अर ऊका लत्ता उजाळा क नाईं धोळो होग्या। 3 फेर अचानक मूसा
अर एलिया ईसु क आगह प्रगट हो'र व ईसु सूँ बातां करबा लाग्या। 4 या देखर पतरस न ईसु सूँ
खी क,"हे परभु,ओ कत्नो छोखो छ, क आपण य्हां छां।अगर थें छावॅ तो म्हांनॅ य्हां तीन तम्बु

बणाबा द एक थारॅ काण,एक मुसा काण अर एक एलिया काण।" 5 पतरस अबाणु बातां कर
ही रिया छो क एक चमकतो होयो बादळो आयो अर व ऊ बादळा न ढांकलिया अर बादळा मं
सुँ या आकासबाणी होई क "यो म्हारो लाड़लो बेटो छ"।जीसुँ म्हूँ घणो राजी छूँ।थां ईंकी बात
न सुणो।" 6 चेला या सुणर(मुण्डा) आडा गर पड़या अर घणा डरप ग्या। 7 ईसु न वांक गोड़यां
आर अड़सया, अर खी,उठो;डरपॅ मत। 8 जद वाँनॅ अपणी आख्यां उठाई अर ईसु क अलावा
तो ओर कोई बी न्ह दिख्या। 9 जद व डूँगर सूं तणॅ आर्या छा ईसु न व्ह तीन चेला काण हुकम
द्यो क ज्यांताँई म्हूँ,मनख को बेटो मरया होया मं सुं फेर जिन्दा न्ह होजाऊँ।तबतांई थांनॅ ज्ये
ऊंठी देख्यो छ ऊंका बारा मं कोई सूँ बी मत खिज्यो। 10 तो चेला न ईसु सूँ बुझी,यहुदियां का
निम सखाबाळा मनख खामी ख छ, क मसीह क पहली एलेया को आबो जरूरी छ?" 11 ईसु
न वांक काण ज्वाब दियो,सच्चाई,एलेया,मसीह क पहली आ'र सारी बातां न छोखा करगो। 12
पण म्हूँ थां सूँ खर्यो छूँ, क एलिया आ चुक्यो छ पण लोग-दणीयां न ऊ न्ह पहचाण्यो पण जस्यां
छाव छ अस्यां मनख्यां न ज्ये छायो ऊंकॅ साथ कर-करालियो।" ,ई रीति सुँ मनख को बेटो भी
वांक हाथ सुँ दुःख उठावगो। 13 तब चेला न समझी क उनॅ आपण सुँ बत्तिस्मा देबाळा युहन्ना
क बारां मं खी छ। ईसु न एक छोरो को छोखो करबो (मरकुस 9:14-29; लूका 9:37-43) 14
जद ईसु अपणा तीनु चेला क लारां डुँगर सूँ उतरया ज्यां दूस्रा चेला ठहरियां छां व्हांई आया
।तो एक मनख ऊँक गोड़यां आयो अर गोडा टेककर ख'बा लाग्यो। 15 है परभु, म्हारो छोरो प
दया कर;क कस्यां उनॅ मिर्गी आवॅ छ?अर ऊ घणो दुःख उठाव छ; अर बार बार आग मं अर
बार बार पाणी मं गर पड़ॅ छ। 16 अर म्हूँ उनॅ थांक चेला क गोड़यां लायो छो पण व उनॅ छोखा
कोन्ह कर सक्या। 17 ईसु ऊंकी बातां सुण'र चेला सूं खी,"है भटका होयो अबस्वासी पीढ़ी
क मनख्यांओ,म्हूँ खां तांई थांक लारां रहऊं अर खा तांई थांकी सहुं? ऊ छोरो न म्हारॅ गोड़यां
ल्यावो" 18 फेर ईसु न व्ह भुत दकाल्यो अर व्ह ऊ मं सुँ खड़ गी।अर व्ह छोरा ऊ घड़ी मं
छोखा होग्यो। 19 तब चेला न एकला मं ईसु क गोड़यां आर बुझी,म्हां ऊ छोरो मं सूँ ऊ भूत न
कस्यां कोन्ह खाड़ सकॅया?" 20 फेर ईसु न व्हाँक ताँई ज्वाब द्या,क कस्यां था मं बस्वास की
कमीमछ।म्हूँ था सुँ साँची खरियो छूँ,अगर थाका बस्वास राई का दाणा क बराबर भी हो,तो ई
डुँगर सुँ ख'गा, क अठी सुँ सरकर ऊँठी चल जा,तो व्ह चल जावगो अर थांक लेखॅ असम्भव
काँई भी कोन्ह होवगी। 21 (पण अस्यांण को भूत पराथना क बना कोई तरीका सूं मनख्यां मं
सूं न्ह खड़ सक्क छ।)

ईसु न अपणा मरबा क बारा मं फेर बी भबीषयबाणी खबो

(मरकुस 9:30-32; लूका 9:43-45) 22 जद व गलील मं छा,तो ईसु न वासुँ खी, "मनख को
बेटो मनख्यां क हाथ मं धोखा सूँ पकड़वायो जावगो। 23 अर व उनॅ मारगालगा पण व्ह तीन
दनां मं मर्या होया मं सूँ फेर जिनदो होजावगो।ये सुण ताईं चेला घणा कळेस करबा लाग्या।

कर का भुगतान

24 जद ईसु अर ऊँका चेला कफ़रनहूम सहर मं पुग्या तो मन्दर क लेखॅ कर लेबाळा न पतरस
क गोड़यां आर बुझी,काँई थाकां गरूजी मन्दर को कर न्ह देवॅ?,पतरस न ज्वाब दियो,हाँ,व्ह
देव छ। 25 जद व घरां आग्या,तो ईसु न वा खबा की फेली वासुँ बुझी,हे शमोन,थारो काँई

बच्यार छ? धरती क राजा कुसुँ चुंगी अर कर लेव छ? स्वयं अपणा बेटा सुँ या पराया सुँ ?"पतरस न ऊ सुँ खी,पराया सुँ। 26 ईसु न ऊसुँ खी,मल्लब ऊका खुद का बाळक न छूट रह'व छ। 27 पण म्हां ऊ मनख्यां न रोस कोई न्ह करां,ई लेख झील प जार अपणा बाळया-ढोर फँका दॅ अर ज्ये मछ्छी फेली पकड़बा मं आवॅ उका मुण्डा खोलज्ये थानॅ एक सिक्का मलगो। उनॅ लेर म्हारा अर थारॅ काण वानॅ दे द।

18

सारा सूँ बड़ो कुण छ

1 उई घडी चेला ईसु क गोड़यां आर बुझबा लाग्या,क सरग का राज मं बडो कुण छ? 2 फेर ईसु एक छोटा बाळक न अपणा गोड़यां बलार व्हांकॅ बीचा मं खड़ो कर्यो। 3 अर खी,म्हूँ थासुँ साँची खरियो छूँ,अगर थें मन कोन्ह बदळर छोटा छोरा-छोरीयां क नांई कोई न्ह होव तो, सरग का राज्य मं न्ह जा सक्क छ।" 4 ई लेखॅ ज्ये कोई अपणा-आप न ई बाळक क नाईं नरम बणावॅ छ,ऊ सरग को राज मं सब सुँ बड़ो छ। 5 "ज्ये कोई म्हारा नाऊँ सुँ अस्यां बाळकां मं सुं कोई एक न बी अपणाव छ ,तो ऊ म्हनॅ बी अपणाव छ ।

खोटा काम काण सजा

6 अर ईसु न खी,अगर ज्ये कोई ,य्ह छोटा मं सुँ ज्ये म्ह प बस्वास करॅ छ, वा मं सूं एक न बी पाप क गेला मं ले जावॅ तो,परमेस्वर व्हांका काण घणो दंड देवगा पण अगर उ मनख क गळा मं घट्टी को पाट बांध'र समंदर क ऊण्डा मं पटकबा सुं भी व्हांक तांई परमेस्वर जादा दण्ड देगा। 7 "लोगां (मनखयां) न इ संसार मं परमेश्वर न छोड'र पाप मं गराबा की परीक्षाये होती ई रहवगी। पण, हाय! व्हांनॅ ज्ये मनखयां न इ तरॅ परीक्षा मं गराव छ। (उकी कतनी भयंकर दशा होवगी!) 8 अगर थारो हाथ अर थारा पग थनॅ खोटा-गुनाह करवाव तो उनॅ काट'र फक्का द।क कस्यां तु एक हाथ को बण'र एक हाथबाळा या खोड़यो बण'र एक पगहाळा होर परमेस्वर क गोड़यां अमर जीवन मं चलजाबो थां क लेख ई सुँ छोखा छ,क दो हाथ या दो पगां होर जे आग कदी बी कोई न्ह बझॅ,व्ह आग(नरक) मं पटक दिया जावॅ। 9 अगर थारी आँख थनॅ खोटा-गुनाह करवाव तो उन खाड़र फँका दॅ। 10 क कस्यां ,काणो बण'र एक आँख्यांहाळो होर परमेस्वर क राज्य मं चलजाबो थांकॅ लेखॅ ई सुँ छोखा छ,क दो आँख हाळो होर नरक क आग मं पटक दिया जावॅ।

गमी होई गाड़रो की बात

11 झांको,थें ये छोटा मं सुँ कोई न भी नीच न्ह समझ्यो,क कस्यां म्हूँ थासुँ खरियो छूँ,क सरग मं वांक दूत म्हारा सरग्य पिता क गोड़यां लगातार रह'व छ।(क कस्यां,म्हूँ,मनख को बेटा गम्यो होया न हेरबा काण आयो छूँ) 12 थें काँई सोचॅ छो?अगर था मं सुं ज्ये कोई क गोड़यां सौ गाडरा छ,अर वा मं सुं एक गाडर गम जाव,तो नन्नानवे न जंगळ मं छोड़'र।ऊ गमी होई गाडर न कोई न्ह हेरगो क? 13 अर अगर अस्यां होवॅ क वा उनॅ पावॅ तो म्हूँ थासुँ साँची खरीयो छूँ,क व्ह ऊ निन्नानवे गाडरा क लेखॅ ज्ये गमी कोई न्ह छो अतनी खुशी न्ह आवगी जतनी ऊ गमी

होई गाडर पाबा क बाद मं खुशी आवगी। 14 अस्याँ ई थाका पिता ज्ये सरग मं छ,वांकी या
अच्छया कोन्ह, क ये छोटा मं सुँ एक भी कोई न्ह गमॅ।

बरो करवाळा न समझायो

15 अगर थारो भाई थारा बरोध मं अपराध करॅ ,तो जार अर एकला मं बातचीत कर'र ऊ सुँ
समझा;अगर व्ह थारी सुण लेवॅ तो थनॅ अपणो भाई पा ल्यो। 16 अगर ऊ न्ह सुणॅ तो एक या दो
जणा न अपणा लारां ले जा,क हर एक बात दो या तीन गवाई का मुंडा सुँ ठीक हो जावॅ । 17
अगर ऊ वांकी भी न्ह मानॅ तो कलीसीया सुँ ख'दॅ पण अगर ऊ कलीसिया की भी न्ह मानॅ तो
तू उन्ह अन्य जाति ज्ये परमेस्वर प बस्वास कोई न्ह करॅ अर कर लेबाळा का जस्यां मान लॅ।
18 म्हूँ था सुँ साँची खरियो छूँ,ज्ये कोई तु धरती प बांधगो ऊ सरग मं बांधगो अर ज्ये कोई तु
धरती प खोलगो ऊ सरग मं खुलगो। 19 म्हूँ थासुँ फेर खरियो छूँ, अगर थां मं सु दो जणा धरति
प कोई बात क लेख ज्ये व मांगॅ,एक मन होर म्हारा स्वर्ग पिता सुँ अरज करॅ तो व्ह वांक लेखॅ
पुरी हो जावगी। 20 क कस्यां जठी दो या तीन मनख म्हारा नाऊँ सुँ एकट्टा होव छ,ऊँठी म्हूँ
वांका बीचा मं होव छूँ।

नर्दया दास की ढास्टान

21 फेर पतरस न ईसु क गोड़यां आर खी,हे परभु,अगर म्हारा भाई म्हारा बरोध मं अपराध
करतो रह,तो म्हूँ कतनी बार उनॅ माफ करूँ,काँई सात बार ताँई? 22 ईसु न उसुँ खी,म्हूँ था सुँ
या कोई न्ह खरियो क सात बार ताँई माफ करॅ पण सात बार का सत्तर गुणा ताँई माफ कर।
23 ई लेखॅ सरग का राज्य अस्यां राजा क नाईं छ, जिनॅ अपणा दासा सुँ लेखो(इसाब) लेबो
छाये। 24 जद ऊ लेखो लेबा लाग्यो तो राजा क गोड़यां एक मनख लायो ग्यो,जिकॅ दस हजार
तोड़ा मातॅ छा। 25 पण जद ऊकॅ गोड़यां चुकाबा काण काँई भी कोई न्ह छो,तो वांका मालिक
न हुकम दियो क उनॅ अर ऊँकी लुगाई अर ऊँका छोरा-छोरि न अर ज्ये कोई ऊका गोड़यां
छ,सारां न बेचर करज चुका दिया जावॅ। 26 ई पॅ ऊ दास न आड़ो पड़र ढोक देर ऊसुँ खी,हे
मालिक,धीरज रखाण दिज्ये,म्हूँ थाका सारा पिसा चुका दियुँ। 27 फेर ऊ मालिक न ऊ दास प
दया आई अर ऊनॅ ऊको कर्ज माफ कर'र उनॅ छोड़ दिया। 28 फेर जद ऊ दास ऊँठी सुँ जा रियो
छो,तो ऊँक लारां को एक दास मल्यो,ज्ये ऊ सुँ सौ दिनार ले मल्यो छो;व्ह उनॅ पकड़र ऊको
गळो दबाबा लाग्यो अर खी,ज्ये थामॅ म्हारा पीसा छ,उनॅ लौटा द। 29 ई पॅ उंको लारां को दास
न आड़ो पड़र ढोक देर ऊसुँ खबा लाग्या,हे मालिक,धीरज रखाण दिज्ये,म्हूँ थाका सारा पिसा
चुका दियुँ। 30 फेर भी ऊ कोई न्ह मान्यो,पण जार उनॅ कोटडी मं भुजादियो;क ज्यांताईं कर्ज न
न्ह चुका देवॅ,व्हांताईं ऊठी(कोटडी) रह। 31 पण दूस्रा दास या सारी घटना न देखर घणा दुखी
होया।अर वांनॅ जा'र मालिक काण सारी घटना सुणाई। 32 जद ऊका मालिक न उनॅ बलार
ऊ सुँ खी,अरे निच,म्हूँ थारा व्ह सारा कर्ज़ माफ कर दिया क कस्यां थनॅ म्ह सुँ दया की भीख
माँगी छी। 33 काँई थनॅ भी लारां का दास प दया कोई न्ह दिखाणी छायजे छी जस्यां म्हनॅ था
प दया करी छी? 34 जिसुँ ऊ मालिक घणा रोष मं होयो उनॅ सताबाळा क हाथ मं सुपादियो,
क ज्या ताईं सारा कर्ज चुका न्ह देवॅ,वां ताईं ऊका हाथ मं रह। 35 ई तरॅ सुँ अगर थें मं सुँ हर
एक अपणा भाई न मन सुँ माफ न्ह करॅ,तो म्हारॅ पिता ज्ये सरग मं छ,था सुँ भी अस्यांई करगो।

19

तलाक क बारा मं बात

1 जद ईसु ये बातां ख चुक्या छा,तो गलिल सुँ चलग्यो,अर यहूदियां क क्षेत्र मं यरदन नंदी क
पार आया। 2 अर एक बड़ी भीड़ ऊँठी ऊँकॅ पाछॅ हो ली अर ईसु न व्ह ऊँठी छोखा कर्या। 3
जद फरीसी मनख ऊंक गोड़यां आ'र ऊंकी बातां मं गलती पकड़बा काण ऊसूं बुझबा लाग्या,
काँई आपणा निम मं या उचित छ क,कोई मनख अपणी लुगाई न कस्या भी कारण सुं छोड़
सक्‍क छ क? 4 ईसु न ज्वाबदियो,काँई थानॅ धर्म-ग्रन्द मं कोन्ह बाच्या क जगत को रचबाळा
न सरु मं ही सुँ वानॅ एक लुगाई अर एक आदमी क रूप मं बणाया छ। 5 ई लेख, मनख अपणा
मांई-बाप सुं न्हाळा हो'र व्हांकी लुगाईयां क लारां रहगा अर व्ह दोनी एक तन होजाऊगा 6 ई
कारण व्ह दोनी अबाणु न्हाळा न्हाळा मनख कोई न्ह पण एक ही मनख छ। " ई लेख,परमेस्वर
ज्यांनॅ जोड़या छ व्हान न्हाळा मत करो।" 7 व्हांनॅ ईसु सुं बोल्या, फेर मुसा न काँई काण या
रखाण्या,क तलाक को कागज देर छोड़ देवॅ। 8 पण ईसु न व्हा सूँ खी, मुसा न या बात थारा
आगला-बड़ा मनख्यां का मन की खरडाई देख'र उ कारण सुँ अपणी लुगाई न छोड़ देबा काण
अनुमति दी पण सरू सुँ अस्यां रीती कोई न्ह छी। 9 पण म्हूँ थांसुँ या खर्यो छूँ क ज्ये कोई अपणी
लुगाई काण व्यभिचार क अलावा कोई कारण सुँ तलाक देर दूसरी लुगाई सुँ ब्याव कर ले तो
ऊ व्यभिचार कररियो छ। 10 चेला न ईसु सुँ खी,अगर लोग को अपणी लुगाई क लारां अस्यां
सम्बन्ध छ, तो ब्याव करबा छोखा कोन्ह। 11 फेर ईसु न वासुँ खी,सारांई ई बात न कोई न्ह
मान सकॅ छ,खाली ज्यां काण या दान दियो ग्यो छ। 12 कोई अस्यां छ ज्ये अपणी माँई क पेट
सुँ नपुंसक पैदा होया छ।अर कोई अस्यां छ ज्ये लोगां क द्वारा नपुंसक बणा दियो ग्यो छ। अर
अंत मं कोई अस्यां छ ज्यांनॅ सरग को राज्य क कारण ब्याव कोई न्ह करबा काण निश्चय किया
छ। ज्ये इ उपदेश न मान सकॅ छ मान ले।"

ईसु मसीह अर छोटा छोरा-छोरी

13 फेर कोई मनख छोटा छोरा-छोरीयां न ईसु क गोड़यां ले'र आया व छाव छां क ईसू व्हा
छोरा-छोरीयां क माथा प हाथ धर'र पराथना करॅ पण ईसु क चेला वानॅ दकाल्या। 14 जद
ईसु न या देख'र अपणा चेला सूं बोल्या,"छोटा छोरा-छोरीयां न म्हारा गोड़यां आबा द्यो अर
व्हानॅ मत रोखो,क कस्यां सरग को राज्य अस्यां मनख्यां काण बणायो छ।(ज्ये कोई मनख ऊ
छोटा छोरा-छोरीयां क नांई होव छ।) 15 तो ईसु व्ह छोटा छोरा-छोरीयां क माथा प हाथ धर'र
आशीरबाद द्यो अर ऊँठी सुँ चलग्यो।

पीसाहाळो मनख की बात

16 अर झाँको,ऊंठी एक मनख ईसु क गोड़यां आर बुझबा लाग्यो,"औ! गरुजी,म्हूँ परमेस्वर
क लारां अमर जीवन पाबा क ताँई कस्यो भला काम करूँ?" 17 ईसु ऊ सूँ बोल्यो," तू म्ह सुँ
भला क बारां मं काँई काण बुझॅ छ? खाली एक ही भलो छ अगर तु अमर जिवन मं जाबो छावॅ
छ तो निम न मान ले ज्ये निम न परमेस्वर ऊका दास मुसा सुँ दे दियो। 18 ऊ मनख न बुझी
कस्या निम? तब ईसु न खी,हत्या मत करज्ये,व्यभिचार मत करज्ये,चोरी मत करज्ये,दूसरा का

बरोध मं झूठी गुवाई मत दिज्ये, 19 अपणा माँई-बाप को आदर करज्ये।” अर अपणा पड़ोसी सुँ अपणा समान प्रेम करज्ये। 20 उ मोटयार मनख न ईसु सूँ बोल्यो,”,ये सारा निम न तो म्हूँ मानतो आयो छूँ।”फेर म्ह मं काँई बात की कमी छ? 21 तो ईसु न व्हा सूं खी,अगर तू संपूर्ण बणाबा छावॅ छ,तो तू जा’र थार गोड़्या ज्ये कांई चीझ छ व्ह सारी न बेच’र गरीब लोगां काण बाँट द,अर थाँर ताँई सरग मं धन मल्हगो।फेर तू म्हारो चेलो होजाव।” 22 पण ई बात न सुण’र ऊंको मुंडो लटकग्यो अर ऊ घणो दूखी होर ऊंठी सूँ चलग्यो,क कस्यां ऊ घणो पीसाहाळो मनख छो। 23 तब ईसु न अपणा चेला सूँ खी, पीसाहाळा मनख्यां को सरग का राज्य मं जाबो कत्नो खर्डो छ “ 24 फेर म्हूँ थाँसुँ खरियो छूँ,क ऊंठड़ा को सूई का नाका मं उळबो घणो खर्डो छ पण ऊ सुं बी घणो खर्डो छ पीसाहाळा मनख को परमेस्वर का राज्य(सरग) मं जाबो । 25 या सुणर व खूब सोच मं होर बुझबा लाग्या, फेर कुकॅ काण छुटकारा हो सकॅ छ?” 26 तो ईसु न चेला क आड़ी देख’र खी,मनख क ताँई या बात असम्भव छ पण परमेस्वर क तांई कोई न्ह,क कस्यां परमेस्वर क लेख सारा काम सम्भव छ”। 27 पतरस ईसु सूँ ख’बा लाग्यो, क देख,म्हां तो सारी चीझां न छोड़’र थांकॅ पाछॅ आया छां,तो म्हांनॅ काँई मलगो”। 28 फेर ईसु न ऊं सुँ खी,”म्हूँ थासूँ साँची खरियो छूँ,क नया जुग मं जद मनख को बेटो अपणा म्हमा का संहासन प बठगो तो थें भी ज्ये म्हारॅ पाछॅ हो लिया छो,बारह संहासनों प बठ’र इस्राएल की बारहां जनजातियों को न्याय करॅ । 29 ज्ये कोई म्हार काण अपणा घरबार,भाई-बहणयां,माँई-बाप,छोरा-छोरी अर खेती-बाड़ी न छोड़ द्या छो ,वांक ताँई अबाणु ई धरथी प सौ गुणा भाग मल्लगो, अर अमर जीवन क हकदार होवगा। 30 इ संसार का लोग-दणीयां क वाळ ज्यांनॅ अबार खास मनख करया जावॅ छ, उ बगत व्हांनॅ खास मनख कोई न्ह करया जावगा; अर लोग-दणी क वाळ अबाणु ज्ये खास मनख कोई न्ह करया जावॅ छ, उ बगत व्हानॅ खास मनख करया जावगा।”

20

बाडी का महन्तियां क ढास्टान

1 सरग को राज ऊ धणी(जमीनदार) क नाईं छ ज्ये तड़काव मं अपणी अंगूर की बाडी मं काम करबा क लेखॅ महन्तियां लाबा काण खढ़ग्या। 2 ऊ धणी न हर एक महन्तिया काण चाँदी का एक रप्या रोज देबा काण ख’र महन्तियां न अपणी अंगूर की बाड़ी मं काम करबा काण खन्नाया। 3 “नौ बजे क लगभग ऊ धणी न फेर घरां सुँ खढ़यो अर उनॅ देखा क कोई लोग बजार मं अठी-ऊँठी बना फालतु ऊबा देख्या। 4 अर वासुँ खी थें भी अंगूर की बाड़ी मं जाओ,म्हूँ थांकाण ज्ये कोई उचित होवगा,दियुँ। 5 तो व बाडी मं काम करबा काण चलग्या। फेर बारह बज्यां अर तीन बज्यां की लगभग उनॅ बाहर खड़र ऊस्यांई करी। 6 कोई पाँच बज्या व्ह फेर अपणा घरां सुँ बाहर खड़ियो अर कोई लोगां क बाज़ार मं अठी-ऊँठी ऊबा देख्या।उनॅ वासुँ खी,थां अठी दन भर बनाफालतु मं काँई काण ऊबा रह’व छो?’ 7 वानॅ खी,क कस्यां कोई भी म्हांनॅ म्हन्त प न्ह लगाया। फेर धणी(जमिन्दार) न खी,थें भी म्हारा अंगूर की बाड़ी मं चल जावो। 8 जद स्याम होई तो अंगूर की बाड़ी का धणी न अपणा मन्सी(मुनिम) बलार खी,महन्तियां न बलार आखरी सुँ लेर फहली लगाया ग्या महन्तियां ताँई सारां क ताँई महन्त(मजदूरी) दे दॅ। 9 तो व महन्तियां

ज्ये पाँच बजे लगाया ग्या छा,जद व आया अर वा सारा क ताँई चाँदी का एक रप्यो मल्यो। 10
फेर ज्ये फहली लगाया ग्या महन्तियां न सोची क म्हाँनॅ कोई जादा मलगो पण वांकाण भी हर
एक क एक ही चाँदी क रप्या मल्यो। 11 रप्या तो वानॅ ले ल्या पण धणी सुँ शिकायत करता
होयो 12 वांनॅ खी,ज्ये बाद मं लगाया छा,वांनॅ बस एक घंटो काम कर्या छ, अर थनॅ म्हांक भी
उतना ही दिया जतना वांक ताँई दिया छ,अर म्हां सारा दन भर बळबळती तावड़ा मं काम कर्या
छा। 13 फेर उनॅ वा मं सुँ एक काण ज्वाब दिया,है भाईलाऔ,म्हूँ थांक लारां कोई अन्याय न्ह
करदियो छूँ;काँई थनॅ म्ह सुँ चाँदी क एक रपया की न्ह ठहरिया क? 14 ज्ये थारो छ,उनॅ लेर
चल जा,म्हारी मर्जी या छ क जतना थांक ताँई दिया उतना वांक ताँई भी दिऊँ ज्ये सब सुँ पाछॅ
लगाया ग्या छ। 15 काँई म्हार लेख या उचित कोई न्ह क अपणा धन का ज्ये म्हूँ छाऊँ व्ह
करुं?काँई तू म्हारा भला होबा क कारण बरी नजर सुँ देखॅ छ क ? 16 ई तरॅ सुँ जतना मनख
अबाणु पाछॅ छ अतना मनख पहली हो जावगा। जतना मनख अबाणु पहली छ व्ह पाछॅ हो
जावगा। ईसु को अपणॅ मरबा क बारा मं तीस्री दफॅ बताबो (मरकुस 10:32-34; लूका 18:31-
34) 17 जद ईसु अपणा बारह चेला क लारां यरुसलेम जार्या छा तो उ बगत मं ऊ बारह चेला न
न्हाळा ले जार वा सूँ गेला मं खबा लाग्यो,ज्ये उ प आबाळी छ। 18 “क सुणो, आपण यरुसलेम
जार्या छा,ऊंठी अस्यां करॅगा,मनख का बेटो न पकड़र प्रधान याजकां अर यहुदियां का निम
सखाबाळा मनखयां क हाथ मं सुंप देगा।अर व वानॅ ज्यान सूँ मारबा की सजा देगा। 19 फेर व
ऊनॅ ज्ये यहूदी कोई न्ह व्हांक हाथ मं सुंपेगा। अर व ऊंकी हाँसी-मजाक उडा़ऊगा,अर कोड़ा
मारगा,अर उनॅ कुरुँस प चढ़ावगा पण व्ह तीन दन मं मुरदा मं सूँ फेर जीन्दा हो जाऊगा।

एक माँ की अरज

20 फेर जब्दी क बेटा याकूब अर यूहन्ना की माँई अपणा बेटा क लारां ईसु क गोड़यां आर ढोक
देर ऊ सुँ कोई काँई मांगबा लागी।” 21 ईसु न ऊ सूँ खी,”म्ह सूँ थांकताँई काँई छाव छ?” व्ह
ज्वाब दिया,”थाका महमाभर्या राज मं थां म्हारी दोनी बेटा न एक थांकॅ जींवा हाथ क आड़ी अर
दूसरा न कण्डया हाथ क आड़ी बठबा को कोल कर दिज्ये। 22 ईसु न उ सूँ खी,थाँ जाणॅ कोई
न्ह ! क थाँ कांई मांगर्या छ? कांई थां, म्हार नांई घणा दुख उठा’र मर सकॅ छ क?” व्हांनॅ उत्तर
दिया, हाँ,म्हां बी अस्यां कर सकां छां!” 23 फेर ईसु न वासुं खी, हाँ,म्हूँ जाणु छूँ,क थें भी म्हार
नांई जरुर घणा दुख उठा’वगा पण ज्यां म्हारा जींवा अर कण्डया हाथ क आडी बठ’र म्हारा
राज्य मं म्हारा लारां राज करबाळा कुण होऊगो,म्हूँ बता न्ह सकॅ छूं। पण म्हारॅ पिता परमेस्वर
बता सकॅक छ क कुण म्हारा लारां बठ’र राज करॅगो,क कस्यां व्ह पहली सूं त्यार कर मल्यो छ
उ कुण हो सकॅ छ”। 24 जद दूसरा दस चेलां या सुण’र याकुब अर यूहन्ना सुँ रोस मं होग्या। 25
तो ईसु वांनॅ आपण गोड़ॅ बला’र व्हा सूँ खी,थां जाणॅ छ,क परदेसी प राज करबाळा मनख,व्हा
प हुकम चलावॅ छ अर उ मं सूँ ज्ये बड़ा छ,व्हा प अधिकार जताव छ। 26 पण थां मं अस्यां
कोई न्ह,पण ज्ये कोई थां मं सूँ बड़ो होबो छाव छ ऊ सन्दा क तांई सेवक बणजावो। 27 अर
थां मं सूँ ज्ये कोई प्रधान होबो छाव छ ऊ सारा को हाळी बणजावो। 28 क कस्यां म्हूँ, मनख
को बेटो ई लेख ई दुनीया मं न्ह आया क दूसरा मनख्यां क वाळ म्हारी सेवा करबा काण, पण
ई लेख आयो छूँ क व्ह दूसरा मनख्यां की सेवा करबा अर घणा न पाप सूं छुडाबा काण अपणी
ज्यान देबा काण आया छूँ।

परभु ईसु न अंधां काण आँख्यां देबो

(मरकुस 10:46-52; लूका 18:35-43)29 अर जद ईसु अर ऊंक चेला यरीहो नाऊँ का एक सहर मं सुँ खढ़र जा रिया छा तो एक घणी भीड़ वांक पाछँ चाल पड़ी। 30 ऊँठी दो आंधां गडार क साइराह बठया छा। अर जद वानँ सुणी, क ईसु अठी सूँ जार्यो छ, ऊ ऐला पाड-पाडर ख'बा लाग्यो,"है परभु, दाऊद की सन्तान, म्ह प दया कर। 31 तो घणा मनख उनँ दकाल'र बोल्या,"तू छानो रह पण ऊ ओर बी जोर जोर सूँ ऐलो पाडबा लाग्यो "है परभु, दाऊद की सन्तान म्ह प दया कर "। 32 तो ईसु ऊंकी सुण'र डटग्या अर वानँ बलाया अर खी,म्ह सूँ थाकँ ताँई काँई छाव छ, म्हूँ थांकँ काण करूँ?" 33 व्ह आंधां न बोल्या,ओ परभु,म्हां देखबा छाव छां।" 34 ईसु न वां प तरस खार वांकी आँख्यां प हाथ अडस्या,अर हाथ्युहात व देखबा लाग्या अर व ईसु क पाछँ चाल दर्या।

21

यरूसलेम मं ईसु की जै-जै का'र

1 फेर जद ईसु अर ऊका चेला यरूसलेम क गोडँ जैतुन डूँगर प बैतफगे क गोड़यां पूग्या तो ईसु अपणा चेला मं सूँ दो न बलार या ख'र खन्नाया 2 क अपणा सामह का गाँव मं जाऔ।अर व्हाँ पूगताँई थानँ एक गधी क लारां बच्चेरो भी बन्धयो होयो मलगो।अर उ न ऐड'र म्हारँ गोड़यां ल्यावो। 3 अगर थां सूँ कोई बुझँ तो,क 'थां काँई कर्या छ'?थां वा सूँ खीज्यो,क परभू काण ईकी जरूरत छ अर व थांकलारां उ न बेगो सोक खन्नादेगा। 4 यो ई लेखँ होयो क ज्ये बचन परमेसवर की भविष्यबाणी खबाळा न खी छी वा पूरी होवँ: 5 "सिओन नाऊँ का नगर मं रहबाळा सुँ ख, झाँको,थारा राजा थारँ गोड़यां आरियो छ। ऊ नम्र छ,व्ह गधी प बठ्यो छ, हाँ,गधी का बछेरा प बठ्यो छ।" 6 क व दो चेला न जा'र जस्यां ईसु न वांसु खी छी वस्यां(उस्यां) ही करया। 7 अर व गधी अर बच्चेरा न ईसु क गोड़यां ल्याया उ न ऊंका लत्ता ऊ पँ पटकद्या अर ईसु ऊ प बठग्यो। 8 अर जद ईसु ऊ पँ बठ'र जार्या छा तो लोग-दणीयां न गेला मं अपणा लत्ता ऐड़'र बछाबा लाग्या अर कोई कोई लोगा न माळ मं सूँ हरी-भरी डाळयां काट'र आवभगत करबा काण बछादी। 9 अर ईसु क आगह-पाछह चालबाळा मनख,हेला पाड़- पाड़र ख छा ,

राजा दाऊद की सन्तान की होसन्ना !

भला छ,ज्ये परभु क नाऊँ सूँ आर्या छ ,

परभु ज्ये स्वर्ग मं बिराज्यो छ!।होसन्नाe"

10 जद वानँ यरूसलेम मं उळयो तो सारा नगर मं भगदड माच गी अर सारा बुजबा लाग्या, "यो कुण छ?" 11 अर भीड़ का लोग-दणी खर्या छा,यो गलील इलाका का नासरत गाँव को रहबाळा परमेस्वर क आड़ी सुँ भविष्यबाणी खबाळा ईसु छ।

मन्दर मं ईसु

12 ईसु न परमेस्वर का मन्दर मं जार ,व सारांई न ज्ये लेण-देण कर्या छा,व सनदाँई बाहर

खाड़दिया।अर रपया लेण-देण करबाळा की पेटियां अर कबूतर बेचबाळा की पेटियां उन्दि
कर दी । 13 अर ईसु वाँ सुँ ख'बा लाग्या, पबित्र सास्त्र मं या मण्डी छ, क "म्हारो घर पराथना
करबा को घर खुवावगो,पण थानॅ यो घर डाकूंवा की खोळ बणा दि' छ।" 14 मन्दर मं कोई
आंधा अर लंगडा ऊँकॅ गोड़यां आया,अर ईसु न व सारां ई छोखा कर दिया। 15 अर जद प्रधान
याजकां अर यहुदियां का निम सखाबाळा मनख न ईसु क वाळ कर्या अचम्बा कामां को देख्या
अर मन्दर मं बच्चा हेलो पाड़र या ख'ता सुणा, "दाऊद की सन्तान की होशन्ना(जै हो)!" 16 तो
व घणा रोस मं होर ऊ सुँ खबा लाग्या, काँई तु सुणरियो छ क,क या काँई खरियो छ? ईसु न
वासुँ खी,"हाँ,सुणॅ छूँ।काँई परमेस्वर की पवित्र पोथी मं थानॅ या कदी भी न्ह पढ़यो, क छोटा
बच्चा अर दुध पीते बच्चा क मुण्डा सुँ थनॅ स्तुती करवाई छ।" 17 फेर ईसु वानॅ छोड़र यरूशलेम
नगर सुँ बाहर बैतनिय्याह नाऊँ का सहर को चल गया। ऊँठी व रात ठहरया।

अंजीर को रूखड़ो

18 आगला दन जद व नगर मं पाछो आरिया छा,तो ईसु न भूख लागी। 19 अर ईसु न अंजीर नाऊँ
को एक रुखड़ो गेला क सायरा देख'र, व्ह ऊंकॅ गोड़यां ग्या, जि सूँ ऊंका फळ खाबा काण।पण
ऊ रूखड़ो मं पत्ता न छोड़'र कांई बी न्ह मल्यो छो, ईसु ऊ अंजीर का रूखड़ो सूँ बोल्यो,"अबार
सूं थार कदी बी फळ न्ह आवगा" अर अंजीर क रुख्डो होथ्योहात सुख्ग्या।" 20 ये देखर चेला
न अचमभाव कर'र खबा लाग्या,अंजीर क रुख्डो हाथ्योहात कस्यां सुख्ग्या?।" 21 ईसु न वा
सूँ खी,म्हूँ थां सुँ साँची-साँची खुँ छूँ,अगर थें परमेस्वर प बस्वास राखो अर सक कोन्ह करॅ,तो
थाँ खाली या कोई न्ह करगो,ज्ये या अंजीर क रूख्डो क लारां कर्यो ग्यो छ;पण अगर थें ई
डुँगर सूँ ख क,तू अठी सूँ हट'र समन्दर मं डूब जा, तो अस्यां ही हो जाएगा। 22 अर ज्ये कोई
थां परमेस्वर सूँ पराथना मं बस्वास कर'र मांग तो ,ऊ सब थांकताँई मल जाऊगो।

ईसु का हक क बारा मं सवाल

23 एक दन अस्यां होई क जद ईसु मन्दर मं लोग-दणीयां काण उपदेस देरियो छो तो प्रधान
याजकां अर यहूदी पराणा मनख व्हांकॅ गोड़यां आ'र बुझ्बा लाग्या,तू य काम कूंका हक सूँ
करॅ छ अर यो हक थारताँई कुनॅ द्यो छ?" 24 ईसु न वांकॅ तांई जुवाब दियो, क म्हूँ बी थां
सूँ एक बात बूझुं,थां म्हारताँई बताओ।तो म्हुँ भी थांक ताईं बताऊं, क या काम कूंका हक
सूँ करियो छूँ । 25 बतावो,यूहन्ना को बत्तिसमो देबा को अधिकार कठी सुँ मल्या? परमेसवर
सूँ मल्यो या केवल मनखयां सुँ मल्या? व ईसु की ई बात न सुण'र अपणा- आप मं बतळाबा
लाग्या,अगर म्हां खवां,व्हाँकॅ बत्तिसमा देबाकाण परमेसवर सूँ अधिकार मल्यो छ,तो य्ह म्हां
सूँ खवगो,तो थानॅ खामी व्हांकी खबर प बसवास कोन्ह कर्यो।" 26 पण अगर म्हां या खवां,क
व्हाँक बत्तिसमा देबाकाण मनखयां सूँ अधिकार मल्यो" तो आपण न भीड़ का लोग-दणीयां को
डरॅ छ क कस्यां सारा लोग-दणी यूहन्ना न परमेसवर की भविस्यबाणी खबाळो मानॅ छा।" 27
तो व्हांनॅ ईसु काण उत्तर द्या,म्हां कांई बी न्ह जाणां,क व्हाँको बत्तिसमा देबाकाण अधिकार
कठी सूँ मल्यो छो"

ईसु न व्हांकी ई बात न सुण'र वांसूँ बोल्यो,म्हूँ बी थांकताँई न्ह बताऊं क म्हूँ किंका अधिकार
सूँ ये काम करूँ छूँ।

दो बेटा की ढास्टान

28 अबाणु थें ईंकॅ बारां मं काँई सोचरिया छो?एक मनख क दो बेटा छा अर ऊ मनख बड़ा छोरा
क गोड़यां ग्या अर खी,बेटा आज म्हारॅ अंगुर की बाड़ी मं जार काम कर लॅ। 29 बेटा न ज्वाब
दियो,म्हारी मर्जी कोई न्ह छ अंगुर की बाड़ी मं जाबा काण, पण बाद मं ऊका मन बदलग्यो अर
व्ह अंगुर की बाड़ी मं काम करबा काण चल ग्यो। 30 फेर भाईजी न दुस्रो बेटो क गोड़यां जार
ऊ सुँ भी ऊस्याँई ही खी। उनॅ ज्वाबदियो,'जी हाँ,'म्हूँ जावॅ छूँ,पण ऊ न्ह ग्यो। 31 बताओ,ये
दोनी मं सुँ भाईजी की अच्या पुरी कुन्ह करी? वानॅ खी,बड़ो बेटो न।" ईसु न वासुँ खी,म्हूँ थासुँ
साँची खरियो छूँ चुँगी लेबाळा अर वेश्या था सुँ फहली परमेस्वर का राज्य मं जावगी। 32 या
म्हूँ इ लेख खरियो छूँ क कस्यां बत्तिस्मा देबाळा यूहन्ना थाँक ताईं जीवन को सही गेलो दिखाबा
आयो अर थानॅ ऊकी खबर प बसवास कोई न्ह कर्या। पण चुँगी लेबाळा अर वेश्याओं न ऊकी
खबर प बसवास कर्या अर पाप क गेला सुँ मन बदल्या। पण थानॅ जद या देखर भी पाप क
गेला सुँ मन कोन्ह बदल्या अर ऊकी खबर प बसवास कोई न्ह कर्या।

खराब खास्तगार की ढास्टान

33 फेर ईसु एक ओर ढास्टान व्हां काण बताबा लाग्यो अर खी;एक दफ एक मनख न अंगूर
को बाग लगायो,अर उकॅ च्यारोंमेर बाड़ कर दी,अर अंगूरां को रस खाड़बाकाण एक कुण्ड
खोद्यो,उनॅ रूखाळी करबाकाण एक ढामडो बणायो।फेर व्ह ऊ अंगूर का बाग न दूसरा
खास्तगारां काण ठेको दे'र घुम्बा काण दूर देस मं चलग्यो। 34 जद अंगूर का फळ पाकबा की
ठॅम आई तो उनॅ अपणा नोखरा मं सूं कोई न उ खास्तगारां सूँ अंगूर का बाग मं ऊको इस्सो
ले'र आबा काण खन्नाया। 35 पण खास्तगारां ऊका नोकरा न पकडर कोई को दि,अर कोई प
भाटा फकया अर कोई तो मारगाल्यो। 36 फेर मालिक न एक बार फेर फहली सुँ घणा नोकरा
न व्हांकॅ गोड़यां खन्नाद्या;व्हांनॅ व्ह नोकरा क लारां भी अस्यांई करी जस्यांई फहलीयां क
नोकरा सुँ कर दिया। 37 आखरी मं उ मालिक न अपणा बेटो न व्हांक गोड़यां य्ह खर खन्नाद्या
क व म्हारा बेटा को आदर करगा अर ज्ये म्हारो इस्सो छ उनॅ बी उ काण देवगा। 38 पण जद
उ खास्तगारां न व्ह आतो देख्यो ,व अपणा- आप सूँ खबा लाग्या क,देखो",ऊ आर्यो छ ज्ये य
अंगूर क बाग को वारिस छ।आओ,आपण उनॅ मारगालां,तो ऊकी सारी सम्पती आपण ले लां"।
39 अर जद ऊ आयो,तो ऊ व्हानॅ पकड़'र अर अंगूर की बाड़ी क बाहर खाडर मारगाल्यो। 40
उ बगत मं ईसु न वा सूँ बूझी, थें काँई बिच्चियार कर रियो छो ,जद उ अंगूर की बाडी को मालिक
आयगा तो व्ह उ खास्तगारां को कांई करगा? 41 वाँनॅ ऊ सुँ खी, व्ह आ'र उ बुरा खास्तगारां
को बुराई रीति सुँ नास करगो अर उ अंगूर की बाडी न दूसरा खास्तगार क ताँई ठेका मं दे
देगो,ज्ये समय प ऊका हिस्सा देगो। 42 कांई थानॅ पबित्र सास्त्र मं यो बचन न्ह बाची क, "
कारीगरां न ज्ये भाटो बेकार समझर फंकाद्यो छो व्ह कूण्यां को खास भाटो होग्यो"।, 43 यो
परभु सूँ होयो छ उ आपणी नजर मं खूब अच्छमबो दिखह छ।" ई लेखॅ म्हूँ थासुँ खरियो छूँ क
परमेसवर को राज्य थासुँ कुसकाल्या जावगो अर व्ह ऊ लोगां काण दे दिया जावगा ज्ये ऊका
राज्य क अनुसार बर्ताव(बुवार) करॅगा। 44 "अर ज्ये कोई उ भाटा प गरगो टुकड़ा-टुकडा़ हो
जावगो,अर ज्यां प उ गरगो, तो व्हांनॅ गूंद गालगो। 45 अर जद प्रधान याजकां अर फरीसियां न

यो ढास्टान सुणयो,व समझग्या क व्हे खराब कास्तगारां अर कारीगरां ज्ये भाटो बेकार समझर फंकाद्या,ये सारी बातां ईसु न आपणा बरोध मं खी छ। 46 ई लेख व ईसु न पकड़बो छाव छा पण व भीड़ सूँ डरपग्या क कस्यां लोग-दणी ईसु न परमेस्वर की भविष्यबाणी खबाळा मानॅ छा।

22

बड़ा भोज को ढासतान

1 एक बार फेर ईसु वासुँ दास्टाना मं खबा लाग्यो।उनॅ खी, 2 सरग का राज ऊ राजा क नाईं छ ज्याँनॅ अपणा छोरा का ब्याव मं बड़ा भोज की त्यारी कर रियो छो। 3 राजा न अपणा दासां को खन्नायो क व्हे मनख न बुला ल्यावो जिंक ताँई ब्याव की बडा भोज मं जिम्बा काण नुता दियो छ।पण व्हे मनख कोई न्ह आया। 4 फेर व्हे आपणा नोकरा सुँ ख'र खन्नाया क अपणा फावणा सुँ य्हे खो,देखो,म्हनॅ भोजन त्यार कर मल्यो छ। म्हारा छोखा अर मोटा ताजा जानवरां न काटिया जा चुक्या छ। सबी त्यार छ; अबार ब्याव को भोज मं बेगो आजावो। 5 पण व्हे मनख न ऊ प काँई भी ध्यान न्ह दियो।अर व अपणा गेला मं चाल दर्या।कोई अपणा खेत मं काम करबा लाग्या तो कोई अपणा काम धन्धा प छ। 6 अर कोई मनख न राजा क नोकरा न पकड़र वांकॅ लारां गलत बुवार कर्यो अर मार गाल्यो। 7 जिसुँ राजा न रोस मं होर अपणी सेना खन्नार व ऊ हत्यारा न मार'र वांका नगर मं आग लगा दी। 8 ऊ राजा न अपणा दास सुं खी, ब्याव को भोज त्यार छ पण व ज्ये बलाया ग्या छ व जिम्बा क लायक न्ह खडिया। 9 ई लेख गळि क चोराया मं जावो अर जतना भी थानॅ मलॅ,व सारा नॅ ब्याव क भोज मं बला ल्यावो। 10 फेर नोकरा गळीयां मं ग्या अर वान्ह बरा,भला मनख कस्या भी मल्या सारांई एकट्टा कर्या अर ब्याव को घर फावणा सुँ भरग्यो। 11 पण जद फावणा न देखबा काण राजो आयो तो ऊँठी उन्ह एक अस्या मनख देख्यो, ज्ये ब्याव का लत्ता न्ह पहरियो छो। 12 राजा न उ सुँ खी, 'हे भाईला, ब्याव का लत्ता पहरिया बना कस्यां यहाँ भीतर आग्यो ? पण ऊ मनख काँई भी न्ह बोल्यो। 13 तब राजा न अपणा नोकरा सुं खी, 'य्हाँक हाथ-पाँव बाँध'र बाहर उन्धेरा मं फेंक द। ज्याँ मनख रोबो अर दाँत चाबबो होवगो। 14 "क कस्यां बलाया होया तो घणा छ पण थरप्या होया थोड़ा छ।"

कैसर राजा क ताँई चुँगी(कर) देबा की बात

15 फेर फरीसियां न जा'र एक सभा बलाया,जिसुँ व ई बात क आमॅ-सामॅ बच्यार करयो क ईसु न ऊँकी आपणी ही खी होई बातां मं कस्यां फँसावा जा सक्क छ। 16 अर वानॅ अपणा चेला हेरोदियां क लारां ऊक गोड़यां खन्नाया।ऊ मनख न ईसु सुँ खी"है गरूजी",म्हां जाणॅ छां क थां सीधा मनख छ ।थां परमेस्वर का गेला न सच्चाँई सुँ सखावॅ छ ।अर थां कोई का मन का बचियार क ऊपर परवा न्ह करह छ,क कस्यां थां मनख्यां का मुण्डा देख'र बातां कोन्ह करह,पण ज्ये ज्ये बात परमेस्वर आपण सूँ छाव छ व्हे बातां न मनख क ताँई सखाव छ। 17 ई लेखॅ म्हांनॅ बताऔ,क कैसर (ज्ये रोम देस को म्हाराजो छ) काण चुंगी देबो उचित छ या कोई न्ह? 18 ईसु वांकी चुगली जाण'र वासूँ खी,"हे कपटियां! थां खामी म्हनॅ परखॅ छ? 19 " म्हार तांई रोम देस की दमडी दिखावो जिसुँ कर चुकायो जावॅ छ अर व ऊँक गोड़यां एक दमडी ल्याया। 20 " अर

ईसु न वा सूँ बुझी,क ई दमडी मं कुंको फोटु अर नाऊँ छ?” 21 तो वानँ उत्तर दिया,कैसर ज्ये
रोम देस को महाराजो छ” तब ईसु न वां सूँ खी,छोखा छ, तो ज्ये कैसर(महाराज) को छ व्ह
कैसर(महाराजा) क ताँई दे दीज्ये , ज्ये परमेस्वर को छ व्ह परमेस्वर क ताँई दे दीजिये। 22 व
ईसु का उत्तर सुणर खूब ताजुब(चकित) होग्या अर उनँ छोड़’र खड़ग्या।

ब्याव अर फेर जिन्दा होबा क बारां मं बात

23 ऊ दनां मं सदुक्की नाऊँका यहूदीयां क एक झुन्ड का मनख छ ज्ये या बस्वास करह छा
क मनख मरबा क बाद मं पाछँ जीन्दो न्ह हो सकॅक छ।व ईसु क गोड़यां आया अर ऊँ सुँ
बूज्बा लाग्या। 24 गरूजी,नरां दन पहली परमेस्वर क दास मुसा न पवित्र सास्त्र मं आपण ताँई
या माण्डी छ,”क अगर कोई कोई मनख बना सन्तान प’दा कर्या मर जावॅ अर उंकी लुगांई रह
जावॅ,तो ऊंको भाई अपणा मर्या दादा की लुगांई सूँ ब्याह कर’र अपणा भाई काण सन्तान प’धा
करॅ लॅ 25 अब,म्हाँक अठी सात भाई छां।पहला भाई न एक लुगाई क लारां ब्याह करल्यो अर
जद उ मरग्यो तो उको एक छोरो-छोरी बी कोई न्ह होयो। अर छोरा-छोरी न्ह होबा क कारण
अपणी लुगाई न अपणा भाई क गोड़यां छोड़ग्यो। 26 तो ई तरह सुँ दूस्रा भाई अर तीस्राभाई
न बी करदिया। अस्यां सातु भाईयां न व्हांकी भोजाई क लारां ब्याव करल्यो। 27 फेर सारां
क पाछ व्ह लुगाई बी मरगी। 28 जद परमेस्वर मरया मनख न जीन्दा करह छ तो व्हा लुगाई
कुंकी लुगाई होवगी क कस्यां व्हा लुगाई सातु की लुगाई बणगी छी। 29 फेर ईसु न वासूँ खी,
कांई थां परमेस्वर क वचन अर परमेस्वर क सक्ती न कोई न्ह जाणया,ई सूँ थां भटक ग्या छा।
30 क कस्यां जद परमेस्वर ऊ मरया मनख न पाछा जिन्दा करॅगा व्हांई(सरग) ब्याह -शादी
कोई न्ह करगा तो व सारां सरग मं परमेस्वर क स्वर्ग दूत क नाँई होवगा। 31 पण मरया मनख
पाछा जिन्दा होबा क बारां मं काँई थां य्ह बचन कदी भी कोई न्ह बाची क? ज्ये परमेस्वर न
था सुँ खी छी। 32 “क म्हूँ इबराहिम को परमेस्वर छूँ,इसाहाक को परमेस्वर छूँ अर याकूब को
परमेस्वर छूँ “ परमेस्वर मरया मनख का परमेस्वर कोई न्ह,पण ज्ये जीवता मनख छ व्हांका
परमेस्वर छ।थां तो कतई खराब समझग्या । 33 जद लोगां न य्ह सुण’र तो ऊकी उपदेश प व
घणा सोच मं पड़ ग्या।

सब सूँ खास निम

34 जद फरीसियां न या सुणी क ईसु न अपणा उत्तर सुँ सदूकियां का मुण्डा चुप करा दिया छ
तो व सारांई एकट्टा होया। 35 अर वामं सुँ एक यहुदियां की निम सखाबाळा ईसु न परखबा
काण,ऊसुँ बूझी, 36 ,हे गरुजी,परमेस्वर का निम मं सूँ कस्यो निम सब सूँ खास छ?” 37 तो
ईसु न व्हां सुँ खी , तु परमेस्वर अपणा परभु सूँ अपणा सारा मन सूँ अर अपणा सारा प्राण सूँ
अर अपणी सारी बुद्धी सूँ प्रेम राखज्ये। 38 सब सुँ बड़ी अर मुख्या निम तो योई छ। 39 अर
ऊँकी समान दूसरी भी या छ,जस्यां तु अपणा -आप सुँ प्रेम करह छ अस्यां तु थारां पड़ोसी सूं
प्रेम राखज्ये। 40 सारी सास्तरॅ अर परमेस्वर क आड़ी सुँ भविष्यबाणी बोलबाळा की पोथ्याँ ई
दोनी निम प टक्या छ।

मसीह किको बेटो छ

41 जद फरीसी एकट्ठा छा तब ईसु न वासुँ एक सवाल बूझ्यो। 42 मसी क बारां मं थाँ काँई
सोचरिया छ क व्ह किका बेटा छ? वानॅ ऊ सुँ खी,ऊ राजा दाउद को।" 43 फेर ईसु न वा सूँ
बूझी, तो दाऊद पवित्र आत्मा मं होर उनॅ परभु काँई काण ख छ? 44 परभु न म्हारा परभु सूँ
खी। म्हारा जीवां हाथ क आड़ी बठ्या रिज्यो ज्यां अधिकार अर सक्ति होवॅ छ"जदताँई म्हूँ
थारा बरोद्ध मं काम करबाळा मनख न थारा पाँवां क तण धूल न्ह कर द्यूँ 45 "फेर जद दाऊद
तो मसीह न परभू ख छ, अर मसीह ऊको बेटो कस्यां हो सकॅ छ?" 46 ऊको ज्वाब मं कोई
भी ऊसुँ कोई न्ह ख सका;पण ऊ दन सुँ कोई को भी फेर ऊ सुँ काँई कोई बूझबा की हिम्मत
न्ह होई।।

23

यहूदियां की निम सखाबाळा अर फरीसियाँ की पाखण्ड

1 तब ईसु न भीड़ सुँ अर अपणा चेला सुँ खी 2 यहुदियां क नीम सखाबाळा अर फरीसि
मुसा क विधान की गद्दी क अधिकारी छ। 3 ई लेख व थासुँ ज्ये काँई ख उनॅ करदिज्ये अर
मानलिज्ये।पण ज्ये व करॅ छ उनॅ मत करो क कस्यां व ख'तो छ पण करॅ कोई न्ह। 4 व धर्म
निमां क अस्यो भारी बोज बाँधर मनख्यां का खाँधा प लाद देव छ जिनॅ लेजाबो खड़ो छ
पण खुद उनॅ आंगळी सुं भी सरकाबो कोई न्ह छावॅ 5 व आपणा सारा काम दुसरा मनख्यां न
दिखाबा काण करॅ छ। व अपणा ताबीजा़f न चोड़ा करॅ छ अर अपणा लत्ता की झालरां लम्बी
करॅ छ।ताकी मनख उनॅ धर्मात्मा जाणॅ। 6 व थुवारा मं सब सुँ महत्वपूर्ण ठाम पाबा छावॅ छ
।यहुदियां की भेळा होबाळा सभा मं वांकॅ ताईं मुख्य मुख्य आसण छावॅ छ। 7 बजारां मं व
आदर सुं नमस्कार कराबो छाव छ ।अर लोगाँ वानॅ रब्बी खुँ'बो बढ़िया लागॅ छ । 8 पण थें
मनख्यां सुँ अपणा आप न 'रब्बी' मत खुवादिज्ये क कस्यां थाँको साँची गरू एक ही छ ।अर थें
सारां भाई-बहन छ। 9 धरती प मनखा म सुं कोई न भी थारा पिता मत खबा द ।क कस्यां थाको
पिता तो एक ई छ, अर ऊ सरग मं छ। 10 अर न्ह मनख्यां न थें आपण मालिक भी मत खबा द
।क कस्यां थाको मालक तो एक ई छ अर ऊ मसी छ। 11 थां मं ज्ये बड़ो छ ,व्ह थाँकॅ सेवक
होवगो। 12 पण ज्ये कोई अपणा-आप न बड़ो बणावगो,ऊ छोटो करयो जावगो,अर ज्ये कोई
अपणा-आप न छोटो बणावगो,व्ह बड़ो(सम्मान) करयो जावगो। 13" अरे कपटी यहुदियां क
निम सखाबाळा! अर फरीसीयां !थां प ज्यादा दण्ड पावगा !।थें मनख्यां क लेखॅ सरग का राज्य
को बार्णो बन्द करॅ देवॅ छो।अर थें खुद ई उ मं उळबो कोई न्ह छो अर दुसरा न ज्ये ऊ मं उळबा
छावॅ छ,वानॅ भी उळबा कोई न्ह देवॅ छो।" 14 अरे कपटी यहुदियां क निम सखाबाळा! अर
फरीसीयां !थां प हाय! थां बधवां का घरां न लुट'र खा जाव छ अर दिखाबा काण घणी-सारी देर
ताँई पराथना करता रह छ, थां परमेस्वर सूँ जादा दण्ड पावगा।" 15 "अरे पाखंड़ी यहुदियां क
निम सखाबाळा अर फरीसी वो! थाक उपर धिककार छ।थें कोई न थांका पंत मं ल्याबा काण
धरती न अर समंदर न भी पार कर'र जाव छो ।अर जद व थाका पंत मं आजाव छ तो थें उनॅ
थाँ सु भी दो गुना नरक क भागी बणा देवॅ छो। 16 हे अंधा अगवो थं प हाय!ज्ये ख'व छ क
अगर कोई मन्दर की सोगन खावॅ तो कोई न्ह,पण अगर कोई मन्दर की सुना की सोगन खावॅ

तो ऊ सुँ बन्ध जावगो। 17 अरे मुर्ख वो !अरे अंधा वो,बड़ो कुण छ? मन्दर को सुना या फेर वो
मन्दर ज्याँनॅ ऊ सोना न पिवत्र बणायो छ। 18 थें या भी ख'व छो 'अगर कोई वेदी कि सोगन
खावतो काई बात कोई न्ह ,पण अगर कोई वेदी मं चंढ़ाया चढांबा कि सोगन खाव तो वो खुद
कि सोगन सुं बन्धयो छ। 19 अरे अंधा वो,बड़ो कुण छ? वेदी मं पड़या चढांबा या फेर वा
वेदी ज्यां ऊ चढ़ावा न पिवत्र बणावे छ? 20 ई लेखॅ अगर कोई वेदी की सोगन खावॅ छ तो व्ह
वेदी क लारां ज्ये वेदि प धरया छ,ऊ सारां क भी सोगन खावॅ छ। 21 अर ज्ये मन्दर की सोगन
खावॅ छ,व्ह मन्दर क लारां ऊ मं रहबाळा परमेस्वर की भी सोगन खावॅ छ। 22 अर ज्ये सरग
की सोगन खावॅ छ,व्ह परमेस्वर की संहासन क लारां ज्ये ऊ संहासन प विराजमान छ ऊंक
भी सोगन खावॅ छ। 23 हे पाखण्डी यहुदियां की निम सखाबाळा अर फरसियां!थापॅ हाय;थां
पोदिना,सुँप अर जीरा को दसवा भाग तो देवॅ छो फण थां निम की खास बातां ये छ,न्याय,दया
अर बसवास सुँ थें मुन्डो फेरो छो पण थां व बातां सुँ मुन्दो फेरया बना ईका पालन करणो छावॅ
छी 24 हो आन्धां गेला दखाबाळा थां माच्छर न तो छाणा लेवॅ छो फण ऊँटडा न नंगळ जावॅ
छो। 25 हे पाखण्डी यहुदियां की निम सखाबाळा अर फरसियां!थापॅ हाय! थां आपणी कटोरियां
अर थाळियां न बारॅ सुँ धोर साफ करॅ छो पण वाका भीतर म छळ-पाखण्ढ़ अर निचता सुँ भरी
होई छ। 26 आन्धा परीसी वो!फैली भीतर सुं कटोरा अर थाळीयां न मांज लॅ जिसुं वो बारॅ
सुं भी साफ हे जावॅ। 27 हे पाखण्डी यहुदियां की निम सखाबाळा अर फरसियां!थापॅ हाय!थां
चुना सुँ पोती होई कबरां क नाईं छो ज्ये बारॅ सुँ तो रूपाळो दिखावॅ छ पण भीतर सुँ मुर्दा की
हाडग्यां अर हर तरॅ की गन्दगी(सुगला) सुँ भरी पड़ी छ। 28 अस्यां थें भी बारॅ सुँ मनखयां
काण धर्मी दिखाई देवॅ छो पण भीतर छळ-पाखण्ढ अर अधर्म का कामा सुं भरयो होयो छो।
29 हे पाखण्डी यहुदियां की निम सखाबाळा अर फरसियां!थापॅ हाय!थें परमेस्वर की आड़ी
सुँ भविस्यबाणी खबाळा क लेखॅ कबरां तो बणाता अर धर्मी का स्मार सजावॅ छो। 30 अर
या खवो छो ,"अगर म्हां आगला बड़ा का जुग म होता तो भविस्यबाणी करबाळा न मारबा
मं वाकॅ लारां कोई न्ह हाथ लागता ।" 31 थां अपणा बरोध मं गुवाई देवॅ छो क भविष्यबाणी
खबाळा का हत्यारा की औलाद छो। 32 जा! थाकी आगला बडा का खोटा काम ज्ये वानॅ सरु
कर दिया,उनॅ पूरो कर। 33 अरे जेरिला साँपां अर नागाँ क बच्चा,थां नरक का दण्ड सुँ कस्याँ
बचगा? 34 ई लेख जाखो,म्हूँ थाँकॅ लेख भविष्यबाणी खबाळा अर बुद्धिमानां अर धर्म का निम
सखाबाळा न खन्नारियो छूँ पण थां वामं सुँ कोई न मार गालगा,अर कोई न कुरुस प चढ़ाउंगा
फेर कोई क अपणी भेळी होबाळी सभा मं ताजणा मारेगा अर एक नगर सुँ दूस्रा नगर मं सताता
फरॅगा। 35 जिसुं धरती प धर्मात्मा को जतरो खुन बुवायो गियो -धर्मी हाबील क खुन सुं लेर
बेरेकयाह का छोरा जकयार्ह का खुन ताँई,जिने थे मन्दर अर वेदी क बीचा मं मार गाल्या छा,
वो सब थाका मांथा प पड़ॅगा। 36 म्हूँ थासुँ साँची साँची खरियो छूँ,ये सारी बातां ई जुगां क
लोगां प आ पड़गी।

यरुशलेम का लोगाँ क ताँई ईसु रोबो

37 हे यरूशलेम! हे यरूशलेम! तू अस्यो नगर छ ज्ये परमेस्वर की भविष्यबाणी खबाळा न मार
गालॅ छ, अर ज्ये परमेश्वर का संदेश सुणाबा काण थारॅ गोड़यां खन्नायाग्या,थां व्हां प पत्थरवाह
करॅ छ! जस्यां मुर्गी अपणा बच्चा न अपणा पाखड़ा का तणॅ भेळा(सुरक्षित) करॅ छ, कतनी ही

बार म्हनॅ छाई क उस्यां थारा बाळका न म्हूँ भेळा करूं, पण थांनॅ अस्यां करबा न्ह दिया। 38
अर अबार देखो, थारॅ घर थांक लेख उजाड़ छोड़ जाव छ। 39 क कस्यां म्हूँ थां सुँ खरियो छूँ,क
थां म्हनॅ तबतांई देख कोई न्ह पावगा जद तांई थां य्हा कोई न्ह ख'व,, 'भलो छ ,व्ह ज्ये परभु
का नाऊँ सुँ आ रियो छ।

24

मन्दर न ढसबा क बारा मं भविषयबाणी

1 जद ईसु यहुदी मनख्यां का मन्दर सूँ खड़रयो छो तो ऊंका चेला मन्दर क भवन न दिखाबा
काण ऊँक गोड़्याँ आया। 2 तब ईसु न उ सूँ खी,काँई थाँ देख रिया छो न? म्हूँ थाँ सुँ साचि
खरियो छूँ क,ई मन्दर न मनख ढसा देवगा फेर ई मन्दर मं एक भाटा क ऊपर दूस्रा भाटो कोई
न्ह रहगो सारा भाटा गर जावगा।

संकट अर कळेस

3 जद ईसु जैतून नाऊँ का एक डूँगर प बठया छा तो चेला न न्हाळा जा'र ईसु सूँ बुझी ,थां म्हांक
ताँई बता द क,ये सारी बातां कदेक पूरी हो जाऊगी? अर कदेक थां पाछॅ आवगा अर ई दुनिया
का अन्त होबा की काँई निसाणी होवगी?" 4 वांकी बातां न सुण'र ईसु वांसूँ खबा लाग्या,थां
समळर रिज्यो, क कोई मनख थां नॅ झूठी बाता मं ठग न्ह ले। 5 क कस्यां घणा मनख म्हारो
नाऊँ ले'र थांक गोड़यां आ'र ख'गा,"म्हूँ मसीह छूँ ",अस्यां बोल'र घणा मनख्यां न भंगरावगा।
" 6 अर जद थां लडाई की आवाज गोड़ॅ सुणो अर दूर देस की लडा़यां की खबर्यां सुणो तो मत
डरपज्यो",क कस्यां ये बातां को होबो जरूर छ पण उ घड़ी मं दुनिया नास कोई न्ह होवगी "
7 क कस्यां अलग अलग जात्यां का मनख एक दूसरा क बरोध्द मं लड़गा अर घणा देसां का
मनख ज्यांकी अलग अलग सरकार छ,व सारांई लड़ाई करगा।अर जग्ह जग्ह मं काळ पड़गा।
अर भूकम्भ होवगा । 8 अर ये सारी बातां जस्यां लुगाई क बच्चो होबा क बगत मं दर्द होवॅ छ
अस्यांण को दर्द छ।व्ह सारां खाली पीड़ा का दन की सुरुवात छ। 9 ऊ बगत मं दण्ड देबा काण
परमेस्वर क बरोध्द मं ज्ये ज्ये मनख काम करॅ छ,व थांन पकड़वावगा अर मार गालगा अर थां
म्हारा चेला होबा क कारण सब ज्याती का लोग थासुँ बैर राखॅगा। 10 उं बगत घणा मनखा को
मोह टुट जावगा अर वाको बस्वास कम पड़ जावगा।व एक दूसरा न अधीकारयां का हाथा मं
सुपेगा अर आमा सामा बेर रखाणॅगा। 11 अर घणा झुठा भविष्यबाणी बोल बाळा ऊबा होवगा
अर घणा मनख्यां न ठगेगा। 12 क कस्यां अधर्म क बड़बा सुँ घणा मनख्यां को प्रेम ठण्डा पड़
जाऊगो। 13 पण ज्ये मनख अपणा जीवन होबा ताँई धीरप धरे रहगा,व्हांनॅ परमेस्वर बचाऊगा।
14 अर सरग का राज को यो छोखी खबर सारा संसार मं सब जात्यां न गुवाई का रूप मं सुणायो
जावगा अर जदताँई अंत आवगा।

महासंकट को सरू होबो

15 जिसुं थे लोग नास करबाळी भयानक चीज ,जिका बारा मं दानियेल परमेस्वर क आड़ी सुँ
खबाळा न बतायो छ,जद ज्ये चीज परमेस्वर की नजर मं छोखी कोई न्ह,व्हा खराब चिझ मन्दर

मं न्ह होणी छाव छ,पण उ चीझ न ऊंठी खड़ी थें देखगा जठी वा चिझ खड़ी न्ह हो सकॅक छ
तो सारा मनख उ मन्दर न छोड़'र चल जावगा (हाँ,ई बात बाचबाळा छोखा समझो क ईंको
मल्लब कांई छ)। 16 फेर ज्ये मनख यहुदा देस मं रह'व छ व आबाळा नास सूँ जान बचाबा
काण डुंगरा मं भाग जाणी छाज्ये। 17 अर ज्ये मनख घर की छत प छ व अपणा घर मं कोई
सामान ल्याबाकाण घर क छत सु तणॅ उतर'र मैलाड़ी न्ह घुसे । 18 ज्ये कोई मनख माळ मं छ
व अपणा लत्ता लेबाकाण अपणा घरां पाछो न्ह मुड़ॅ। 19 अरे भारॅ,!उ दन मं पेट हाळी लुगायां
अर ज्ये लुगायां अपणा बच्चा काण दुध पुवावॅ छ ऊंक तांई घणी खर्डी होवॅगी क कस्यां व
अपणा जीवन बच्चाबा काण न्ह भाग सकॅक छ। 20 पण थां परमेस्वर सूँ पराथना करज्यो क
व्हो दन स्याळा मं या आराम हाळो दन मं न्ह होए (क कस्यां श्याळा मं सारांई भागबाकाण
घणो खर्डो अर खतरनाक होवॅ छ)। 21 क कस्यां व्ह दना मं अंस्यांको कळेस होवगा क जद
परमेस्वर न या दुनिया बणाई जद सूँ लेर तो हाल तांई अंस्याण को कळेस कदी बी न्ह होयो
अर अबाणु तो अतनो कळेस न्ह होवगो। 22 अर अगर परभु व्ह दनां न कम न्ह करतो तो
कोई बी कोई न्ह बचतो।पण परभु व्हांका चुन्या होया मनख्यां क ताँई व्ह दन कम करगा । 23
अगर वा दनां मं कोई मनख थांसूँ ख'व छ क,झांको,"अंठी छ मसीह, या ऊंठी छ मसीह" तो
थां उ बात मं बस्वास मत करज्यो। 24 क कस्यां उ दना मं कोई ठगिया मनख अपणा -आप सूँ
ख'व छ,क म्हां मसीह छां,अर म्हां परमेस्वर की भविष्यबाणी खबाळा छां अस्यां झूठ खबाळा
दिखबा मं आऊगा।अर व निसाणी-चमतकार दिखा'र अगर हो सकॅ तो चुन्या होया मनख्यां न
बी भंगरादेगा। 25 पण थां समळ'र रीज्यो,झांको,म्हनॅ थां सूँ ये सारी बातां होबा सूँ पहली ही ख
दी छ। 26 ई लेखॅ अगर व थांसु ख'गा क मसीह पाछो आग्या क,देखो,व्ह मरूथळ मं छ,तो
ऊँठी मत जाजिये अर अगर व ख'गा,देखो,ऊ ऊँठी ज्याग क मेलाड़ी छ' तो वांकॅ बस्वास मत
कर 27 जस्यां बादळा मं बिजळी एक कुणया सु दूसरा कुण्या तांई चमक छ अस्यांई मनख को
पुत्र भी अपणा दन मं प्रगट होवगो। 28 जसी तरॅ सु जठी लाश पड़ी होवगी उठी कावळा(गिध्द)
भी भेळा होवगा!

मनख को बेटो को आबो

29 पण वा दनां मं,जद दु:ख उठाबा क बाद मं,परमेस्वर सूरज को उज्जयाळा देबा बन्ध करगा
उन्धेरो होजावगो अर चन्द्रमा बी कोई न्ह चमकगो। अर आकाश सूँ तारा बी तणॅ गरबा लाग
जावगा अर परमेस्वर आकाश की सारी सकॅतियां न हलाई जाऊगी जि सूँ ज्ये आकाश मं छ व
अपणी जगाह छोड़ देगा। 30 उं बगत मनख का बेटा का आबा की नसाणी बादळा मं दिखाई
देगा।अर जद धरती प सारी जात्यां का मनख रोवगा अर व मनख का बेटा न शक्ती अर महमा
क लारां सरग का बादळा म आतो देखगा।।पण लोग-दणी मनख को बेटो न महासकति अर
महिमा क लारां बादळा प आतो देखगा। 31 उ बगत मं व्ह अपणा दूतां न खन्ना'र क व धरती
का ई मुंडा सूँ अर आकास का उ मुंडा तांई जा'र च्यारुमेर सूँ ऊंका थरप्या होया मनख्यां न
भेळा करगा।

अंजीर का रुखड़ा सुं सिखबो

32 "अंजीर का रुखडा़ सूँ थां एक बात सिखो;जद ऊंकी डाळयां नरम होजावॅ छ अर ऊंकी

कुपळा फुटबा लाग जाव छ तो उनॅ देख'र थां जाण ले छ क उंदाळो आबाळो छ। 33 अस्यांई
जद थां ई बातां न होता देख ले तो जाणलिज्यो क वा घड़ी गोड़यां ही छ अर बार्णा प ही छ।
34 याद राखो,म्हूँ थां सूँ साची खुँ छूँ ज्यां ताँई ये सारी बातां पूरी न्ह होजावॅ व्हांताँई यो मनख
जमारो रहगो। 35 आकास अर धरती टळ जावॅगी पण म्हारी बातां कदी बी न्ह टळेगी।

दन अर घड़ी कोई न्ह जाणॅ

36 अर ईसु न अपणा चेला सूँ खी,कोई मनख ऊ दन अर ऊ घड़ी क बारा मं कांई बी न्ह जाणॅ
छ क म्हूँ कदेक ई दुनिया मं पाछॅ आऊँ।न्ह कोई स्वर्ग क दूत, न्ह बेटो, ई घड़ी क बारा मं कोई
न्ह जाण,पण खाली पिता परमेस्वर हि ऊ दन अर ऊ घड़ी क बारा मं जाणॅ छ। 37 जस्यां नूह
क दनां मं होग्या, अस्यां ही मनख का पुत्र को आबा क दन मं भी होवगा। 38 पळो(जल-प्रलय)
आबा सुं फेली अर नूह को जहाज म चंढ बा का दन ताँई, लोग खाबो-पीबो अर शादी-ब्याव
करता रिया। 39 अर वांनॅ तब ताँई कोई पता न्ह चला जद ताँई पळो न्ह आ गया अर व सारा
न बहा न्ह ले गया। "मनख का पुत्र को आबो भी अस्यां ही होवगा। 40 ऊं बगत दो मनख खेत
मं होवगा अर एक न उठालिया जावगो अर दुसरा न छोड़ दियो जावगो। 41 अर दो लुगाईयां
एक लारां घट्टी पीस्ती होवगी,व दोनियां मं सुं एक ले लि जाव गी अर दूस्री छोड़ दिया जाव गी।
42 थां ई बगत सूँ जाग्ता रीज्यो क कस्यां थां जाणॅ कोई न्ह छ क थारा परभु कदेक ई दुनिया
मं पाछॅ आऊँगा। 43 पण या जरूर जाणल्यो क अगर घर का धणी न तोल होती क चोर कसी
बगत की आवगो तो वो जागतो रेतो,अर खुद का घर म चोरी कोई न्ह होबा देतो। 44 ई तरॅ सुँ
थां भी त्यार रहो,क कस्यां जि घड़ी क बारां मं थें बच्यार भी कोई न्ह कर छो,ऊ घड़ी मं मनख
को बेटो आ जावगा।

बस्वासहाळा सेवक

45 तो सोचो व्ह बस्वासहाळा अर बुध्दीमान भण्डारी कुण छ, जिकां धणी न अपणा सारां
नौकर चाकरां प देखभाळ करबा अर उनॅ समय प रोटी देबा काण जम्मेदारी सुपाया। 46 भलो
छ क व्ह दास जिंका धणी न ऊँ अस्यां करतो पायॅ। 47 म्हूँ थासुं साच्ची खरियो छूँ,ऊ दास न
अपणी सारी सम्पतीयां को आधिकारी बणावॅ गो 48 पण अगर व्ह खराब दास अपणा मन मं
यह सोची छ क 'म्हारो धणी न आबा मं देर छ,' 49 तो फेर दूसरा दासां न कुटबा लाग्यो छ, अर
दारुड़ियां क लारां खाबा-पीबा अर मजा करबा लाग्या। 50 तो ऊ दास को धणी बना बतायां
अर असी बगत प आवगो जद ऊँ ऊकी बाट-न्हाळतो कोई न्ह रह'वगो। 51 अर व्ह ऊँ दास न
बरी तरॅ सुं फटकारगो अर उनॅ वांसु खाड़'र अवश्वासियां क गोड़यां ऊका ठाम निश्चित करगा
ज्याँ रोबो अर दांत पीसबो होवगो।

25

लाढा कि बाठ नाळबाळी दस छोरयां की बात

1 ऊ दन सरग को राज वा दस कुँवारी छोरियां क नाईं होवगो ज्ये अपणा दीपक(दिया) लेर
लाढ़ा सुं मलबा खड़गी। 2 वा मं सुँ पाँच आळसी छी अर पाँच चातरूक छी। 3 क कस्यां

पाँचु आळसी छोरियां खुद का दिपक तो लेली पण वांकॅ लारां तैल कोई न्ह ले ली। 4 पण
चातरूक छोरीयां खुद का दिपक क लारां तैल का भरया राछ (कुप्पियाँ) भी ले ली। 5 लाढो
आबा मं मोडो हेग्यो जिसुं वा सारी न ऊंघ आबा लागगी अर व सो गी। 6 आधी रात को हुडदंग
माची 'क देखो,लाढो आ रयो छ!ऊ सुं मलबा चालो।' 7 जद व सारी कुवाँरी छोरियां उठी अर
अपणा-अपणा दिपक न त्यार करबा लागी। 8 अर आळसी छोरियां न चातरूक छोरियां सुँ खी,
म्हानॅ भी थाँका तेल मं सुँ थोड़ा स्योक तेल दे दॅ क कस्यां म्हाका दीपक बझबाळा छ।' 9 पण
व्ह चातरूक छोरियां न उत्तर दिया, 'न्ह ! म्हाँ कोई न्ह दे सकाँ।क कस्यां या तो म्हाँक लेख
काफी न्ह होवगो अर न्ह थाँकॅ लेख ।तो थें जार तैल बेचबाळा सुं खुद काण मोल ल्यावो। 10
जद व तैल मोल लेबा जाईरी छी क लाढो आ पुग्यो।तो व्ह छोरियां ज्ये त्यार छी,व ऊँक लारां
ब्याऊ हाळा घर मं मेलाड़ी खड़ गी अर फेर कोई न कुवाण्ड जुड़ दियो। 11 फेर आखरी मं व
बाकी क छोरियां भी आर खबा लागी,'हे स्वामी,हे स्वामी म्हांक काण भी कुवाण्ड़ खोल दॅ।
12 पण उनॅ ज्वाब दियो, 'म्हूँ थाँ सुँ साँची खरयो छूँ ,म्हूँ थाँनॅ कोई न जाणुँ।' 13 जिसुं जागता
रहो।क कस्यां थां तो ऊ दन न कोई न्ह जाणौ अर न्ह ऊ बगत न जद मनख को बेटो पाछॅ ई
दुनिया मं आवगो।

तीन सेवकां को ढास्टान

14 सरग को राज ऊ मनख क नाईं छ ज्यो जात्रा मं जाबा सुं फेली खुद का नोकरा न बलार
अपणा सारी सम्पती वांकताँई सुँप दि। 15 वो एक न चाँदी का रप्या सुं भरी पाँच खोतळयां
दियो ,दुसरा न दो अर तिसरा काण एक कोथळी दियो।व सारा काण वाँक काबलियत क
अनुसार देदीया अर जात्र मं चल ग्यो। 16 ज्याँनँ चाँदी का रप्या सुं भरी पाँच कोथळयां मली छी
वो वानॅ हाथ्योहात काम मं लगार पाँच कोथळयां ओर कमा लियो । 17 अस्याण की जिनॅ दो
कोथळयां मली छी वो भी दो कोथळयां ओर कमा लियो। 18 पण जिनॅ एक चाँदी का रप्या सुं
भरी एक कोथळी मली छी वो जार जमीन म एक खाढ़ो खोदर अपण मालिक का धन न गाढ
दियो। 19 घणा दन बित्या पाछै वा नोकरा को मालिक पाछो आयो अर सारा सुं इसाब लेबा
लाग्या। 20 वो मनख जिनॅ चाँदी का रप्या की पाँच खोतळयां मली छी ऊ मालिक क गोड़याँ
ग्या अर चाँदी का रप्या की पाँच ओर खोतळयां ले जार उसुँ खी, हे मालिक ,थारी दी हुई पाँच
कोथळयां सुँ म्हनॅ पाँच ओर कोथळयां कमाई छ। 21 उ मालिक न ऊ सुं खी,भला छ, उत्तम अर
बस्वासहाळा सेवक,थनॅ छोखा करया छो।तु बस्वास लायक सेवक छ,क कस्यां म्हनॅ थारॅतांई
थोड़ो-सो दीयो छो उ मं तु बस्वास लायक रहयो,तो म्हूँ थानॅ घणी चिजां को आधिकारी बणाऊँ
अपणा धणी का आनन्द मं भेळा हो जा। 22 फेर वो सेवक जिनॅ चाँदी का रप्या सुँ भरया दो
खोतळयां मली छी,ऊ सेवक न भी आ'र खी,हे मालीक, थाँ म्हारॅ काण दो खोतळयाँ सुपा दियो
छो ,देखो, म्हनॅ दो ओर कोथळयाँ कमाई छ। 23 उ मालिक न ऊ सुं खी,भला छ उत्तम अर
बस्वासहाळा सेवक,थनॅ छोखा करया छो।तु बस्वास लायक सेवक छ क कस्यां म्हनॅ थारॅतांई
थोड़ो-सो दीयो छो उ मं तु बस्वास लायक रहयो,तो म्हूँ थानॅ घणी चिजां को आधिकारी बणाऊँ
अपणा धणी का आनन्द मं भेळा हो जा । 24 फेर वो जिनॅ चाँदी का रप्या की एक कोथळी
मली छी,उनॅ भी आर खुद का मालिक सुँ खी, 'हे मालिक,म्हूँ जाणु छूँ, ,क तू एक घणो खरडो
मनख छ।अर ज्यां कोई न्ह बायो छ,वां थें काँटॅ छ।अर ज्याँ कोई बीज न्ह बखेर वां सुँ तु बीणॅ

छ। 25 सो म्हूँ डरप ग्यो छो अर जार चाँदी का रप्या कि कोथळी न जमीन मं गाढ दियो,देखो,
ज्यो थारो छ,व्ह य्हाँई छ। 26 'ऊँको मालिक न उ सूँ खी,हे खराब अर आळसी सेवक,तू तो
म्हनॅ जाणॅ छो,क ज्यां कोई न्ह बायो छ,वां म्हूँ काँटॅ छूँ।अर ज्याँ कोई बीज न्ह बखेर वां सुँ तो
बीणॅ छूँ । 27 तो थनॅ म्हारा रपया कोड़ी ब्याज सुँ खामी न्ह दे दिया,ताकि म्हूँ पाछा आतो तो
ज्ये म्हारो छ ब्याज समेत ले लेतो। 28 ई लेखॅ ,उ मालिक न वांसुँ खी,या चाँदी का रप्या कि
कोथळी उ सुँ लि ल्यो अर जिंकॅ गोड़यां चाँदी का रप्या कि दस कोथळयाँ छ ये उकॅ काण दे
दॅ। 29 तो मालीक न खी,म्हूँ थासुँ खरियो छूँ,क ज्यांकॅ ताँई ज्ये दियो ग्यो छ,अगर उनॅ ऊका
उपयोग ज्ये छोखी ढँग सुँ करॅ छ,व्हांकॅ ताँई और ज्यादा दियो जावगो,अर जतनी ऊकॅ जुरत
छ,व्ह ऊ सुँ ज्यादा पावगा पण ज्ये अस्यां कोई न्ह करॅ छ, तो अगर व्हांक गोड़यां थोड़ी भी छ
तो ऊ बी वांसु ले लियो जावगो। 30 अर ई बनाकाम का नोकर न बारे उन्धेरा मं पटक दियो
ज्यां रोबो अर दांत पीसबो हेवगो।

न्याई को दन

31 मनख को बेटो जद अपणी महमा मं आवगा,अर सारा सरग दुत ऊकॅ लारां आवगा तो व्ह
अपणी म्हमा क संहासन पर विराजमान होवगा। 32 तो सबी जात्यां उके सामे भैळी हो जावगी
अर जस्यां गुवाळियां गाड़रा न छेळीयां सुँ न्हाळा करॅ छ ,उस्यां ही ऊ वानॅ एक दुस्रा सुँ न्हाळो
करगा। 33 अर व्ह गाड़रा न अपणी जीवां क आड़ी अर छेळियां न कण्डीया क आड़ी ऊबो
करगो। 34 तब राजो अपणा जीवां हाथहाळा सुँ ख'गो,हे म्हारा पिता का भला लोगांओ,आओ,ऊ
राज का अधिकारी बणो ज्ये जगत की उत्पती सुँ थाँकॅ काण त्यार छ। 35 यो राज थाको छ क
कस्यां म्हूँ भूखो छो अर थानॅ म्हारॅ काण कोई खाबा काण दियो, म्हूँ तसायो छो अर थानॅ म्हारॅ
काण पाणी पुवायो।म्हूँ अणजाण छो अर थानॅ म्हारॅ काण अपणो घर मं ठहरबा दियो। 36 म्हूँ
नातकणो छो,अर थानॅ म्हारॅ काण लत्ता परायो।म्हूँ बिमार छो, अर थनॅ म्हारी सेवा करयो। म्हूँ
बंदी छो अर तु म्हनॅ मलबा काण आयो। 37 फेर जुवाब मं धर्म मनख न ऊ सुँ बुजया ,' क हे
परभु, म्हां थानॅ कदेक भुखो देखया अर खुवाया अर म्हां थानॅ कदेक तसायो देखया अर पाणी
पुवाया? 38 थानॅ म्हाँ कदेक गोड़ सुं जातो होयो अणजाण देखर अपणा घर मं ठहराया छा अर
नातकणो देखर थाकाण कदेक लत्ता पराया छा? 39 अर म्हां कदेक थें बिमार अर बन्दी देखया
अर था सुँ मल्बा आया। 40 " फेर राजो न वाकॅ काण जुवाब दियो, 'म्हूँ था सुँ साँची खरयो छुँ,
क ज्ये काँई थें म्हारा भौळा-ढाळा भाया मं सुँ एक कि लारां भी थें कोई-काई करया छा तो थें
वो म्हारॅ काण ई करया छा । 41 फेर वो राजो कण्डिया क आड़ी हाळा सुँ ख'गो, 'हे सापित(
शाप) लोगों! म्हारॅ सामॅ सुं चल जावो,अर उं कदी भी कोई न्ह बझबाळी आग मं जा पडो ज्यो
आग शैतान अर उका दुतां काण त्यार करी गी छ। 42 क कस्यां म्हूँ भूखो छो अर थानॅ म्हारॅ
काण कोई खाबा काण न्ह दियो, म्हूँ तसायो छो अर थानॅ म्हारॅ काण पाणीकोई न्ह पुवायो। 43
म्हूँ अणजाण छो अर थानॅ म्हारॅ काण अपणो घर मं कोई न्ह ठहरबा दियो। म्हूँ नातकणो छो,अर
थानॅ म्हारॅ काण लत्ता कोई न्ह परायो।म्हूँ बिमार अर बंदी मं छो अर तु म्हनॅ समाल लेबा कोई
न्ह आया। 44 फेर व भी जुवाब मं ऊ सुँ बुझगा,क हे परभु,म्हां थानॅ कदेक भुखा या तसायो या
अणजाण या नाताकणा या बेमार या बन्दि मं देखया अर थारी सेवा कोई न्ह करया। 45 फेर ऊ
जुवाब मं वा सुँ खवगो, ' म्हूँ था सुँ साँची खरयो छुँ, क ज्ये काँई थें म्हारा भौळा-ढाळा भाया मं

सुँ एक कि लारां भी थें कोई-काई न्ह करया छा तो थें वो म्हारॅ काण भी कोई न्ह करया ।अर यो खराब लोग अमर दण्ड पावगा पण धर्मी अमर जीवन मं प्रवेश पावगा।

26

ईसु न मारबा काण जाळ-साजी

1 अस्यां होई क जद ईसु ये सारी बातां खबा क बाद मं अपणा चेला सुँ खबा लाग्या। 2 थें लोग जाणॅ छो क दो दन क पाछॅ यहूदी मनख्यां को फसह नाऊँ को एक त्वार होबाळो छो।ऊ बगत मं मनख को पुत्र कुरुस प चढ़ाबा काण पकड़वायो जावगो। 3 जद प्रधान याजकां अर बढा-बुढा यहुदी नेता कैफा नाऊ का प्रधान याजक का आगंणा म भेळा होया। 4 अर व आमॅ-सामॅ बच्यार करबा लाग्या क ईसु न छान सेक पकड़र मारबा गालां । 5 पण व खुद आमॅ-सामॅ खबा लाग्या,"क आपण उनॅ फसह क त्वार क दन कोई न्ह पकड़ाँ।अगर आपण त्वार क दन ईसु न पकडाँ तो ऊंठी त्वार मं आबाळा मनख्याँ क बीचा मं हंगामो होजाऊगो।

बेतानिय्याह गाँव मं ईसु

6 तो बैतनिय्याह गाँव मं जद ईसु सिमोन जींक पहली कोढ़ की बीमारी छी,ऊंक घर मं रोटी खाबा काण बठ्यो। 7 उ बगत मं एक बायर संगमरमर नाऊँ का धोळा भाटा सूँ बणाया बोतल मं घणो म्हाँगो अन्तर ले'र आई;अर जद ईसु रोटी खाबा काण बेटचो तो ऊ बायर न व्ह सारो अन्तर ईसु का माथा प उण्डेल द्यो। 8 पण या देखर चेला रोस मं होर खबा लाग्या,ई बायर न यो अन्तर कांई काण उण्डेल'र खराब कर्यो छ? 9 ई अन्तर न ऊँचा दाम मं बेचर ऊ रप्या न गरीब मनख्यां काण बाँटयो जा सकॅ छा। 10 ईसु व्हाँकी ई बात न सुण'र वा सूँ ई बोल्यो,थाँ ई बायर न काई काण आखती कर्या छ? उनॅ म्हारा लाराँ भलाई करी छ। 11 क कस्यां गरीब तो थाँक लारां हठफहर रह छ अर थां जद छावॅ तब व्हाँकी भलाई कर सकॅ छ,पण म्हूँ थांक लारां सदा कोई न्ह रहऊँ। 12 उ म्हनॅ गाड़्या जाबा की त्यारी मं पहलीयाँ सुँ ही म्हार डील प अन्तर उण्डेल द्यो छ। 13 म्हूँ थांसूँ साची खुऊँ छूँ, क सारा संसार मं जठी बी परमेस्वर की छोखी खबर को परचार कर्यो जावगो,व्हाँ ई बायर की याद मं ज्ये कांई ईनॅ कर्या छ, उंकी बतळावन होऊगी।

यहूदा को बस्वास घात

14 तो यहूदा इसकॅारियोती बाराह चेला मं सूँ एक चेला छो,उ प्रधान याजकां क गोड़यां ग्यो अर खी। 15 अगर म्हूँ ईसु न थांकॅ हाथ मं पकड़वा दूँ ,तो म्हारॅ काण काँई देवगा? व यहुदा काण चाँदी का तिस सिक्का गणर दे दिया। 16 अर ऊ बगत सुँ यहूदा ईसु न व्हांका हाथ मं पकड़वाबाकाण मोको हेरबा लाग्यो।

चेला क लारां आखरी बगत मं रोटी खाबो

17 बना खमीर की रोटीहाळो त्वार क फॅलो दन ,चेला न ईसु सूँ बूझी,"तु कठी छावॅ छ क म्हाँ थाकॅताँई फसह खाबा की त्यारी करां?" 18 उन्ह खी,नगर मं फलाणा (असुक) मनख क

गोड़्याँ जार उसुँ खो,गरुजी खरिया छ,म्हारॅ समय गोड़ॅ आग्यो छ,म्हूँ म्हारॅ चेला क लाराँ थारॅ
याँ फ़सह पर्व मनाबाळा छूँ। 19 फेर चेला न जस्यां ईसु खी वस्यां ही करदिया,अर फ़सह पर्व
की त्यारी करया। 20 जद दन बुड़ग्यो तो ईसु अपणा बाराह चेला क लारां आ'र ऊ घर क
मलाड़ी जा'र रोटी खाबा काण बठग्या। 21 अर जद व्ह चेला क लारां बठ'र रोटी खार्यो छो तो
ईसु न अपणा चेला सूँ खी,सुणो! म्हूँ थांसूँ साची खुँ छूँ ,थां मं सूँ एक मनख म्हनॅ पकड़वावागो।
22 व ईसु की ई बात न सुण'र घणा दुखी होया अर व एक-एक कर'र ईसु सूँ बूझबा लाग्या,हे
परभु,कांई ऊ म्हूँ छूँ क? 23 ईसु न ज्वाब दिया,क थां बारह मं सूँ एक छ ज्ये महार लारां एक
कटोरा मं डबोवॅ छ,ऊ म्हनॅ धोखा सुँ पकड़वावगो। 24 तो, म्हूँ, मनख का बेटो न तो मरणो ई
छ जस्यां ऊंक बारा मं पबित्र सास्त्र मं मण्डी छ,ऊस्यां हो जाव छ। पण ज्ये आदमी,मनख को
बेटो न पकड़वावगा,ऊंकी कत्री बरी दसा होवगी,अगर ऊंको जनम न्ह होतो तो ऊकाण छोखो
ही छो। 25 जद बस्वास घात करबाळो यहुदा न खी,"गरु जी, काँई ऊ म्हूँ छूँ क? ईसु न उ सुँ
खी,"हाँ,अस्यां ही छ जस्यां थनॅ खी छ,"

प्रभु-भोज

26 जद व जीम रिया छा क ईसु हाथ मं रोटी ले'र उ रोटी काण परमेस्वर को धन्यावाद दे'र व्ह
रोटी तोड़ी अर व्हांक काण दी अर ईसु न अपणा चेला सूँ खी,"ल्यो,ईनॅ खावो,यो म्हारो डील
छ"। 27 ईंक पाछॅ ईसु न कटोरो उठा'र जी मं अंगुर को रस छो, उ कटोरो काण परमेस्वर को
धन्यावाद कर'र चेला काण देर खी,थें सारांई ई मं सुँ पिओ। 28 अर ईसु न वांसूँ खी,यो अंगुर
को रस,म्हारो खून एक नया करार(वाचा) क सरुवात करॅ छ ज्यो घणा का पाप न माफ करबा
काण बुवाया जावॅ छ। 29 म्हूँ थांसूँ साची खर्यो छूँ, क अंगूर को ई रस न ऊ दनां ताईं कदी भी
न्ह पीऊँ,ज्याँ ताँई थाँकॅ लाराँ अपणा पिता का राज्य मं नया अंगुर का रस कोई न्ह पीऊँ। 30
फेर व भजन गार जैतुन नाऊँ का डुंगर प चलग्या।

पतरस का नटबा की भविष्यवाणी

31 अर ईसु न अपणा चेला सूँ खी,क थां सारांई आज ही रात मं म्हारॅ बारां मं ठोकर खावगा
जस्यां परमेस्वर न नरां दन पहली या खी छी,व्ह परमेस्वर का सास्त्र मं माण्ड़या छ, "म्हूँ गाड़रा
चराहबाळा गुवाळयाँ न मारूँऊँ अर गाड़रा अलक-तलक होजावगी।" 32 पण जद म्हूँ मर जाऊँ
अर फेर परमेस्वर का हाथा सूँ जी उठुँ, तो थां सूँ पहली गलील ईलाका मं जाऊँ। 33 उ बगत
पतरस न परभु ईसु सूँ खी,अगर सारांई थांनॅ छोड़देगा पण म्हूँ कदी भी थांनाॅ न्ह छोड़ऊँ"। 34
तो ईसु न पतरस सूँ खी,म्हूँ थ सूँ साची खर्यो छूँ क आज की रात मं मूर्गा क बोल्बा क पहली
तु तीन बार म्हनॅ पछाणबा मं नटॅगो।" 35 फेर पतरस न ईसु की या बात सुण'र बोल्यो,"अगर
म्हनॅ थांरा लारां मरणो बी पड़े तो बी म्हूँ थांनॅ पछाणबा मं नटूँ कोई न्ह।"अर याईं बात सारा
चेला न बी खी।

ईसु की पराथना

36 फेर ईसु अर ऊंका चेला गतसमनी नाऊँ का एक बगीचा मं आया।अर ईसु न अपणा चेला
सूँ खी,"थां अंठी बठया रियो जद ताँई ऊँठी जार म्हूँ पराथना करूँ तब ताँई बठया रीज्यो। 37

अर ईसु अपणा लारां पतरस अर जबदी का दोनी बेटा याकूब अर यूहन्ना न लेर ग्या।अर घणो
दुखी अर ब्याकुल होबा लाग्यो। 38 ईसु वांसूँ बोल्यो, म्हारो मन गजब कळेस मं छ य्हांताँई
क म्हूँ मरबाळो सो होर्यो छूँ।थां अंठी ही बठ ज्यावो अर म्हारॅ लाराँ जागता रियो।" 39 फेर
ईसु ऊंठी सूँ चिणी सीक दूर जा'र धरती प आडो पडर पराथना करबा लाग्यो अर बोल्यो,क
हे म्हारॅ पिता,अगर हो सकॅ तो या कटोरा म्ह प सूँ टळ जावॅ पण जस्यां म्हूँ छावूँ अस्यां न्ह हो
पण जस्यां तु छाव अस्यांई होवॅ।" 40 ईसु पराथना कर'र अपणा चेला क गोड़याँ ग्यो अर वांनॅ
सुता देख'र पतरस सूँ खी, कांई थें लोग एक घंटा भर बी कोई न्ह जाग सक्ॅयो? 41 थां जागता
रियो अर पराथना करता रियो जिसूँ थां परिक्सा मं न्ह पड़ सकॅ छ।थांरी आतमा तो छोखा काम
करबा छावॅ छ पण थांरो डील तो यो काम करबा काण कमजोर छ"। 42 फेर उन्ह दूसरी बार
जार या पराथना करी,हे म्हारा पिता,अगर दुखा को यो कटोरो म्हारा पिया बना कोई न्ह टळॅ
सकॅ तो थारी इच्छा पुरी होवॅ। 43 फेर ईसु अपण चेला क गोड़यां आया तो व पाछा ही सुता
पाया क कस्यां वांकी आंख्यां नींद सूँ भरी छी । 44 ईसु वानॅ छोड़र फेर पाछो ग्यो अर ऊई
बाता न बोलर तिसरी बार पराथना करयो। 45 अर ईसु पराथना कर'र बाद मं अपणा चेला क
गोड़यां आ'र वांसूँ खी,कांई थां अबाणु ताँई सोर्या अर आराम करया छ क?।देखो,व्हा घड़ी
आगी जद मनख को बेटो पाप्यां क हाथ मं पकड़वायो जावॅ छ। 46 थां उठो,चालां! झांको,
म्हनॅ पकड़ावाबाळो गोड़यां आ पुग्या छ।

ईसु पकड़ायो

47 एकदम जद ईसु अस्यां खर्यो छो क यहुदा ज्ये व्ह बाराह चेला मं सूँ एक छो ऊ अपण लारां
यहूदीयां क प्रधान याजकां अर यहुदियां का निम सखाबाळा अर यहूदीयां क पुरानयो मनख्यां
का हुकम सुँ ऊँ घणी सारी भीड़ ऊंठी आयो।व्हांक लारां तलवारां अर लाठीयां बी लेर आया
छाँ। 48 यहूदा न पकड़बाळा सूं पहली बता दी छी क म्हूँ जा'र जिंनॅ म्हूँ चुमुं ऊ ई छ थां उनॅ
पकड़ लिज्ये। 49 जद व बगीचा मं पुग्गया,तब यहूदा न ईसु क गोड़यां आ'र खी,"है गरूजी"
नमस्कार;अर उनॅ ईसु का गाल प घणा चुमा ल्या । 50 ईसू न ऊँ सुँ खी,हे भाईला जि काम क
लेखॅ तु आयो छ उन्ह कर लॅ। तो व्ह भीड़ क मनख ईसु क गोड़यां आया उन्ह पकड़'र अपणा
कब्जा मं ले ल्यो। 51 अर देखो,ईसु क साथिड़ा मं सुँ एक न अपणी तलवार काढ़ी अर महा
याजक का एक दास प चला दी जि सुं ऊको कान कट ग्यो। 52 तो ईसु न उ सुँ खी, "अपणी
तलवार न मियान मं धर लॅ।ज्ये तलवार चलाबाळा छ व तलवार सुं ई मारया जावगा। 53 काँई
तु जाणु कोई न्ह क,म्हूँ अपणा पिता सुँ अरज करॅ सकॅ छूं,अर व्ह सरगदुता की बाराह सेना
सुं भी ज्यादा म्हारॅ काण अबाणु खन्ना देगा? 54 पण अगर म्हूँ अस्यां करॅ तो पवित्र सास्त्र मं
माण्ड़यो या बात कस्यां पुरी होवगी क सब अस्यां ई होणी छ? 55 तो ईसु न भीड़ सूँ बुँझी,"
म्हूँ कोई डाकू छूँ क, थां म्हनॅ पकड़बा काण काई काण तलवारां अर लाठ्यां लेर आया छ?
म्हूँ तो नथकई मन्दर क आँगणा मं बठ'र उपदेस देवॅ करॅ छो अर उ बगत मं थां म्हनॅ कोई बी
न्ह पकड़या। 56 पण म्हारा बारा मं ज्ये कोई पवित्र सास्त्र मं परमेस्वर क आड़ी सुँ बोलबाळा
न माण्ड़यो छो व्ह सारी पुरी होवॅ छ। फेर ईसु का सारा चेला उनॅ एकलो छोड़'र भाग्या।

महा सभा मं ईसु

57 अर ज्यानॅ ईसु पकडिया छा व उन्ह काइफा नाऊँ क यहूदीयां का महा याजक क गोड़्यां
लेग्या,अर ऊंठी यहुदियां का निम सखाबाळा मनख अर बुजुर्ग यहूदी नेता भेळा होग्या। 58 अर
पतरस ईसु क पाछॅ दूर सूँ जातो रियो अर ऊंक पाछॅ -पाछॅ महा याजक क आंगणा क मॅलाड़ी
ताँई आ'र अन्त देखबा काण ऊंठी चोकिदारां क लारां बठ ग्यो। 59 प्रधान याजकां अर सारा
महा सभा का लोग हेरबा लग्या ज्ये ईसु क बरोध्द मं ग्वाई दे सकॅ।क कस्यां व ईसु न मार
गालबा क ताँई कोई कारण मलॅ। 60 पण घणा सारा लोग ईसु क खिलाफ झुठी ग्वाई बतार्या
छा पण व कोई न्ह पा सक्या आखरी मं दो जना न आर खी 61 ,"म्हांनॅ इका मुंडा सूँ या बात
सुणी छ क म्हूँ ई परमेस्वर क मन्दर न ढसा दियुँ अर फेर तीन दन क भीतर दूसरो बणा सकु
छूँ"। 62 व्हांकी बातां न सुण'र महायाजक उबो हो'र ईसु सुँ बुझबा लाग्यो,तु य्हांकी बातां को
कांई बी ज्वाब कस्यां न्ह देर्यो ये सारा मनख थारा बरोध्द मं कांई कांई ग्वाई देर्या छ ? 63 पण
ईसु छानमुन रियो अर व्हांक काण कांई बी ज्वाब न्ह द्यो।महायाजक न फेर ईसु सुँ बुझयो,"म्हूँ
थनॅ जीवता परमेस्वर को सोगन गालरियो छूँ ,महांक ताँई बता,कांई "तु मसीह छ क?",ज्ये
परमेस्वर को बेटो छ। 64 तो ईसु न उ सुँ खी,हां म्हूँ छूँ जस्याँ थें खुद खर्या छो पण म्हूँ थासुँ या
भी खुँ छूँ ,क थां अबाणु सुँ मनख को बेटो न सर्वसक्ॅतीमान परमेस्वर क जीवां हाथ क आड़ी
बठयो देखॅगा अर सरग का बादळा प आतो देखॅगा।" 65 तो महायाजक न अपणा लत्ता फाड़'र
खी,य्हाँनॅ परमेस्वर की निन्दा करी छ ,अबाणु,आपण काण कोई गुवांई की कांई जरूरत कोई
न्ह। थांनॅ खुद ही इका मुण्डा सूँ परमेस्वर की बराई सुण लीया छो, 66 अबार थांको कांई
बच्यार छ?" अर व सारांई खबा लाग्या,ईनॅ मार देणो छावॅ छ।"

पतरस को ईसु न न्ह पछाणबो

67 अर कोई लोग ईसु क मुण्डा प थूंकया अर कोई ऊंकी मुक्का मारा अर कोई न ऊँकॅ थप्पड़
दी अर खी। 68 हे मसीह,भबीस्यबाणी कर!,अर बता थारॅ कीनॅ दी" ? 69 जद पतरस तणॅ
आंगणा मं बठयो छो तो व्हां महायाजक की दास्यां मं सूँ एक दासी आई अर उ सूं खी,"तु बी
तो ऊ गलीली का ईसु क लारां छो।" 70 पण साराँई क सामॅ पतरस नटग्यो अर खी,म्हूँ कोई
न्ह जाणुं अर तू ज्ये म्ह सूँ बोलरी छ। 71 "अर ऊ अस्यां बोल्तो होयो आंगणा क बाहर ढोळी
प आग्यो फेर दूस्री दासी न पतरस देख'र उ सुँ व्हांई उबा मनख्यां सूँ खबा लागी,यो बी " तो ऊ
ईसु नासरी क लारां छो।" 72 पण पतरस सोगन खा'र फेर नटग्यो क म्हूँ उ मनख न कोन्ह जाणुँ।
73 फेर चिणी सीक दे'र पाछॅ ज्ये व्हांई उबा छा वां मं सूँ एक मनख पतरस गोड़याँ आर खबा
लाग्यो,तू सही मं वां मं सूँ एक छ,क कस्यां थारी बोली सुँ तोल पड़रियो छ। गलील इलाका
को छ।" 74 जद पतरस व्हांकी बात सुण'र धिक्कार देबो अर सोगन खा'र खबा लाग्यो, जिंकी
बारां मं थां बातां कर्या छ म्हूँ उ मनख न कतेई न्ह जाणुँ उ बगत हाथ्योहात मुर्गो बोल्यो। 75 पण
उ बगत मं पतरस न ईसु की व्हा बात याद आई,"क मुर्गो क बोलबा क पहली तू तीन बगत
म्हनॅ पछाणबा मं ख'गो,क म्हूँ इ नॅ कोई न्ह जाणुँ",अर ऊ ई बात न सोच'र बाहर जार डकरार
-डकरार रोबा लाग्यो

27

पीलातुस क सामॅ ईसु

1 जद दन उग्यो,तो प्रधान याजकां, बुजुर्ग यहूदी नेतां न एक्टा हो'र ईसु न मार गालबा काण
योजना बणाई। 2 वानॅ ईसु बान्ध्यो अर पीलातुस क गोड़यां ले जार ऊका हाथ मं सुप दिया ज्ये
यहूदी देस का रोमी राज्पाल छ।

यहूदा की आत्महत्या

3 जद यहुदा न जिन्ह ऊ पकड़वायो छो,व्ह देख्यो क ईसु न अपराधी बणाया ग्या छ, तो व्ह
घणो पस्तायो अर प्रधान याजकां अर बुजुर्ग यहुदी नेता क गोड़यां चाँदी का ऊ तीस सिक्का
पाछा लाया। 4 अर उनॅ खी, “क म्हूँ एक नरपराध मनख न मारबा काण पकडवार पाप करयो
छूँ।”पण वानॅ खी, “म्हानॅ ई सुँ काई लेण देणो छ! तु जाणे।” 5 जद यहुदो वा चाँदी का सिक्का
न मन्दर क मेलाड़ी फकार चल ग्यो अर बाहर जार खुद क फांसी लगा लियो। 6 प्रधानयाजकां
वा रपया न उठार खी,“आपणा निम मं ई धन न मन्दर का गल्ला मं मेलबो छोखो कोई न्ह, क
कस्यां यो खुन का दाम छ।” 7 अर वानॅ आमॅ-सामॅ मं सलाह करी अर ऊ सिक्का सुँ परदेसीयां
न गाढ़बा काण कुम्हार को खेत मोल लेल्या। 8 जिसुं वो खेत आज दन ताईं भी ‘लोई को खेत’
का नाऊ सुं जाण्यो जावॅ छ। 9 अस्यां परमेस्वर की भविष्यबाणी खबाळा यिर्मयाह को वाळ
खियो ऊ बचन पुरो होयो: “वानॅ चाँदी का तिस सिक्का मोल लिया, इस्रायल का मनख ई रकम
न उकॅ काण देबा की थपाई करया छा। 10 अर जस्याँ प्रभु न म्हारॅ काण आज्ञा दि वस्याँ ही
वानॅ कुम्हार को खेत मोल लिया।”

ईसु काण मौत की सजा

11 तब ईसु राज्यपाल क सामॅ खडो होयो,तो राज्यपाल न ईसु सूँ बूझी,कांई तू यहूदीयां को
राजो छ क?” ईसु न व्हांकाण ज्वाब दिया,अस्यां ही छ ,तु अपणा-आप खर्यो छ। 12 फेर
प्रधान याजकां अर बुज़ुर्ग यहूदी नेता न ईसु प घणी बातां का दोस लगार्या छा,तो उन्ह काई भी
ज्वाब न्ह दियो। 13 पीलातुस न ईसु सूँ फेर बुझी,कांई तु न्ह सुणया, ये मनख थ पॅ कत्नी बातां
को दोस लगाबा लागर्या छ। 14 पण ईसु न ऊंकॅ काण कांई बी बातां क ज्वाब न्ह दीयो, ईसु
न छानमुन होयां देख'र पीलातुस घणो सोच मं पड़ग्यो। 15 पण हर साल जद व्ह फसह नाऊं
को त्वार आवॅ छ तब पीलातुस कस्याँ बी एक कैदी न जिंनॅ लोग-दणी छावॅ छ उनॅ वांक ताँई
छोड़ देवॅ छो। 16 ऊ बगत बरअब्बा नाऊँ को एक खतरनाक केदी ऊँठी बन्दी छो। 17 जद व
एकट्टा होया,तो पीलातुस न वासुँ खी,थाँ काँई छावॅ छो,क म्हूँ थाँकॅ लेखॅ छोड़ दियुँ? बरअब्बा
न या फेर ईसु ज्ये मसीह खुवावॅ छ। 18 क कस्यां पीलातुस न य ई लेख खी क ऊ जाणॅ छो
क प्रधान याजकां न जळता-बळता सूँ याँनॅ पकड़वायो छो। 19 पिलातुस जद न्याय का आसन
प बठयो तो उंकी घराळी न उंकॅ गोड़यां एक संदेशो खंदायो, क“ऊं धर्मी मनख का मामला मं
हाथ मत लगाज्यो,क कस्यां उक बजे सुं म्हूँ आज रात सपना मं घणा दुख उठायो छ। 20 ”पण
प्रधान याजकां अर बुज़ुर्ग यहूदी नेतां न भीड़ उकसाई क बरअब्बा न छोड़बा की अर ईसु न
मार गालबा की मांग करो। 21 तब राज्यपाल न ज्वाब दिया ये दोनी मं सुँ किन्ह छोड़ दियुँ?
वानॅ खी,बरअब्बा न छोड़ दियो। 22 या सुणताँई पीलातुस न भीड़ सूँ बुझी,फेर म्हूँ ईसु न ज्ये
मसीह कुवावॅ छ,उनॅ काँई करूँ? सारांई न ऊ सुँ खी,उनॅ कुरुस प चढ़ा द्यो!”। 23 पीलातुस
न भीड़ सूँ खी,काँई काण,उन कांई बराई करी छ।?”पण व्ह मनख जादा बसावडा करबा

लाग्या,उनॅ कुरुस प चढ़ा द्यो।” 24 पिपलातुस न देखयो क अब काई फायदो कोई न्ह। पण लड़ाई होबाळी छ।तो वो पाणी मंगार ऊ भीड़ क सामे खुद का हाथ धोर खी,“ई धर्मी का खुन सुं म्हारो कोई सरोकार कोई न्ह।थें लोग ई जाणॅ।” 25 जुवाब मं सारांई न खी,“ईका लहू की जुवाबदारी म्हाँ अर म्हाँका छोरा-छोरीयां माना छां।” 26 तब पीलातुस न वांक लेखॅ बरअब्बा छोड़ द्यो अर ईसु न पट्टा सूँ मरवार जिंक बाद मं कुरुस प कीलां ठोंक’र मारगालबा काण हुकम दे’र सपाईयां क हाथ मं सुपा दिया।

सपाईयां न ईसु की मजाक उड़ाई

27 फेर राज्यपाल का सपाईयां ईसु न राज्यपाल क राजम्हल का मेलाड़ी लेग्या।अर ऊँठी ऊँकॅ च्यारुमेर सपाईयां की पूरी पलटन एकटा होगी। 28 वानॅ उका लत्ता उतार’र उकॅ ताँई रातो रंग को लत्ता फरायो। 29 अर ऊंक सीर प कांटा को मुकट गूँथ्थ’र धर दियो ,अर ऊका जिवां हाथ मं सोटो थमा दियो अर ऊँकॅ आगॅ गोढ़ा टेकर व ऊँकी हाँसी मजाक करबा लाग्या ,क हे यहूदीयां का राजा थारी जय हो।” 30 फेर वानॅ ऊंक मुण्डा प थुँक्यो अर ऊ सोटो लेर ईसु क माथा प मारबा लाग्या। 31 जद व ईसु को मजाक उडा़ चुक्यो,तो व ऊंका लत्ता न खाढ़’र पाछॅ ऊंका खुद का लत्ता फरा दिया फेर उनॅ कुरुस प चढ़ाबा क ताँई बाहरॅ लेग्या।

ईसु न कुरूस प चढा़बो

32 जद व बाहर जाई रया छा तो वान्ह समोन नाऊँ का कुरेनी देस को रहबाळोएक मनख मल्यो छो अर सपाईयां न ऊ बनापाल्तु मं पकड़लियो अर ऊंसूँ जबरदस्ती सूँ खी,क ईसु का कुरुस न उठा’र ले चाल। 33 फेर जद व गुलगुता नाऊँ की जग्ह पॅ पुग्या(जींको अर्थ छ कोफड़ी की जग्ह)। 34 तो व ऊंक काण मुर्र मल्यो होयो अंगूर को रस पीबा काण दियो,पण ईसु न उ अंगूर को रस न चाखर पीबा काण नटग्या । 35 ईंक पाछ ईसु कुरूस प चढा’र लटका द्यो,ईसु का लत्ता न बाटबा काण आमॅ-सामॅ गोळयां गुडार क किनॅ कांई मल्यो,वानॅ लत्ता बाँट लिया। 36 अर ऊँठी बेठर ऊकी रुखाळी करबा लाग्या। 37 अर ऊंठी ऊंक माथा क ऊपर एक दोस पत्र माण्डर ठांक दी। ऊ मं या मण्डी छी ‘यो यहूदीयां को राजो ईसु छ।” 38 वानँ उँक लारां दो डाकू बी कुरुस प चढाया ग्या।अर एक ऊंका जीवां हाथ क आडी अर दुसरो उँका कण्डया हाथ क आडी लटकादियो। 39 अर गेला मं खड़बाळा अपणा माथा न हला-हला’र ईसु की बेजती कर रिया छा। 40 व ईसु सूँ खर्या छा ,अरे!वाह!तू ऊई छ न!ज्ये मन्दर न ढसाबाळो अर तीन दन मं पाछॅ बणाबाळो। ! अपण-आप नॅ बचा ल, अगर तू परमेस्बर को बेटो छ । तो कुरुस प सुँ तणॅ उतर्या आ। 41 अर अस्यां ही प्रधान याजकां, यहुदीयां का निम सखाबाळा अर बुज़ुर्ग यहूदी नेतां बी ईसु की मजाक उडार्या छा। 42 अर व आमॅ-सामॅ बतळाबा लाग्या,ओ इनॅ औरां को तो बचाया पण खुद न कोन्ह बचा सकॅ्यो।” यो इस्राइल को राजो छ,अब कुरुस प सूँ तणॅ तो उतर आ,तो म्हाँ ऊ प बस्वास करां। 43 यो परमेसर मं बस्वास करॅ छ।तो परमेसर छावॅ तो अबार इनॅ बचा ले।क कस्यां यो ख’व छो ,“ म्हूँ परमेसर को बेटो छूँ।” 44 ई तरॅ सुँ डाकु भी ज्ये ऊँक लारां कुरुस प लटकाया ग्या छा वा बी ईसु को मजाक उडा़र्या अर ऊँकी बेजती कर्या छा।

ईसु को प्राण छोड़बो

45 फेर दफेरी सुँ लेर करीब तीन बज्यां ताँई सारा देस मं उंधेरो छायो रियो। 46 करीब तीन
बज्यां की आस-पास ईसु न जो'र सूँ अपणी भासा मं हेलो पाड़'र खी,"इलोई,इलोई,लमा
सबत्कनी।" जिको मल्लब छ, "ओ म्हारा परमेस्वर,ओ म्हारा परमेस्वर थानँ!म्हूँ कांई काण
छोड़ द्यो?" 47 ज्ये ऊँठी ऊँक गोड़यां उबा छा,वां मं सूँ कोई मनख ईसु न अस्यां बोलता
सुण'र खी, "यो एलीयाह काण हेलो पाड़्यो छ। 48 तो ऊँमं सूँ एक मनख न भाग'र पूम्बा न
खाट्टा अंगूर क रस मं डुबा'र एक लाठी का मुण्डा प टांकर ल्याया।अर ऊ खाट्टा अंगूर क रस
ईसु न चुखबा काण दियो। 49 औरां न खी, "ठहर जा"! आपण या देखंगा क इनँ बचाबा काण
एलिया आवगो क न्ह आवगो। 50 फेर ईसु न घणी जोर सूँ बळा'र पराण छोड़ दिया। 51 उ
बगत यरूसलेम मं मन्दर को परदा ऊपर सूँ ले'र तणँ ताँई पाट'र दो टुकड़ा होग्या,अर धरती
हाल गी अर डुंगर फाट पड़ीं। 52 तथां कबरां खुल गी अर परमेसर का मनखा का घणा डीलडा
जीवता हेग्या। 53 व कबरां मं सुं खड़र ईसु क जीवतो हेबा क पाछँ पवित्र नगर मं जार घणा
न दिखाई दिया। 54 सेना को एक अधीकारी ज्ये सौ सपाईयां क ऊपर जम्मादार छो,अर ईसु
की रूखाळी करबाळा मनख धरती का हालबा न अर अस्याण की दुसरी घटना न देखर ड़रप
ग्या। तो ऊ सुबेदार न खी,क यो मनख साच्याँई मं परमेस्वर को बेटो छो। 55 अर ऊंठी घणी
लुगायां बी छी व ईसु न दूर सूँ उबी उबी देख री छी। जद ईसु गलील का इलाका मं छो तब व्ह
लुगायां ईसु क पाछँ चालबाळी छी अर व ईसु की सेवा-चाकरी करँ छी । 56 वा लुगायां मं सूँ
मगदला नाऊँ का सहर मं रहबाळी मरियम ,छोटक्यो याकूब अर योसेस की माँई मरियम अर
जबदी का बेटा की माँई छी।

ईसु को गाड़यो जाबो

57 व्ह दन मं जद स्याम पड़गी छी ऊ बगत मं यूसूफ नाऊँ को एक धणी मनख छो,उ अरिमतिया
देस को रहबाळो छो, ऊ आयो।अर ऊं खुद बी ईसु को चेलो छो 58 ऊँ पीलातुस क गोड़ँयां
ग्यो अर उसूँ ईसु की लास मांगी। तो पीलातुस न ईसु की लास ले जाबा काण हुकम दे दी। 59
फेर युसफ न लास ले लि अर मकमल का चादरा मं उनँ लपेटर। 60 अपणी खुद कि नई कबर
मं धरद्यो जिनँ वो डुंगर कटवार बणवायो छो।।अर कबर को बार्णो बड़ो भारी भाटा सूँ जूड़
द्यो। 61 मगदला नाऊँ का सहर मं रहबाळी मरियम अर योसेस की मांई मरियम ऊँठी कबर
क सामँ बॅठी छी।

कबर कि रुखाळी

62 दूसरे दन मल्लब ज्ये तयारी का दन क बाद प्रधान याजकां अर फरीसीयां पिलातुस क गोड़यां
एकट्टा होर खी। 63 हे"महाराज, म्हाँनँ याद छ, क ऊ छळी जद ऊ जीवतो छो, उ बगत मं उनँ
खी छी, क तीन दन क बाद मं म्हूँ मरया होया मं सुँ पाछो जीवतो होजाऊँ। 64 तो आज्ञा दे
दीज्ये क तीन दन ताईं कबर की रूखाळी करी जावँ। जिसुं अस्यां कोई न्ह हो जावँ क उका
चेला आर ऊँकी लास न चोरर लेजावँ अर मनखां मं खव क वो मरया होया मं सुं जीवतो हेग्यो
छ। यो दुसरो छळ फेली का छळ सुं भी ज्यादा बरो होवगो। " 65 पिलातुस न वाँ सुँ खी, "थें
रुखाळी करबा काण सपाई ले जा सकँ छ। जावो, थांकॅ समझ क अनुसार जस्यां रूखाळी कर

सकॅ छ,अस्यां करो।” 66 फेर व चल ग्या अर ऊ भाटा प मोर लगार रुखाळा न ऊँठी बठाणर
कबर की रूखाळी करवाई।

28

ईसु को पाछो जिन्दा होबो

1 आराम हाळो दन क पाछॅ सप्ताह को पहलो दन दीतवार को दन बड़े तड्कावॅ मं मगदला
नाऊँ का सहर मं रहबाळी मरियम अर दूसरी मरियम कबर न देखबा काण आई। 2 अर
झाँको,एकधम घणाजोर को भुकम्प आयो अर प्रभू को एक दुत सरग सुं उतरयो ।ऊ कबर क
गोड़यां आयो अर भाटा न हटार उकॅ उपर बठ ग्यो। 3 उको रूप आकास कि बिजळी क नाईं
चमक रयो छो अर उंका लत्ता बर्फ क नाईं धोळाफट छा। 4 व सपाईयां ज्ये कबर क रूखाळी
कर रया छा ड़र क मारे धुजबा लागग्या अर मृत क नाईं हो ग्या। 5 पण सरग दूत न व्ह लुगायां
सूँ खी, थां डरपो मत” म्हूँ जाणु छूँ क थैं ईसु न हेर री छ,ज्ये कुरुस प लटका’र मारगालयो छो।
6 ऊ य्हाँ कोई न्ह छ! क कस्यां ऊ अपणा ख’बा क अनुसार ऊ जिन्दो होग्यो छ। आवो, ऊं
ठाम न देखो,ज्यां वो पड़या छो। 7 अबाणु थैं अठी सूँ बेगसीक जाओ अर ईसु का चेला काण
यो समचार सुणावो क ऊ मर्या होया मं सुँ पाछॅ जीवतो होग्यो छ अर ऊ था सूँ पहली गलील मं
जाऊगो जस्यां उनॅ थाकाण पहली बताई छी।थें उनॅ ऊंठी देखॅगा। 8 “ तो व्ह लुगाया हाथ्योहाती
कबर न छोड़र चलगी। व ड़र अर राजी सुं भरगी छी।फेर ईसु का चेला क ताईं या बताबा काण
व भागि गी। 9 ईसु एकदम वा लुगायां न गेला मं मल्या अर खी, क “सुखी रहवो! ” व ईसु क
गोड़यां आई अर उंका पगा न पकड़र ऊक ढोक दी। 10 तब ईसु न वासुँ खी डरपो मत, जाओ
अर म्हारा भाईयां सुँ खो,क व गलील प्रदेश मं चल जावॅ।उठी व म्हनॅ देखगा। 11 हालताईं वा
लुगायां गेला मं ई छी क झाँको,कोई सपाई ज्ये रूखाळी मं छा, व नगर मं आर ज्ये भी घटना
ऊठी होई छी,वो सारी बातां न प्रधान याजकां काण सुणाया। 12 तब वानॅ बुज़ुर्ग यहूदी नेतां
क लारां एकट्टा होर एक योजना बणाई।अर वानॅ सपाईयां क ताईं घणा सारां धन देर खी 13
क लोग-दणीयां सुं या बोलो,क जद म्हां सुत्या छा, तो ईसु का चेला रात मं आर ऊँकी लास न
चोऱ’र लेग्या। 14 अगर थाकी या बात राजपाल ताईं पुग क छ तो म्हां ऊकाण समझा देंगों। अर
थाकॅ उपर काई भी संकट कोई न्ह आबा देंगा। 15 रूखाळा न धन लेर जस्यां वानॅ बतायो ग्यो
छो अस्यांई करया छा।अर या बात यहुदि मनख्यां आज ताँई भी अस्याण क अस्यां फेलरी छ।

महान आदेश

16 फेर ग्यारा चेला गलील मं सुँ उ डुंगर प ग्या ज्यां जाबा काण ईसु न वा सुँ खीयो छो। 17
जद वानॅ ईसु देखया तो ईसु क ढोक दी। हालताँई कोई का मन मं सक छा । 18 फेर ईसु न
वाकॅ गोड़यां जार खी , “ सरग अर धरती को सारो अधीकार म्हारॅ काण सुपायो ग्यो छ। 19
जिसुं ,थें जार सारा जात्यां का मनखयां न म्हारा चेला बणावो। अर वाक काण पिता,पुत्र अर
पबित्र आतमा का नाऊँ सुँ बत्तिस्मा दे द। 20 अर ज्ये आदेश म्हनॅ थां काण दीयो छ वानॅ मानबो
सखावो अर याद रखो, ई जगत का आखरी ताईं म्हूँ सदा थाँका लारां छूँ ”